door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, ● www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 16 | गुवाहाटी | सोमवार, 12 अगस्त, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मंत्री पीयूष ने नाव से गंगाधर नदी के तटबंध का किया निरीक्षण पेज 3
परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिघाट भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल होने को तैयार पेज 4
जीवन की हर विधा में भारतीयों ने दुनिया में मनवाया लोहा : शेखावत पेज 5
बांग्लादेश के जिहादियों के खिलाफ काशी की मुस्लिम महिलाओं ने किया मार्च पेज 11

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

सुप्रभात

ईश्वर मूर्तियों में नहीं है। आपकी भावनाएं ही आपका ईश्वर है। आत्मा आपका मंदिर है।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

भरतपुर में सात नवयुवकों की डूबने से मौत

भरतपुर। जिले में बयाना इलाके में रविवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया। यहां गांव के बगल से निकल रही बाण गंगा नदी में डूबने से सात नवयुवकों की मौत हो गई है। अचानक हुए हादसे के बाद हड़कंप मच गया और ग्रामीणों ने एक घंटे के रेस्क्यू के बाद सभी नवयुवकों को बाहर निकाला, जिनमें कुछ के शव भरतपुर पहुंच चुके हैं। जिले के बयाना -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदुओं पर हो रहे हमले, लोग उठा रहे फायदा : बांग्लादेशी नेता

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंसक विरोध प्रदर्शन के चलते कई हिंदुओं की मौत हो चुकी है। पड़ोसी मुल्क में शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने के बाद अंतरिम सरकार का गठन भी हो चुका है। इसके बावजूद हिंसा का आलम ये है कि बीते दिन वहां के मुख्य न्यायाधीश ओबैदुल हसन को भीड़ ने अल्टीमेटम दे दिया, जिसके बाद उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ा। बांग्लादेश में अभी ये -शेष पृष्ठ दो पर

हिंडनबर्ग के नए आरोपों पर सेबी चीफ ने दी सफाई, कहा–

ये हमारा चरित्र हनन

नई दिल्ली। अदाणी ग्रुप पर पिछले साल गंभीर आरोप लगाने वाली अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने अब सेबी चीफ पर ही हमला बोला है। हिंडनबर्ग ने नई रिपोर्ट के जरिए सेबी की चेयरपर्सन माधबी बुच और उनके पति पर अदाणी की शेल कंपनियों में हिस्सा होने का दावा किया है। हिंडनबर्ग ने आरोप लगाए हैं कि सेबी चीफ और उनके पति की अदाणी मनी साइफनिंग घोटाले में इस्तेमाल की गई दोनों ऑफशोर कंपनियों में हिस्सेदारी है। हालांकि, सेबी की अध्यक्ष और उनके पति ने आरोपों को खारिज करते हुए एक संयुक्त बयान जारी किया। सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच और उनके पति ने हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि इसके जरिए उनके चरित्र हनन की कोशिश की जा रही है। संयुक्त बयान में उन्होंने कहा कि 10 अगस्त 2024 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट में हमारे खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार हैं। इनमें कोई सच्चाई नहीं है। हमारा जीवन और वित्तीय स्थिति एक खुली किताब है। सभी आवश्यक खुलासे पिछले कई वर्षों से सेबी को पहले ही किए जा चुके हैं। हमें किसी भी और सभी वित्तीय दस्तावेजों का खुलासा करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है। माधबी बुच और उनके पति धवल बुच ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंडनबर्ग रिसर्च ने सेबी द्वारा प्रवर्तन कार्रवाई और कारण बताओ नोटिस का जवाब उनके चरित्र हनन के प्रयास से दिया है। उन्होंने कहा कि ये रिपोर्ट सेबी की कार्रवाई के खिलाफ लाई गई है। इससे पहले शनिवार को अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग ने कहा कि हमें यह एहसास नहीं था वर्तमान सेबी अध्यक्ष और उनके पति धवल बुच ने ठीक उसी बेनामी ऑफशोर बरमूडा और मॉरीशस फंड में हिस्सेदारी छिपाई थी, जो उसी शेल कंपनियों में पाई गई थी, जिसका उपयोग विनोद अदाणी द्वारा किया गया था। हिंडनबर्ग रिसर्च ने कहा कि उसने एक व्हिसलब्लोअर द्वारा प्रदान किए गए दस्तावेजों और अन्य संस्थाओं द्वारा की गई जांच के आधार पर नए आरोप लगाए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि माधबी बुच और उनके पति धवल बुच ने पहली बार 5 जून 2015 को सिंगापुर में आईपीई प्लस फंड 1 के साथ अपना खाता खोला था। आईआईएफएल के एक अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित फंड की घोषणा में कहा गया है कि -शेष पृष्ठ दो पर

रिपोर्ट जोड़ तोड़ के पेश किया गया : अदानी समूह

नई दिल्ली। अदानी समूह ने रविवार को हिंडनबर्ग रिसर्च की नई रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक बयान जारी किया। बयान में कहा गया है कि हिंडनबर्ग के द्वारा लगाए गए आरोप नकारात्मक और झूठे हैं। शनिवार को अमेरिका की शॉर्ट-सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने दावा किया कि वॉचलिस्ट डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक, सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच का उन गुप्त ऑफशोर कंपनियों में हिस्सा था, जिनका इस्तेमाल *अदानी पैसे हड़पने के घोटाले* में किया गया। इन दावों को खारिज करते हुए अदानी समूह ने एक बयान जारी किया और हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों को पूरी तरह से नकार दिया। अदानी समूह ने एक बयान में कहा कि हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए नवीनतम आरोप दुर्भावनापूर्ण, शरारती और जोड़-तोड़ वाले हैं। ये आरोप सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारियों का चयन करके पूर्वनिर्धारित निष्कर्षों तक पहुंचने का प्रयास हैं, जिसमें तथ्यों और कानून की पूरी तरह से अनदेखी की गई है। हम अदानी समूह के खिलाफ इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज करते हैं। ये आरोप उन पुरानी और निराधार दावों को फिर से उठाते हैं, जिनकी पूरी जांच की गई थी, जो बेबुनियाद साबित हुए थे और जिनसे माननीय सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी 2024 में इनकार कर दिया था। दरअसल अमेरिका स्थित शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने 10 अगस्त को अपनी नई रिपोर्ट में आरोप -शेष पृष्ठ दो पर

स्वतंत्रता दिवस बहिष्कार के आह्वान के बीच असम में बढ़ाई गई सुरक्षा

गुवाहाटी। हाल ही में यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (अल्फा-आई) की धमकी के जवाब में, असम ने पूरे राज्य में सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए हैं। उग्रवादी समूह ने एक चेतावनी जारी कर असम के लोगों से 15 अगस्त को आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग न लेने का आग्रह किया है। ईमेल के जरिए भेजी गई इस धमकी में 15 अगस्त की आधी रात से शुरू होकर शाम 6 बजे तक राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया गया है। हालांकि बंद से ज्यादातर गतिविधियां प्रभावित होंगी, लेकिन समूह ने स्पष्ट किया है कि आपातकालीन सेवाएं, मीडिया संचालन और धार्मिक आयोजन हड़ताल के प्रतिबंधों से मुक्त रहेंगे। असम में अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं और राष्ट्रीय अवकाश के दौरान लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किए जा रहे हैं।

सीमा : उग्रवादियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षा कड़ी की गई : डीजीपी

गुवाहाटी। असम पुलिस ने अल्फा (आई) उग्रवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद अरुणाचल प्रदेश से सटी सीमा पर सतर्कता बढ़ा दी है। एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अरुणाचल प्रदेश की सीमा के पास उग्रवादियों के डेरा डालने की खुफिया जानकारी मिली है। असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जी.पी. सिंह ने यहां एक कार्यक्रम से इतर कहा कि हमारी खुफिया एजेंसियों और स्थानीय एजेंसियों से मिली -शेष पृष्ठ दो पर

भारत में घुसपैठ कर रहे थे 11 बांग्लादेशी बीएसएफ ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारत में घुसपैठ की कोशिश करते 11 बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा से गिरफ्तार किया है। समाचार एजेंसी ने बीएसएफ के हवाले से बताया कि पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मेघालय में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के माध्यम से भारत में घुसपैठ करने की कोशिश करते हुए इन बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया है। खबरों के मुताबिक बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि पकड़े गए लोगों से पूछताछ की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें राज्य पुलिस को सौंपने की तैयारी की जा रही है। प्रवक्ता ने कहा कि आपसी मुद्दों को सुलझाने के लिए बीएसएफ अपने समकक्ष बीजीबी के साथ नियमित संपर्क में है, -शेष पृष्ठ दो पर

असम-मिजोरम सीमा विवाद को लेकर अगले दौर की वार्ता जनवरी में होगी : अतुल बोरा

गुवाहाटी। असम के सीमा सुरक्षा और विकास मंत्री अतुल बोरा ने रविवार को कहा कि मिजोरम के साथ सीमा विवाद को सुलझाने के लिए अगले दौर की चर्चा अगले साल जनवरी में गुवाहाटी में होगी। मंत्री बोरा ने कहा कि दोनों राज्य सरकारें दशकों पुराने विवाद का समाधान चाहती हैं ताकि दोनों तरफ अंतर-राज्यीय सीमा के पास रहने वालों के लिए स्थायी शांति और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। मंत्री एजल से लौटने के बाद गुवाहाटी में संवाददाताओं से बात कर रहे थे। असम सरकार ने सीमा विवाद को सुलझाने के लिए पिछले सप्ताह मिजोरम सरकार के गृह मंत्री के सपडांगा के नेतृत्व वाली एक टीम के साथ बातचीत की थी। एजल में असम के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बोरा ने किया था। बोरा ने कहा कि पिछले साल मिजोरम में विधानसभा चुनावों के कारण सीमा विवाद को लेकर वार्ता नहीं हो पायी। अब हम फिर से विवाद को सुलझाने की दिशा में बढ़ रहे हैं। मिजोरम का एक मंत्रिस्तरीय समूह जनवरी तक अगले दौर की वार्ता के लिए गुवाहाटी का दौरा करेगा। हमने उन्हें अपना निमंत्रण दिया है। दोनों पूर्वोत्तर राज्यों ने 20 महीने के अंतराल के बाद पिछले सप्ताह एजल में सीमा विवाद को सुलझाने के लिए वार्ता की। पिछली -शेष पृष्ठ दो पर

कांगपोकपी में ब्लास्ट, पूर्व विधायक की पत्नी की मौत

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में एक बम विस्फोट में एक पूर्व विधायक की पत्नी की मौत हो गई। अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि बम विस्फोट शनिवार शाम सैकुल के पूर्व विधायक यमथोंग हाओकिप के घर के निकट स्थित एक घर में किया गया। उनकी पत्नी का नाम सपम चारुबाला बताया जा रहा है। बता दें कि सपम चारुबाला पूर्व विधायक की दूसरी पत्नी थी। अधिकारियों ने इस घटना की जानकारी देते हुए आगे बताया कि हादसे में सपम चारुबाला विस्फोट में घायल हो गईं और उन्हें सैकुल में एक स्वास्थ्य सुविधा में ले जाया गया, इसके बाद उनकी मौत हो गई। जब -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी की किसानों को बड़ी सौगात

अधिक उपज वाली फसलों की 109 किस्में जारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उच्च उपज देने वाली, जलवायु अनुकूल और जैव-सशक्त फसलों की 109 किस्म जारी की। नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पीएम ने फसलों की इन किस्मों को जारी किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा जारी की गई 61 फसलों की 109 किस्मों में 34 खेत की फसलें और 27 बागवानी फसलें शामिल हैं। खेत की फसलों में बाजरा, चारा फसलें, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास, फाइबर और अन्य संभावित फसलों सहित विभिन्न अनाज के बीज जारी किए गए। बागवानी फसलों में फलों, सब्जियों की फसलों, बागान फसलों, कंद फसलों, मसालों, फूलों और औषधीय फसलों की विभिन्न किस्में जारी की गईं। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने किसानों और वैज्ञानिकों से भी बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत करने वाले एक किसान ने कहा कि पहले जब मैं प्रधानमंत्री मोदी को किसानों की आय दोगुनी करने की बात करते सुनता था, तो मुझे लगता था कि यह झूठ है, लेकिन आज उनसे मिलने के बाद यह स्थापित हो गया है कि वह किसानों को लेकर बहुत गंभीर हैं। हमारी बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने फसलों -शेष पृष्ठ दो पर

ओडिशा के कानून मंत्री का एलान

राज्य में आ रहे बांग्लादेशी नागरिकों के पहचान पत्र का होगा सत्यापन

भुवनेश्वर। बांग्लादेश में हिंसा के बीच ऐसी खबरें भी सामने आ रही हैं कि पड़ोसी देश से लोग लगातार भारत में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन का कहना है कि राज्य में बांग्लादेशी नागरिकों के पहचान पत्रों के सत्यापन की कार्रवाई शुरू की जाएगी। उन्होंने दावा किया है कि ओडिशा और पश्चिम बंगाल से बांग्लादेश के लोग भारत मे आ रहे हैं। पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि ओडिशा और पश्चिम बंगाल के रास्ते कई -शेष पृष्ठ दो पर

यूक्रेन ने रूस के कई गांवों पर किया कब्जा, 76 हजार लोग घर छोड़कर भागे

मॉस्को। ढाई साल से जारी जंग के बीच अब यूक्रेन ने रूस पर हल्ला बोल हमले तेज कर दिए हैं। यूक्रेनी सेना रूस की सीमा के 10 किमी अंदर तक पहुंच गई है। यूक्रेन के 1 हजार से ज्यादा सैनिक, 20 बख्तरबंद गाड़ियां और 11 टैंक रूस में मौजूद हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन के 1 हजार से ज्यादा सैनिक 20 बख्तरबंद गाड़ियां और 11 टैंक रूस में मौजूद हैं। उन्होंने कई गांवों पर कब्जा कर लिया है। रूसी प्रांत कुर्स्क के गवर्नर एलेक्सी स्मर्नोव ने बताया कि हमलों को देखते हुए 76 हजार लोग घर छोड़ कर जा चुके हैं। यूक्रेनी सैनिकों का अगला टारगेट सुद्जा शहर बताया जा रहा है। रूस-यूक्रेन जंग की शुरुआत के बाद से यूक्रेन की तरफ यह अब तक का सबसे बड़ा पलटवार है। इससे -शेष पृष्ठ दो पर

जाति पर आरएसएस का यूटर्न

अब कास्ट सिस्टम को माना समाज को एक करने की वजह

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ी एक पत्रिका ने जाति व्यवस्था को भारत की एकता का कारक बताया और जाति व्यवस्था को उचित ठहराने की कोशिश की है। पांचजन्य मैगजीन के संपादकीय में जाति व्यवस्था को भारतीय समाज को एक करने वाली वजह बताते हुए कहा गया है कि मुगल इसे समझ नहीं सके और अंग्रेज इसे देश पर अपने आक्रमण के लिए एक बाधा के रूप में देखते थे। मैगजीन के संपादक हितेश शंकर ने संपादकीय में लिखा है कि जाति व्यवस्था एक कड़ी थी जो भारत के अलग-अलग वर्गों को उनके पेशे और परंपरा के मुताबिक एक साथ रखती थी। औद्योगिक क्रांति के बाद, पूंजीपतियों ने जाति व्यवस्था को भारत के पहरेदार के रूप में देखा था। संपादकीय में दिए गए तर्क के मुताबिक जाति व्यवस्था हमेशा आक्रमणकारियों के निशाने पर थी। जहां मुगलों ने तलवार के बल पर तो वहीं मिशनरियों ने सेवा और सुधार की आड़ में इसे निशाना बनाया। जाति के रूप में भारत के समाज ने एक जो बात समझी थी वो ये कि अपनी जाति से दगा करना राष्ट्र से दगा करना है। मिशनरियों ने भारत के इस एकीकरण के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

हिंसा के खिलाफ ढाका से यूएस तक प्रदर्शन

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की घटनाएं थमने की नाम नहीं ले रही है। इस हिंसा के खिलाफ बांग्लादेश की राजधानी ढाका और दुनिया के दूसरे देशों में हिंदू समुदाय ने विरोध प्रदर्शन किया। बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति के चलते हिंदुओं को अभी तक निशाना बनाया जा रहा है और उनकी हत्या की जा रही है। इसी हिंसा के खिलाफ बीते दिन ढाका में हिंदू समुदाय के लोगों ने बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया। पड़ोसी मुल्क में हिंदू मंदिरों को भी नष्ट किया जा रहा है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं और अन्य लोगों को निशाना बनाकर की गई कथित हिंसा के खिलाफ शुक्रवार को वाशिंगटन में व्हाइट हाउस के बाहर बड़ी संख्या में लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी और बांग्लादेशी झंडे लिए हुए थे और पोस्टर पकड़े हुए थे, जिसमें मांग की गई थी कि बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों को *बचाया जाए।* उन्होंने *हमें न्याय चाहिए* के नारे लगाए और हाल ही में हिंसा में वृद्धि के बीच शांति का आह्वान किया। वहीं, लंदन और फिनलैंड सहित दुनिया के कई और हिस्सों में भी विरोध प्रदर्शन की खबरें आईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बांग्लादेश की नई अंतरिम सरकार से हिंदुओं की सुरक्षा की अपील की। भारत सरकार के अधिकारियों का कहना है कि वो इस घटना पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि वो अंतरिम सरकार से लगातार संपर्क में हैं।

ट्रेनी डॉक्टर हत्या मामला

फोरडा ने आज से राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक महिला पोस्ट-ग्रेजुएट ट्रेनी डॉक्टर के साथ यौन उत्पीड़न कर उसकी हत्या कर दी गई। 9 अगस्त को घटी इस घटना के सामने आने के बाद से देशभर के डॉक्टरों में गुस्सा भरा हुआ है। महिला डॉक्टर को इंसाफ दिलाने के लिए डॉक्टर देशभर में विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। रविवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के जूनियर डॉक्टरों ने महिला डॉक्टर के यौन उत्पीड़न और हत्या के विरोध में प्रदर्शन किया। डॉक्टरों के संगठन फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने रविवार को 12 अगस्त से राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की। इसी के साथ उन्होंने देश के सभी अस्पतालों में वैकल्पिक सेवाएं बंद करने की घोषणा की। उन्होंने सोशल प्लेटफार्म एक्स पर घोषणा करते हुए लिखा कि हम कल (12 अगस्त, सोमवार) से अपना राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे ! हम आर जी कर मेडिकल कॉलेज, कोलकाता के अपने पीटे गए, दुर्व्यवहार किए गए, बहुत आहत साथियों के साथ खड़े हैं। हम अधिकारियों से आग्रह करते हैं कि इसे राजनीतिक न बनाएं और इसे बुरा रंग न दें, यहां मानवता दांव पर लगी है। सभी से सामूहिक रूप से डॉक्टरों का समर्थन करने और उनकी मदद करने का अनुरोध करते हूं, वे अंदर से घायल हैं। कोलकाता पुलिस ने शनिवार को महिला डॉक्टर के साथ यौन उत्पीड़न और हत्या के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था, जिसकी पहचान संजय रॉय के रूप में की गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रॉय एक नागरिक स्वयंसेवक है।

कामरूप में बेटे, बहू और पोते ने की व्यक्ति की हत्या

कामरूप (असम) (हिंस)। कामरूप के जोरशिमुली में बेटे, बहू और पोते ने मिलकर एक 67 वर्षीय व्यक्ति को खंजर से हमला कर मार डाला। बाद में लोगों द्वारा हत्यारे के घर में आग लगा दी गई। मृतक की पहचान आयत अली के रूप में हुई है। यह घटना जोरशिमुली के मध्य चौधरीपाम गांव में हुई। लगाए गए आग से पांच पशुओं की जलकर मौत हो गई। इस बीच हत्यारे ने हत्या करने के बाद सरेंडर कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना को लेकर इलाके में सनसनी व्याप्त है।

गलत कार्य करने वालों को बक्सा नहीं जाएगा : असीम अरुण

देवरिया (हिंस)। जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय मेरहौना के मेस ठेकेदार राजेश कुमार गुप्ता को रविवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। वह चौरीचौरा, गोरखपुर के निवासी है। समाज कल्याण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि आरोपी मेस संचालक के अगर अन्य ठेके किसी सर्वोदय विद्यालय में संचालित है तो उसे भी निरस्त किया जाए। विभागीय मंत्री के निर्देश पर अधिकारियों ने ठेकेदार की फर्म को ब्लैक लिस्टेड कर दिया गया है।

रेसुब ने 11 दलालों को पकड़ा और 2.85 लाख के रेल टिकट बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) दलालों की सक्रियता पर कार्रवाई करने के लिए नियमित रूप से अभियान चला रही है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने आज बताया कि 17 से 31 जुलाई तक इस जोन में चलाए गए जांच अभियान में रेलवे सुरक्षा बल ने 11 दलालों को हिरासत में लिया और उसके पास से 2.85 लाख रुपये से अधिक के 64 रेल टिकट बरामद किए। 17 जुलाई को एक घटना में, अलीपुरद्वार जंक्शन की आरपीएफ और सीआईबी टीम ने संयुक्त रूप से धूपगुड़ी के पीआरएस काउंटर पर छापेमारी कर तलाशी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान, टीम ने 14 टिकट बरामद किए, जिसकी कीमत लगभग 89 हजार 587 रुपये थी और इस संबंध में एक दलाल को पकड़ा। आगे की कार्रवाई के लिए जलपाईगुड़ी रोड में रेल अधिनियम की धारा 143 के तहत मामला दर्ज किया गया। इस वर्ष 31 जुलाई तक पूसी रेलवे के अधीन विभिन्न स्टेशनों और ट्रेनों में छापामारी और जांच के दौरान पूसी रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल द्वारा 148 दलालों को गिरफ्तार किया गया और लगभग 29.38 लाख रुपये मूल्य के कुल 1100 टिकट बरामद किए गए। रेल टिकटों की अनधिकृत और अवैध खरीद पर कड़ी नजर रखने के अलावा, पूसी रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने कार्य के साथ-साथ रेल उपयोगकर्ताओं को सेवाएं एवं सहायता प्रदान करने को हमेशा तत्पर है।

बांग्लादेशी संदेह में पुलिस ने पकड़े 34 मजदूर, नकली आधारकार्ड और फर्जी आईडी कार्ड मिले, मचा हड़कंप

संबलपुर। पड़ोसी बांग्लादेश में तख्तापलट और हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का असर इनदिनों भारत के विभिन्न हिस्सों में देखने को मिल रहा है। पश्चिम बंगाल के मजदूरों को इस संकट का सामना करना पड़ रहा है। लोग उन्हें भी बांग्लादेशी होने का संदेह कर रहे हैं। संबलपुर पुलिस के अनुसार यह मजदूर भले ही बांग्लादेशी नहीं हैं, लेकिन कुछ मजदूरों के पास से नकली आधार कार्ड मिला है और कुछ ने अपने झूठा परिचय पत्र बनाया है, जो संदेह पैदा करता है। इसकी जांच के लिए पुलिस की ओर से टास्क फोर्स का गठन किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार के दिन संबलपुर के अईंठापानी थाना इलाके में चल रहे एक निर्माण स्थल पर संबलपुर जिला भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष अश्विनी माझी के नेतृत्व में औचक छापेमारी कर वहां काम कर रहे 34 बांग्ला भाषी युवकों को पकड़ा गया। इन मजदूरों को पुलिस थाने ले जाया गया और पूछताछ के बाद उनके कागजातों की जांच पड़ताल की गई तब कुछ युवकों के आधार कार्ड नकली पाए गए, जबकि अन्य कुछ के पास उनका परिचय पत्र झूठा निकला। इस बारे में अपनी प्रतिक्रिया में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरेश पांडे ने बताया है कि इन 34 संदिग्ध युवाओं में कुछ पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिला के हैं, जबकि अन्य कुछ अन्य जिलों के हैं। अभी तक की जांच पड़ताल के दौरान उनके बांग्लादेशी होने का पता नहीं चल सका है। मामला संवेदनशील होने की वजह से इसकी जांच पड़ताल के लिए पुलिस अधीक्षक की ओर से एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है, जिसमें दो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एक डीएसपी, संबद्ध इलाके के थानेदारों और सहायक सब इंस्पेक्टर शामिल हैं। इन संदिग्ध युवा मजदूरों से पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया है, लेकिन उनकी गतिविधि पर पुलिस की नजर है। उधर, भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष माझी ने बताया है कि संबलपुर शहर में संदिग्ध बांग्लादेशी घुसपैठियों की वजह से तरह तरह के अपराध होते रहे हैं। ऐसे घुसपैठिए नकली कागजातों के साथ शहर में रहते हैं और अपराध करने के बाद फरार हो जाते हैं।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर किशनगंज पुलिस अलर्ट

किशनगंज (हिंस)। जिले में स्वतंत्रता दिवस को लेकर और बांग्लादेश की स्थिति को देखते हुए सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया गया है। जिला पुलिस कप्तान सागर कुमार ने बताया कि आगामी स्वतंत्रता दिवस को लेकर जिले के सभी होटल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित अन्य जगहों पर पुलिस की ओर से जांच की जा रही है। इसके साथ ही संदिग्ध लोगों पर निगरानी भी रखी जा रही है। गौर करे कि बीते एक पखवाड़े से बांग्लादेश में हिंसा जारी है और इसको लेकर तमाम सीमावर्ती थानों को अलर्ट किया गया है। एसपी ने आगे बताया कि सीमा पर जो भी गतिविधि चल रही है। उस पर किशनगंज पुलिस की पैनी नजर है। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल और निकटवर्ती इस्लामपुर पुलिस के साथ जिला की पुलिस लगातार संपर्क में है। बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ की ओर से अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है। इसके साथ ही किशनगंज पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है।

पृष्ठ एक का शेष

ये हमारा चरित्र...

निवेश का स्रोत *वेतन* है और दंपति की कुल संपत्ति 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। इससे पहले जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी जिसमें अदाणी समूह पर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया गया, जिसके कारण कंपनी के शेयर की कीमत में भारी गिरावट आई। उस समय समूह ने इन दावों को खारिज कर दिया था।

रिपोर्ट जोड़ तोड़ के ...

लगाया कि सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच की अदानी के *मनी साइफनिंग स्कैंडल* में इस्तेमाल की गई ऑफशोर फंड्स में हिस्सेदारी थी। हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया कि सेबी जनवरी 2023 में प्रकाशित हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर एक्शन लेने के लिए तैयार नहीं था क्योंकि सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच के पास ऑफशोर फंड में इन्वेस्टमेंट थे जिनके अदानी ग्रुप के साथ लिंक थे। वहीं सेबी अध्यक्ष ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट में अदानी लिंक के आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि यह निराधार, किसी भी सच्चाई से रहित है। अमेरिका की शॉर्ट सेलर कंपनी इस बार शेयर बाजार को रेगुलेट करने वाली संस्था सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच पर आरोप लगाया है। माधवी पुरी बुच और धवल बुच शनिवार को देर रात आई रिपोर्ट का खंडन करते हुए इन्हें *आधारहीन* और *चरित्र हनन* का प्रयास करार दिया है। हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया है कि सेबी की चेयरपर्सन माधवी बुच और उनके पति की अदानी मनी साइफनिंग घोटाले में इस्तेमाल हुए ऑफशोर फंड्स में हिस्सेदारी थी। इस पर उन्होंने कहा कि हमारे खिलाफ 10 अगस्त, 2024 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों पर बताना चाहेंगे कि हम रिपोर्ट में लगाए गए निराधार आरोपों का खंडन करते हैं। उसमें सच्चाई नहीं है। हमारा जीवन और वित्त स्थिति एक खुली किताब की तरह है। हमें सभी वित्तीय दस्तावेजों को दिखाने में कोई संकोच नहीं है। इसमें वो पेपर्स भी शामिल हैं, जब हम और पुरी एक सामान्य नागरिक थे।

सीमा : उग्रवादियों की ...

रिपोर्ट से पता चला है कि अल्फा (आई) समूह के सदस्य असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा के पास डेरा डाले हुए हैं। उन्होंने कहा कि वे कोई हिंसक गतिविधि न कर सकें, इसके लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस, सेना, सीआरपीएफ समेत सभी सुरक्षा एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। डीजीपी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि अल्फा (आई) के सदस्य राज्य में शांति भंग करने के लिए कुछ नहीं करेंगे। हालांकि, हमने अपनी तरफ से निगरानी बढ़ा दी है।

भारत में घुसपैठ कर ...

खासकर बांग्लादेश में भारतीय नागरिकों और अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों पर अत्याचार की रोकथाम के लिए। बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर ने एक बयान में कहा कि इसके पूर्वी कमान प्रमुख, अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) रवि गांधी ने बांग्लादेश में मौजूदा अशांति और आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर के बीच 4,096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा की समीक्षा के लिए शनिवार को एक परिचालन सम्मेलन की अध्यक्षता की। बयान में बताया गया कि 11 बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में घुसपैठ करते समय सीमा पर पकड़ा गया है। इनमें से दो को पश्चिम बंगाल, दो को त्रिपुरा सीमा और सात को मेघालय सीमा से पकड़ा गया। पकड़े गए लोगों से पूछताछ की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें राज्य पुलिस को सौंप दिया जाएगा। प्रवक्ता ने कहा कि बीएसएफ के एडीजी (पूर्वी कमान) रवि गांधी ने शनिवार को इस सीमा पर सुरक्षा की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

असम-मिजोरम सीमा...

बैठक नवंबर 2022 में गुवाहाटी में आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि असम प्रतिनिधिमंडल ने यात्रा के दौरान मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा से भी मुलाकात की। बोरा ने कहा कि उन्होंने (मिजोरम के मुख्यमंत्री) हमारे सामने अपने बयान में स्पष्ट किया था कि वे भी सीमा समस्या का स्थायी समाधान चाहते हैं क्योंकि सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। हम उनकी प्रतिबद्धता के लिए उन्हें धन्यवाद देते हैं। शुक्रवार को एजल में बैठक के बाद दोनों राज्यों ने विवाद को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई थी। यह भी निर्णय किया गया कि दोनों राज्यों के सीमावर्ती जिलों के प्रशासनिक अधिकारी संबंधों को बेहतर बनाने के लिए अगले साल 31 मार्च से पहले संयुक्त सांस्कृतिक और खेल उत्सव आयोजित करेंगे। मिजोरम के तीन जिलों-एजल, कोलासिब और ममित तथा असम के कछार, करीमगंज और हैलाकांदी जिलों को लेकर विवाद है, जिनके बीच 164.6 किलोमीटर लंबी सीमा है।

कांगपोकपी में ब्लास्ट...

विस्फोट हुआ तो हाओकिप भी अपने घर में थे लेकिन इस घटना में उन्हें कोई चोट नहीं आई। जानकारी के लिए बता दें कि 59 साल की चारुबाला हाओकिप मैतेई समुदाय से थीं। कुकी-जोमी-प्रभुत्व वाले कांगपोकपी जिले के एकौ मुलम में रहती थीं। वहीं उनके पति 64 वर्षीय यमथोंग हाओकिप ने पहले 2012 फिर 2017 में दो बार कांग्रेस के टिकट पर सैकुल सीट जीती थी। 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले वह भाजपा में शामिल हो गए थे। बम किसने लगाया, इस बात का अभी तक पता नहीं चला है। इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

अधिक उपज वाली ...

की नई किस्में लॉन्च की हैं जो पर्यावरण के अनुकूल हैं और किसानों की आय बढ़ाने में मदद करेंगी। एक अन्य किसान किसान सत्यवान ने कहा कि बैठक वाकई अच्छी रही। प्रधानमंत्री मोदी ने बारिश में भी किसानों से बातचीत की। उन्होंने हमसे पूछा कि फसलों की नई किस्म से हमें क्या फायदा होगा। फसल की कुछ किस्मों में कीटनाशकों की जरूरत नहीं होती, हमें अपनी फसलों का अच्छा दाम मिलेगा। ऐसी फसलों की अवधि कम होती है और विकास अधिक होता है। इसलिए, इससे किसानों को फायदा होगा। प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत करने वाली जैविक किसान अनीता डागर ने कहा कि यह एक सपना सच होने जैसा है। हम प्रधानमंत्री से बातचीत करने का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। पीएम मोदी के साथ बातचीत शानदार रही, फसलों की नई किस्म से किसानों की आय दोगुनी होने जा रही है। इन दिनों जलवायु परिवर्तन काफी देखने को मिल रहा है, ऐसे में किसानों को इन नई किस्मों की फसलों से काफी लाभ मिलने वाला है।

राज्य में आ रहे बांग्लादेशी ...

लोग भारत में आ रहे हैं। जल्द ही ओडिशा में आने वाले बांग्लादेशी नागरिकों के पहचान पत्रों के सत्यापन की कार्रवाई शुरू की जाएगी। हमने इसे लेकर में पहले ही तटीय क्षेत्रों में तैनात हमारे सुरक्षा अधिकारियों को सूचित कर दिया है। उन्होंने आगे कहा कि ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बाद तटीय पुलिस स्टेशनों को भी इस बारे में जानकारी दी गई है। इस बीच, कनाडा के टोरंटो में बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा को लेकर प्रदर्शन किया गया। टोरंटो के डाउनटाउन में आयोजित विरोध प्रदर्शन में लोगों को *हम न्याय चाहते हैं* के नारे लगाते देखा गया। प्रदर्शनकारियों ने कनाडा सरकार से हिंदुओं की रक्षा के लिए बांग्लादेश सरकार पर दबाव बनाने का आग्रह किया। आपको बता दें कि बांग्लादेश में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच पांच अगस्त को शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके साथ ही बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल मच गई थी। बांग्लादेश में प्रदर्शनकारी छात्र सरकारी नौकरियों में मिलने वाले आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। आठ अगस्त की रात को मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली।

यूक्रेन ने रूस के ...

पहले 8 अगस्त को यूक्रेनी सैनिकों के घुसने के बाद कुर्स्क-ओब्लास्त प्रांत में इमरजेंसी लगा दी गई थी। यूक्रेन ने रूस के लिपेत्स्क प्रांत में बॉर्डर से 300 किमी दूर एक एयरफील्ड को भी ड्रोन के जरिए निशाना बनाया था। ये मिलिट्री एयरफील्ड रूस के फाइटर जेट्स, हेलीकॉप्टर्स और 700 से ज्यादा शक्तिशाली ग्लाइड बम का बेस थी।रूस इस एयरफील्ड का इस्तेमाल सुखोई और मिग जैसे फाइटर एयरक्राफ्ट को ऑपरेट करने के लिए करता था। हमले के बाद रूस की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया था कि उसने यूक्रेन के 75 से ज्यादा ड्रोने को मार गिराया है। इनमें 19 लिपेत्स्क प्रांत में थे। जिस इलाके में यूक्रेनी सैनिकों ने घुसपैठ की थी, वहां रूस की महत्वपूर्ण गैस पाइपलाइन मौजूद हैं। रूस इन पाइपलाइन के जरिए प्राकृतिक गैस को ट्रांसपोर्ट करता है।सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में रूस के ओक्टाब्रास्को शहर में 15 सैन्य वाहनों का काफिला क्षतिग्रस्त नजर आ रहा है। यह शहर रूसी सीमा से करीब 38 किमी दूर है। बीबीसी ने इस वीडियो की पुष्टि की है। हमलों को देखते हुए रूस ने कुर्स्क में कई टैंक और रॉकेट लॉन्चर भेजे हैं। वहीं रूस के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को पहली बार रूस पर हमले की बात कबूली है। जेलेंस्की ने कहा कि हमारी सेना जंग को रूस की जमीन पर लेकर जा रही है। उन्होंने साबित कर दिया कि वे इंसाफ बहाल करते हुए हमलावरों पर जरूरी दबाव डालने में सक्षम हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने सैनिकों का शुक्रिया अदा भी किया। यूक्रेनी हमले की वजह से कुर्स्क प्रांत के न्यूक्लियर पावर प्लांट पर खतरा मंडरा रहा है। दरअसल, यह प्लांट सुद्जा शहर से करीब 60 किमी दूर है। इस बीच इंटरनेशनल अटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के चीफ राफेल ग्रॉसी ने चेतावनी जारी की है। उन्होंने दोनों देशों से सावधानी बरतने की अपील की है, जिससे परमाणु दुर्घटना को रोका जा सके।

अब कास्ट सिस्टम को ...

समीकरण को मुगलों से बेहतर समझा कि यदि भारत और उसके स्वाभिमान को तोड़ना है तो सबसे पहले जाति व्यवस्था के रूप में या इस एकीकृत करने वाले कारक को एक बाधा या जंजीर कहकर तोड़ दें। संपादकीय में ये तर्क दिया गया है कि मिशनरियों द्वारा जाति व्यवस्था की इस समझ को अंग्रेजों ने अपनी फूट डालो और राज करो की नीति के लिए अपनाया था। संपादकीय में कांग्रेस पर भी हमला किया गया है। इसमें कहा गया है कि हिंदू जीवन जिसमें गरिमा, नैतिकता, जिम्मेदारी और सांप्रदायिक भाईचारा शामिल है वो जाति के इर्द-गिर्द घूमता है। जिसे मिशनरीज नहीं समझ सके। मिशनरियों ने जाति को अपने धर्मांतरण के कार्यक्रम में एक बाधा के तौर पर देखा, तो वहीं कांग्रेस ने इसे हिंदू एकता में एक कांटे के रूप में देखा। कांग्रेस जाति जनगणना कराना चाहती है क्योंकि वह अंग्रेजों की तर्ज पर लोकसभा सीटों को जाति के आधार पर बांटकर देश में बंटवारा बढ़ाना चाहती है। राहुल गांधी पर लोकसभा में जाति के मुद्दे पर बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर के तज पर संपादकीय में कहा गया है कि भारत की जाति क्या है? समाज और इतिहास का उत्तर है हिंदू। लेकिन जब कांग्रेस पार्टी से उसकी जाति पूछी जाएगी तो जवाब होगा ईस्ट इंडिया कंपनी और ए ओ ह्यूम। गौरतलब है कि हाल ही में संसद में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की जाति पर बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने टिपण्णी की थी। जहां एक तरफ आरएसएस से जुड़ी पत्रिका में जाति व्यवस्था के पक्ष में तर्क दिया गया है। तो वहीं आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बार-बार कहते रहे हैं कि जातिगत भेदभाव भारतीय समाज के लिए अभिशाप है और इसे खत्म किया जाना चाहिए।

भरतपुर में सात ...

उपखंड की ग्राम पंचायत फरसो के गांव श्रीनगर से होकर निकल रही बाण गंगा नदी में मिट्टी का टापू ढहने से सात नवयुवकों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गांव के लोग नदी के किनारे के मिट्टी खोदकर निकाला करते थे, जिसके चलते वहां जगह-जगह पर गहरे गड्ढे हो गए थे और मिट्टी के टीले बन गए थे। इस कारण वहां से होकर गुजर रही बाण गंगा नदी के किनारे बने मिट्टी के ढीले पर खड़े होकर सात नवयुवक नदी के तेज बहाव को देख रहे थे। उसी दौरान मिट्टी का टीला ढह गया। हादसे में सातों नवयुवक उन गहरे गड्ढों में डूब गए। हादसे की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव घटना स्थल पर पहुंचे और एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंचीं। राहत बचाव कार्य करते हुए सात नवयुवकों के शवों को बयाना की झील का बाड़ा सीएचसी पर लाया गया। यहां से दो नव युवकों के शव भरतपुर जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया गया। उल्लेखनीय है कि लगातार तीन चार दिन से हो रही मूसलाधार बारिश होने के चलते बाण गंगा नदी में अधिक पानी आ गया और उसका तेज बहाव चलने लगा। यह बाण गंगा नदी दौसा तक जाती है। जिला प्रशासन ने बारिश शुरू होने के चलते तमाम नदियों के बहाव क्षेत्र में ग्रामीणों को अलर्ट किया गया था, जिसके लिए तहसीलदार एवं पटवारियों को अलर्ट किया गया था, लेकिन उसके बावजूद कुछ नवयुवक नदी के तट पर पहुंच रहे थे। घटना के बाद मृतकों के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

हिंदुओं पर हो रहे...

साफ नहीं हुआ है कि वहां चुनाव कब होंगे, लेकिन यह तय है कि देश की दो बड़ी राजनीतिक पार्टियों में से एक खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) इनमें अहम भूमिका निभाएगी। एक इंटव्यू में बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश को अपना पद छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के कारण छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि मुख्य न्यायाधीश शेख हसीना सरकार के निकट माने जाते थे और कहा जाता था कि वो उनके पक्ष में ही फैसले देते हैं। बीएनपी नेता ने कहा कि देश में हिंदुओं पर हमले कुछ लोगों द्वारा स्थिति का लाभ उठाने का परिणाम हैं और उन्होंने जोर देकर कहा कि वे किसी *व्यवस्थित एजेंडे* का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जब किसी भी देश में कोई बदलाव होता है, तो कुछ लोग इसका फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। बांग्लादेश में भी दुर्भाग्य से हर क्रांति के साथ, सत्ताधारी पार्टी के नेताओं को निशाना बनाया जाता है, चाहे वे मुस्लिम हों या हिंदू। उन्होंने माना कि अल्पसंख्यकों पर हमले हुए हैं, लेकिन उन्होंने इसे राजनीतिक या व्यवस्थित एजेंडा नहीं बताया। आलमगीर ने आगे कहा कि यदि जिया पर्याप्त रूप से योग्य होंगी तो वे चुनावों में बीएनपी का नेतृत्व करेंगी और यदि पार्टी सत्ता में आती है तो भारत-बांग्लादेश संबंधों को बेहतर बनाने के लिए काम करेगी।

मंत्री पीयूष ने नाव से गंगाधर नदी के तटबंध का किया निरीक्षण

धुबड़ी (हिंस)। जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने आज नौका से धुबड़ी जिले के गोलकगंज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गंगाधर नदी के तट पर कई स्थानों का दौरा किया। इस दौरान मंत्री ने जल संसाधन विभाग द्वारा निर्मित तटबंध का निरीक्षण किया और असम-पश्चिम बंगाल सीमा क्षेत्र के लगभग एक किलोमीटर के क्षेत्र में आवश्यक बाढ़ रोधी उपायों का जायजा लिया। जल संसाधन मंत्री ने सबसे पहले जिले के कईमारी कथालतली से नाव से गंगाधर नदी के ऊपरी हिस्से तक की अपनी यात्रा शुरू कर भलारखास नामक स्थान पर पहुंचे। इस स्थान पर पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग का एक बांध 2022 में टूटकर आसपास के क्षेत्रों में बाढ़ का कारण बन रहा था। पिछले साल मंत्री हजारिका के निर्देश पर जल संसाधन विभाग ने बांध के निर्माण के लिए टूटे हिस्से की मरम्मत कर उपाय किए थे। करीब डेढ़ किलोमीटर लंबे बांध निर्माण के

कारण 40 गांवों में करीब 1, 900 हेक्टेयर कृषि भूमि और करीब 90 हजार लोगों को बाढ़ से मुक्त कराया गया है। मंत्री के दौरे के दौरान स्थानीय लोगों ने जल संसाधन विभाग द्वारा किए गए कार्यों पर संतोष व्यक्त किया। कईमारी में इस स्थान से नाव से फिर से अपनी यात्रा शुरू करते हुए, मंत्री पूर्व विधायक अश्विनी रॉय सरकार और मंडल के मुख्य अभियंता सहित अन्य अधिकारियों के साथ बाकडोक्रा गांव पहुंचे। बाकडोक्रा क्षेत्र में बहने वाली गंगाधर नदी के बाईं ओर का ऊपरी और निचला हिस्सा पश्चिम बंगाल के अंतर्गत आता है, जबकि नदी का करीब एक किलोमीटर की सीमा असम में है। नदी के इस एक किलोमीटर लंबे हिस्से को खोले जाने से असम के बाकडोक्रा, गारोपारा, घृतिनकुटी आदि कई गांवों में बाढ़ आ जाती है। जल संसाधन मंत्री ने आज घटनास्थल का दौरा किया और स्थानीय लोगों और विभागीय इंजीनियरों के साथ बाढ़ और कटाव की समस्याओं का जायजा लिया। मंत्री ने स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि नवंबर-दिसंबर में अत्याधुनिक तकनीक के साथ क्षेत्र में जियो मेगा बैग और जियो ट्यूब स्थापित करके बांध का निर्माण किया जाएगा। मंत्री ने विभागीय अभियंताओं को इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

ड्रग्स समेत महिला तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र के खानापाड़ा इलाके में स्पेशल टास्क फोर्स असम की टीम ने अभियान चलाकर एक महिला ड्रग्स तस्कर.को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने बताया कि रविवार को खानापाड़ा इलाके में स्थित फ्लाईओवर ब्रिज के नीचे चलाए गए अभियान के दौरान एक महिला ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिना नाथ मन्नार (28)के रूप में की गई है। जो मेघालय के उमलिंग के रहने वाली बताई गई है। एसटीएफ गिरफ्तार महिला तस्कर से 23 प्लास्टिक के छोटे-छोटे सीसी भरकर रखे गए 30.5 ग्राम हेरोइन नगद 770 रुपए जब्त किया है। एसटीएफ ने गिरफ्तार महिला तस्कर को ड्रग्स समेत स्थानीय पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

अभातेममं ने वृद्ध आश्रम में सहायता प्रदान की

गुवाहाटी (विभास)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित स्थाई प्रकल्प समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी द्वारा अध्यक्ष अमराव बोथरा की अध्यक्षता में हाथीगांव स्थित स्थानीय मदर ओल्ड एज होम में वृद्ध जनों हेतु आवश्यक राशन सामग्री सहायता स्वरूप दी गई। ओल्ड एज होम में रह रहे वृद्ध जनों ने मंडल के प्रति बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री ममता दुग्गड़ ने किया। कोषाध्यक्ष राजश्री दुग्गड़ ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस आशय की जानकारी प्रचार प्रसार मंत्री विनीता सुराणा ने यहां जारी एक प्रेद्धस विज्ञप्ति में दी।

कामतापुर स्वायत्तशासी परिषद में अभी और गांव होंगे शाामिल : पीयूष हजारिका

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के सूचना प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा है कि कामतापुर स्वायत्तशासी परिषद में और भी गांव शामिल किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। मंत्री हजारिका ने रविवार को एक वीडियो संदेश जारी कर बताया कि जिला आयुक्त की मौजूदगी में मुख्यमंत्री के आदेश से कामतापुर क्षेत्र के 26 संगठनों के प्रतिनिधियों की एक बैठक हुई। जिसमें सभी संगठनों ने कामतापुर में शामिल होने को लेकर सहमति व्यक्त की। हालांकि उन्होंने इस सिलसिले में अपनी-अपनी जातियों के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था की मांग की। मंत्री हजारिका ने कहा कि जिला आयुक्त की मौजूदगी में अपने आप

में यह एक ऐतिहासिक निर्णय था, जब किसी भी संगठन ने इसका विरोध नहीं किया। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि विभागीय मंत्री होने के नाते वह स्वयं सोमवार को इन संगठनों के साथ बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे सभी गांव कामतापुर में शामिल कर लिए गए हैं, जिनमें कोच राजवंशी समुदाय की जनसंख्या 50 फीसदी से अधिक है। 50 फीसदी से कम जनसंख्या वाले गांवों को भी इसमें शामिल करने को लेकर इस सर्वदलीय बैठक का आयोजन किया गया था। कोच राजवंशी संगठनों की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा था कि यदि उन गांवों में रहने वाले अन्य जाति जनजाति के लोगों को आपत्ति नहीं हो तो इन गांवों को कामतापुर में शामिल किया जा सकता है।

स्वतंत्रता दिवस का बहिष्कार करेगा उल्फा-स्वा

गुवाहाटी (हिंस)। असम का प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम- स्वाधीन (उल्फा-स्वा) ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस का बहिष्कार करने की घोषणा की है। संगठन ने शुक्रवार को मीडिया संस्थाओं को एक ईमेल भेज कर अपने इस बहिष्कार को लेकर जानकारी दी है। उल्फा के प्रचार विभाग ने एक लंबा-चौड़ा ईमेल मीडिया संस्थानों को भेजा है। स्वाधीनता दिवस के मौके पर किसी भी प्रकार की संभावित गड़बड़ी को रोकने के लिए और राज्य में चप्पे-चप्पे पर पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

तीन दिवसीय हस्तशिल्प प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यशाला संपन्न

होजाई (निसं)। हस्तशिल्प विकास आयुक्त विभाग ने होजाई जिले के भालुकमारी हायर सेकेंडरी स्कूल के लगभग 80 छात्रों के बीच तीन दिवसीय अगस्त 8 से 10) हस्तशिल्प प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। उद्घाटन समारोह में हस्तशिल्प संवर्धन अधिकारी (एचपीओ) रुमित रॉय, भालुकमारी हायर सेकेंडरी स्कूल की प्राचार्य गीता फुकन बैद्य और सामाजिक कार्यकर्ता जीतू बोरा उपस्थित थे। इन तीन दिनों के कार्यशाला के दौरान विभाग ने कई

अतिथियों को आमंत्रित किया। जिन्होंने प्रशिक्षण दिया जिसमें बबीता विश्वास, जूरी बरुवा, ओमप्रकाश सेकिया, जयंत दास, मुकेश सैकिया और पूजा कुमारी दास ने कई प्रकार की कलाओं का प्रशिक्षण दिया।

होलसेल जनरल मर्चेंट्स एसोसिएशन ने छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका का अभिनंदन किया

गुवाहाटी (विभास)। होलसेल जनरल मर्चेंट एसोसिएशन ने छत्तीसगढ़ के नव नियुक्त राज्यपाल रमेन डेका का एक समारोह आयोजित कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष विजय गुप्ता ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि रमेन डेका आज गरिमामय उच्च पद पर पहुंच गए हैं। जो हमारे संगठन के लिए गर्व की बात है। इन्होंने संगठन के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व महासचिव के रूप में काफी सेवाएं प्रदान की थी। होलसेल जनरल मर्चेंट एसोसिएशन परिवार के सदस्य की नाते इन्होंने कई समस्याओं के समाधान के लिए भी सक्रिय प्रयास किया था। आज इन्हें सम्मानित कर हमे बहुत खुशी हो रही है। इससे पहले राज्यपाल रमेन डेका ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उनके साथ संगठन के अध्यक्ष विजय गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष अशोक चौधरी, सलाहकार प्रदीप दास और महासचिव प्रकाश गुप्ता उपस्थित थे। सम्मान समारोह में बोलते हुए रमेन डेका ने कहा कि मैंने भी एक थोक व्यापारी के रूप में संगठन से जुड़कर काफी काम किया था। वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी व्यापारियों को राहत देते हुए असम में जीएसटी के नोटिस में संशोधन कर कई नियम लागू किए हैं। जिसके चलते जुर्माने के रूप में भेजी हुई नोटिस में काफी राहत मिल जाएगी। यह सब काम हमारे संगठन की एकता के बदौलत

हो रहा है। हमें एक रहना है। एकता में बड़ी शक्ति है। होलसेल व्यापार में उत्पादक वितरक को कई कारणो से परेशान करते रहता है। उस समय हमारी एकता के आगे उत्पादक को भी झुक जाना पड़ता है। आज मै राज्यपाल जैसे गरिमामय पद पर बैठकर भी व्यापारियों के हितों के बारे में ही काम करूंगा। इस अवसर पर संगठन ने रमेन डेका को शॉल, फूलाम गमछा, जापी पहना कर गैंडे का प्रतीक चिन्ह प्रदान किया। समारोह में उपस्थित कई सदस्यों ने व्यक्तिगत रूप से भी राज्यपाल का अभिनंदन किया। इसके अलावा युवा भारती, माथुर वैश्य समाज, सरदारशहर परिषद, सेवा भारती, तेरापंथ महासभा के प्रतिनिधियों ने भी राज्यपाल का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में प्रभु दयाल जैन, सज्जन अग्रवाल, जुगराज बोथरा, शकुंतला गुप्ता, चंदन सेठिया, प्रदीप नाहटा, सुशील सेठिया, बसंत सुराणा, अरुण अग्रवाल, मनमोहन सिकरिया, आदर्श शर्मा, विशाल भातरा, दिनेश सिकरीया के अलावा अन्य कई सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सिद्धार्थ नवलगड़िया ने किया।

बरपेटारोड : धार्मिक महिला समिति ने की द्वादश पार्थिव ज्योतिलिंग का रुद्राभिषेक

बरपेटारोड (विभास)। सावण मास के अवसर पर भक्ति भावना से औत-प्रोत बरपेटारोड स्थानीय श्री राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी में रविवार को धार्मिक महिला समिति के तत्वावधान में श्री शंकर भगवान का द्वादश पार्थिव ज्योतिलिंग महारुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। शानदार स्वरूप लिए भगवान शिव शंकर के दरबार की आभा अवर्णित है। भोलेबाबा जैसे अपने समक्ष सभी भक्तों को समाहित किए साक्षात विराजमान बैठे हो। रुद्राभिषेक अनुष्ठान का आरम्भ हुआ सभी यजमानों सबिता-अरुण सराफ, कलावती-कृष्णा चौधरी, ज्ञाना-अनिल खेतावत, अनु-गिरधारी शर्मा, अलका-राजकुमार मोर, ज्योति-रामदेव शर्मा, अंजु- श्रवन सराफ, मंजू-राजेन्द्र जाजोदिया, सुमित्रा-कृष्णा शर्मा, गुंजन-युवराज शर्मा, तारा-रामप्रसाद सोनी, अनुराधा-बासुदेव सारडा, निधि-अंजनी चौधरी द्वारा विधी विधान के साथ पुजा अर्चना से। बरपेटारोड धार्मिक

महिला समिति द्वारा आहुत रुद्राभिषेक का संचालन किया बरपेटा रोड़ के सुप्रसिद्ध पंडितजी रामदेव जी ने वैदिक मंत्रोच्चार कर तथा भजन गायक पवन शर्मा ने भजनों की अमृत बरसा से सब में भावना जागृत कर मंत्रमुग्ध कर दिया। पंडित विकास जी, रवि जी एवं राजन पंडित ने रुद्राभिषेक को सुचारू रूप से संचालित करने में भरपूर सहयोग किया। धार्मिक महिला समिति की सदस्या विनिता चौधरी, गीता धिरासरिया, कांता खेतावत, सरला शर्मा, सुशिला चैनवाला, सरोज अग्रवाल, कांता सराफ, मंजू सराफ, ज्योति शर्मा के अलावा समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने श्री रुद्राभिषेक में बढ़-चढ़कर अंश ग्रहण किया। भगवान शंकरजी का बड़े ही सुंदर एवं मनमोहक रूप से श्रिंगार किया गया। रुद्राभिषेक के बाद आरती के साथ अनुष्ठान का समापन हुआ। अंत में अध्यक्षा सबिता सराफ एवं सचिव अनु शर्मा ने इस अनुष्ठान को सफल बनाने हेतु सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा भक्ति भावना से भरे इस यादगार अभिषेक के पुनरावर्ती का सभी को इन्तजार रहेगा।

पार्श्वनाथ भगवान का निर्वाण महोत्सव का आयोजन

गुवाहाटी। सकल दिगंबर जैन समाज (गुवाहाटी) द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मोक्ष सप्तमी पर्व रविवार को फैंसी बाजार स्थित श्री दिगंबर जैन (बड़ा) मंदिर के नेमीनाथ वेदी के समक्ष जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान का 2801वां निर्वाण महोत्सव श्रद्धा, भक्ति व प्रभावना के रूप में बहुत ही हर्षोल्लास के साथ बनाया गया। महावीर प्रसाद पाटनी एवं प्रमोद जैन के संयोजन में तथा पंडित संतोष शास्त्री के सानिध्य में प्रात: 5:15 बजे श्रीजी कि शांतिधारा, नित्य नियम पूजा, पार्श्वनाथ विधान, निर्वाण- कांड पाठ आदि के पश्चात श्रीजी के चरणों में 23 किलो का मुख्य निर्वाण लाडू एवं 1-1 किलो के 23 विशेष निर्वाण लाडू चयनित परिवारों द्वारा चढ़ाया

गया। प्रचार प्रसार के मुख्य संयोजन ओम प्रकाश सेठी ने बताया कि पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक के उपलक्ष में समाज की नन्ही- नन्ही बच्चियों ने मोक्ष सप्तमी व्रत का पालन किया। तथा समाज के सभी धर्मावलंवियों ने पुण्य का अर्जन करते हुए अपने कर्मों का प्रक्षालन किया। यह जानकारी समाज के प्रचार-प्रसार विभाग के सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

मंत्र दीक्षा कार्यशाला का आयोजन

गुवाहाटी। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन एवं तेरापंथ युवक परिषद्, गुवाहाटी तत्वावधान में मंत्र दीक्षा कार्यशाला मुनि श्री प्रशांत कुमारजी, मुनि श्री कुमुद कुमारजी के सान्निध्य में आयोजित हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुनि श्री प्रशांत कुमारजी ने कहा कि प्रात: उठते ही नवकार मंत्र का जप करना चाहिए, उसे अपना जीवन साथी बना लेना चाहिए। यह मंत्र नहीं अपितु शक्तिशाली महामंत्र है। चार गति संसार एवं मोक्ष को जानने का सटीक तरीका है। मनुष्य गति में अध्यात्म जुड़ जाए तो हमारी यह गति सार्थक बन जाती है। जीवन को अच्छा बनाने के लिए सद्गुणों का विकास होना जरूरी है। आठ कर्मों के कारण ही हम संसार में घूम रहे हैं। आठों ही कर्म को सीखने के साथ किस कारण से किस कर्म बंधन होता है ये जानकर कर्म बंधन से बचना चाहिए। जीवन में गुण एवं अवगुण दोनों आ सकते हैं। कौन-सा संस्कार हमें ग्रहण करना है ये चिंतन करना चाहिए। हमारे जीवन निर्माण में मित्र का भी महत्व रहता है। गलत मित्र का साथ हमारे जीवन को गलत पथ पर ले जाता है, पाप कर्म से जितना बचने का मनोभाव होगा उतना ही हमारा जीवन व्यवहार अच्छा बनेगा। मंत्र दीक्षा स्वीकार करने वाले ज्ञानार्थी वीतराग बनने का चिंतन करते रहें। मंत्र दीक्षा का मतलब कुछ संकल्पों की दीक्षा। मां का चिंतन, व्यवहार, आचरण कार्यशैली एवं जीवनशैली का बहुत असर बच्चों पर होता है। सद्संस्कारी बच्चे का भविष्य सुखद होता है। माता-पिता का अपने कर्तव्य का सम्यक् पालन बच्चे के व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। माता-पिता का मंगल भाव बच्चों के लिए सुखद होता है। हमें अपनी जिंदगी को ज्ञान की रोशनी एवं गुणों की सुगंध से भरनी चाहिए। हमें देव गुरु धर्म के प्रति पूरी श्रद्धा रखनी चाहिए। मुनि श्री कुमुद कुमारजी ने कहा-हमारे जीवन में संस्कार का बहुत महत्व है। जितना श्वास का महत्व होता है उतना ही संस्कार जरूरी है। बिना संस्कार के जीवन अच्छा नहीं होता। संस्कारी बच्चे भविष्य को सुखद बना देते हैं। ज्ञानशाला जीवन निर्माण की प्रयोगशाला है। प्रारम्भ से मिले संस्कार जीवन पर्यंत काम आते हैं। संस्कारों का सिंचन गर्भावस्था में ही होना चाहिए। घर परिवेश का वातावरण का असर बच्चों के मस्तिष्क पर होता है उसी आधार पर उसका व्यवहार एवं आचरण बनता है। हमारी भावी पीढ़ी मूलभूत संस्कारों से भावित रहे, ऐसा प्रयास सबको करना चाहिए। मंत्र दीक्षा स्वीकार करने वाले ज्ञानार्थी अपने जीवन को गौरवमय बनाएं, जिससे दूसरों को प्रेरणा मिल सके। कार्यक्रम का शुभारंभ तेरापंथ युवक परिषद के विजय गीत से हुआ। नवकार मंत्र गीत पर ज्ञानशाला के ज्ञानार्थी ने रोचक प्रस्तुति दी। तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष सतीश कुमार भादानी ने विषय प्रस्तुति दी। आभार तेयुप उपाध्यक्ष नवीन भंसाली ने व्यक्त किया।

पहली ऑल असम इंटर स्कूल योगासन चैंपियनशिप गुवाहाटी में आयोजित

गुवाहाटी। पहली ऑल असम इंटर स्कूल योगासन चैंपियनशिप 10 अगस्त को मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, काहिलीपाड़ा, गुवाहाटी में बड़े उत्साह के साथ हुई। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम ने राज्य भर से योग के प्रति उत्साही लोगों को एक साथ लाया, जिससे युवा छात्रों को अपने योग कौशल का प्रदर्शन करने और शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान किया गया। चैंपियनशिप में असम के विभिन्न जिलों के 35 से अधिक स्कूलों और लगभग 140 छात्रों ने भाग लिया, जिससे यह योग का एक भव्य उत्सव बन गया। श्रीमान की गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ी। मनमोहन दास, एमईएस ट्रस्ट बोर्ड सदस्य। प्रतिभागियों ने दो मुख्य श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा की: पारंपरिक योग और कलात्मक योग। प्रतियोगिता का मूल्यांकन प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के एक पैनल ने किया, जिसमें अरुणिम बोरा, आजाद हजारिका, देबजीत नाथ, गनानंद बर्मन, कौशिक दास, कृष्णा दास, मानस सरमा, नबलाखी गोगोई, सुखमय नाथ और सुरंजन देबनाथ शामिल थे। इस आयोजन में विभिन्न श्रेणियां शामिल थीं, जिनमें सब-जूनियर ग्रुप

(5 से 9 वर्ष, लड़के और लड़कियां), जूनियर ग्रुप ए (10 से 14 वर्ष, लड़के और लड़कियां), और जूनियर ग्रुप बी (15 से 19 वर्ष, लड़के और लड़कियां) शामिल थे। कलात्मक एकल प्रदर्शन के साथ। कार्यक्रम में बोलते हुए श्रीमती मॉडर्न इंग्लिश स्कूल की प्रिंसिपल जोनाली दास ने इस तरह के प्रतिष्ठित कार्यक्रम की मेजबानी करने पर गर्व व्यक्त किया। पहली ऑल असम इंटर स्कूल योगासन चैंपियनशिप की मेजबानी करना सम्मान की बात है। यह आयोजन न केवल हमारे छात्रों के जीवन में योग के महत्व को उजागर करता है बल्कि उन्हें अनुशासन और सावधानी बरतने के लिए भी प्रोत्साहित करता है। हमें सभी प्रतिभागियों के समर्पण पर गर्व है। और कड़ी मेहनत। विद्यालय के योग प्रशिक्षक डॉ. सैफुल इस्लाम ने भी योग के लाभों पर जोर देते हुए अपने विचार साझा किए। योग केवल एक शारीरिक गतिविधि नहीं है; यह जीवन जीने का एक तरीका है। इस चैंपियनशिप के माध्यम से, हमारा लक्ष्य हमारे छात्रों में दृढ़ता, संतुलन और आंतरिक शक्ति के मूल्यों को स्थापित करना है। मैं हमारे इस तरह के उत्साह और प्रतिबद्धता को देखकर प्रसन्न हूं। *युवा योगी*। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल ने 39 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया, उसके बाद एफसीए अकादमी 30 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही। चैंपियनशिप का समापन विजेताओं की घोषणा के साथ हुआ, जिन्हें उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए ट्रॉफी और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। यह आयोजन असम में छात्रों के बीच योग के अभ्यास को बढ़ावा देने, उन्हें स्वस्थ और अधिक संतुलित जीवन जीने के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिघाट भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल होने को तैयार

- लगभग पांच साल के लम्बे इन्तजार के बाद 2017 में हो पाई थी अरिघाट की लांचिंग
- समुद्र में गोते लगाने के लिए अरिघाट अपनी बहन आईएनएस अरिहंत से जुड़ जाएगी

नई दिल्ली, (हि.स.)। हिंद महासागर क्षेत्र में चीन के तेजी से बढ़ते कदमों के बीच परमाणु मिसाइलों से लैस पनडुब्बी आईएनएस अरिघाट भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल होने को तैयार है। इसे विशाखापट्टनम के जहाज निर्माण केंद्र पर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी वेसल (एटीवी) प्रोजेक्ट के तहत बनाया गया है। भारत की पहली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिहंत की लांचिंग 2009 में हुई थी। इसके अलावा पारंपरिक हथियारों के साथ दो परमाणु ऊर्जा चालित हमलावर पनडुब्बियों के निर्माण की परियोजना भी अंतिम मंजूरी के करीब है। नौसेना को दूसरी 6,000 टन की परमाणु ऊर्जा चालित पनडुब्बी आईएनएस अरिघाट मिलने के बाद भारत अब रणनीतिक प्रतिरोध के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की ओर से बढ़ रही चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होगा। भारतीय नौसेना की दूसरी परमाणु ऊर्जा वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिघाट तीन साल के समुद्री परीक्षणों के बाद अब इस वर्ष के अंत तक समंदर में गोते लगाने के लिए तैयार है। यह अरिहंत श्रेणी की भारत में निर्मित की गई दूसरी पनडुब्बी है। व्यापक परीक्षणों के बाद औपचारिक कमीशनिंग के लिए पूरी तरह से तैयार पनडुब्बी में विस्तारित अवधि में उन्नयन के साथ कुछ तकनीकी मुद्दों को सुलझाया गया था। भारत की पहली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिहंत को 9 साल के व्यापक परीक्षण के बाद अगस्त, 2016 में समुद्र में उतारा गया था। दो साल के परीक्षण के बाद 2018 में यह पूरी तरह से चालू हो गई थी। आईएनएस अरिघाट की लांचिंग लगभग पांच साल के लम्बे इन्तजार के बाद 2017 में हो पाई।

इस पनडुब्बी को मूल रूप से आईएनएस अरिदमन के नाम से जाना जाता था लेकिन इसके लॉन्च होने पर इसे आईएनएस अरिघाट नाम दिया गया था। यह पनडुब्बी सात साल तक व्यापक परीक्षण से गुजरी है और अब समुद्र की गहराइयों में उतरने के लिए तैयार है। इसके बाद अरिघाट अपनी बहन आईएनएस अरिहंत से जुड़ जाएगी। आईएनएस अरिहंत के मुकाबले आईएनएस अरिघाट में मिसाइलों की संख्या दोगुनी होगी, जिससे भारत को 'पानी के युद्ध' में और अधिक मिसाइलें ले जाने की क्षमता मिल जाएगी। अरिहंत श्रेणी की दूसरी मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिघाट के ब्लेड प्रोपेलर जल रिएक्टर से संचालित होंगे। यह पनडुब्बी पानी की सतह पर 12-15 समुद्री मील (22-28 किमी/घंटा) की अधिकतम गति से चल सकती है और समुद्र की गहराई में 24 समुद्री मील (44 किमी/घंटा) की गति प्राप्त कर सकती है। इस पनडुब्बी के कूबड़ पर आठ लांच ट्यूब होंगे। यह 750 किमी. रेंज वाली 24के-15 सागरिका मिसाइलों या 3,500 किमी. की रेंज वाली 8के-4 मिसाइल तक ले जा सकती है। अरिहंत श्रेणी की परमाणु-शक्ति वाली इन पनडुब्बियों को 2.9 बिलियन डॉलर के उन्नत टेक्नोलॉजी वेसल (एटीवी) प्रोजेक्ट के तहत डिजाइन और निर्मित किया गया है।

नटवर सिंह के निधन पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने दुख जताया

FILE PHOTO

नई दिल्ली, (हि.स.)। पूर्व विदेश मंत्री के. नटवर सिंह के निधन पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने शोक संदेश में कहा कि अपने लंबे करियर में उन्होंने कई भूमिकाएँ निभाईं, एक प्रतिष्ठित राजनयिक से लेकर एक उत्कृष्ट सांसद तक। पद्म भूषण से सम्मानित, वे एक प्रसिद्ध साहित्यकार भी थे। वे उनके परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करती हैं। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दुख जताते हुए कहा कि नटवर सिंह के निधन से उन्हें गहरा दुख हुआ है। उन्होंने विदेश मंत्री सहित विभिन्न पदों पर रहते हुए देश की सेवा की। वे एक विपुल लेखक और प्रतिष्ठित इतिहासकार थे। उन्होंने हमेशा जीने और योगदान देने का उत्साह दिखाया। हमारे साहित्य जगत और सार्वजनिक जीवन में नटवर सिंह के अद्वितीय योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि वे इस गहरे दुख की घड़ी में हेमिंदर कौर, उनके पुत्र जगत सिंह और अन्य पारिवारिक सदस्यों तथा उनके मित्रों एवं प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कूटनीति और विदेश नीति की दुनिया में उनके समृद्ध योगदान को याद किया, जो अपनी बुद्धिमत्ता एवं बेहतरीन लेखन के लिए भी जाने जाते थे। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि वे नटवर सिंह के निधन से दुखी हैं। उन्होंने कूटनीति और विदेश नीति की दुनिया में समृद्ध योगदान दिया। वह अपनी बुद्धिमत्ता के साथ-साथ बेहतरीन लेखन के लिए भी जाने जाते थे।

पंजाब के जंडपुर के लोगों ने रात 9 बजे के बाद प्रवासियों के बाहर निकलने पर लगाई रोक

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब की राजधानी चंडीगढ़ से सटे मोहाली के एक गांव ने अनोखा फरमान जारी किया है। गांव की नौजवान सभा ने बोर्ड लगाकर प्रवासी मजदूरों के रात 09 बजे के बाद घर से बाहर निकलने पर रोक लगा दी है। प्रशासन इस मामले में अभी चुप है। इससे पहले भी पंजाब के जिला रोपड़ के अंतर्गत आते गांव मुधो संगतियां में एक फरमान जारी कर प्रवासियों को गांव छोड़ने के आदेश जारी किए गए थे। इसके बाद मामला हाई कोर्ट में पहुंच गया था।

मोहाली में लगातार बढ़ रहे औद्योगिकरण के चलते उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड के लोग गांवों में किराए के मकानों पर रह रहे हैं या कइयों ने गांवों में जमीन खरीदकर अपने घर बनाने शुरू कर दिए हैं। मोहाली जिले के गांव जंडपुर की नौजवान सभा ने बोर्ड लगाकर गांव में रहने वाले प्रवासियों के लिए गाइडलाइन जारी की है। जंडपुर में सार्वजनिक स्थानों पर यह बोर्ड लगाए गए हैं। जंडपुर गांव के वार्ड नंबर 4 के नगर पार्षद गोविंदर सिंह चीमा के अनुसार जो लोग बाहर से आते हैं, वे यहां रहें। हमने उनसे पुलिस वेरिफिकेशन करवाने की अपील की है। यह सुनिश्चित करने के लिए है कि कोई भी व्यक्ति बाहर से कुछ गैरकानूनी काम करके यहां आकर न रहे। प्रवासियों को सार्वजनिक रूप से पान-गुटका, बीड़ी नहीं खानी चाहिए। हमारे यहां 4 गुरुद्वारा साहिब और मंदिर हैं। लोग पान-गुटका खाने के बाद थूकते हैं, यह अपवित्र है। गांव की नौजवान सभा किसी समुदाय को निशाना नहीं बना रही है। बिहार के विजय प्रताप कुशवाहा इसका समर्थन करते हुए कहते हैं कि वह अब यहां के बाशिंदे बन गए हैं। किसी की भावनाएं आहत हों, इस तरह का कार्य करने के पक्ष में वे नहीं हैं।

प्रवासियों के लिए जारी गाइडलाइन

- प्रवासियों की वैरीफिकेशन अनिवार्य

प्रवासी पानी, बीड़ी व गुटखा नहीं खाएंगे

प्रवासियों को मकान किराए पर देने वाले लोग घर के बाहर कूड़ादान रखवाएंगे।

रात 9 बजे के बाद प्रवासी बाहर नहीं घूमेंगे।

एक कमरे में दो से अधिक प्रवासी नहीं ठहर सकेंगे।

प्रवासियों के गांव में कच्छा-बनियान पहनकर घूमने पर रोक।

प्रवासी किराएदार अपने वाहनों को उचित पार्किंग में खड़ा करेंगे।

कोई भी प्रवासी गैरकानूनी कार्य में लिप्त पाया गया तो मकान मालिक के खिलाफ कार्रवाई होगी।

मराठा कार्यकर्ताओं ने सोलापुर में शरद पवार के काफिले का घेराव किया

मुंबई, (हि.स.)। सोलापुर जिले में स्थित बार्शी में रविवार को मराठा समाज के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद के काफिले का घेराव किया। इसके बाद शरद पवार ने मराठा कार्यकर्ताओं से बात की और कहा कि उनकी भूमिका मराठा समाज को आरक्षण दिए जाने की है। इसके बाद पुलिस ने भी आक्रामक मराठा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया और शरद पवार गंतव्य की ओर रवाना हुए। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मराठा समाज के कार्यकर्ता आक्रामक हैं और सर्वदलीय नेताओं के आवास और कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे पहले मराठा कार्यकर्ताओं ने शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के आवास के सामने भी प्रदर्शन कर चुके हैं। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास के सामने प्रदर्शन करने जा रहे मराठा कार्यकर्ताओं को फडणवीस ने बुलाकर चर्चा की थी। इसी तरह मराठा कार्यकर्ताओं ने बीड़ जिले में मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे के काफिले का घेराव करके सुपारी फेंक कर आंदोलन किया था। इसी कड़ी में आज सोलापुर में शरद पवार के काफिले का घेराव किया गया था ।

फिर से सक्रिय राजनीति में लौटेंगे नवजोत सिद्धू, वीडियो जारी करके दिए संकेत

चंडीगढ़, (हि.स.)। आईपीएल मैच की कमेंट्री में व्यस्त नवजोत सिद्धू एक बार फिर से नेता के रूप में सक्रिय होने जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान प्रचार से दूर रहे नवजोत सिंह ने रविवार को एक वीडियो जारी करके इसके संकेत दिए हैं। नवजोत सिंह सिद्धू ने अपने नए वीडियो में पंजाब की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने अपनी वीडियो में कहा कि शतरंज का वजीर हो या इंसान का जमीर... गिर गया समझो खेल खत्म...। दो दिन पहले ही नवजोत सिंह सिद्धू तीन बार विधायक रहे सुरजीत धीमान के घर पहुंचे थे। वह सुरजीत धीमान की पत्नी बलबीर कौर के देहांत के बाद उनसे मिलने व अफसोस करने पहुंचे थे। नवजोत सिंह सिद्धू 2022 में अमृतसर ईस्ट से चुनाव हारने के बाद वे पटियाला शिफ्ट हो गए। इसके बाद लोकसभा 2024 के चुनाव भी आए लेकिन नवजोत सिंह सिद्धू न प्रचार में आए और ना ही किसी उम्मीदवार के लिए प्रचार किया।

सेबी और अडानी समूह ने हिंडनबर्ग के आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली, (हि.स.)। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और अडानी समूह ने अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की हालिया रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों का खंडन किया है। सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने एक बयान में इसे इसे निराधार और चरित्र हनन का प्रयास बताया। बयान में दोनों ने कहा कि उन्हें किसी भी वित्तीय दस्तावेज का खुलासा करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है। उल्लेखनीय है कि हिंडनबर्ग रिसर्च ने 10 अगस्त को अपनी नवीनतम रिपोर्ट में आरोप लगाया कि सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच की अडानी के धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल की गई अस्पष्ट ऑफशोर संस्थाओं में हिस्सेदारी थी। वहीं अडानी ग्रुप की ओर से जारी वक्तव्य में कहा गया है कि हिंडनबर्ग के आरोप सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी का दुर्भावनापूर्ण, शरारती और जोड़-तोड़ करने वाला उपयोग है, ताकि तथ्यों और कानून की अवहेलना करते हुए व्यक्तिगत मुनाफा कमाने के लिए पूर्व-निर्धारित निष्कर्ष पर पहुंचा जा सके। अडानी समूह इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज करता है। यह बदनाम करने का दोबारा किया गया प्रयास है। मामले में पहले ही गहन जांच की जा चुकी है जिसमें आरोप निराधार साबित हुए हैं और सर्वोच्च न्यायालय ने भी जनवरी 2024 में इन्हें पहले ही खारिज कर दिया है।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति मुर्मू को 'ग्रैंड कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते' से सम्मानित किए जाने पर गर्व व्यक्त किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को तिमोर-लेस्ते देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किए जाने पर गर्व व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने आज ट्वीट कर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते' से सम्मानित किए जाने पर बहुत गर्व व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह प्रतिष्ठित सम्मान भारत और तिमोर-लेस्ते के बीच गहरे संबंधों और आपसी सम्मान को दशार्ता है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट में कहा, "राष्ट्रपति जी को ग्रैंड कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते से सम्मानित होते देखना हमारे लिए गर्व का क्षण है। यह हमारे देशों के बीच मजबूत संबंधों और आपसी सम्मान को दशार्ता है। यह कई वर्षों से सार्वजनिक जीवन में उनके अभूतपूर्व योगदान की मान्यता भी है।

राजा भोज एयरपोर्ट पर विवेक सागर का हुआ भव्य स्वागत, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया सम्मानित

भोपाल, (हि.स.)। पेरिस ओलिंपिक 2024 में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारतीय हॉकी टीम भारत लौट आई है। टीम में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे विवेक सागर प्रसाद रविवार सुबह दिल्ली से फ्लाइट द्वारा भोपाल पहुंचे। विवेक का मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सम्मानित कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा प्रिय विवेक, आपके अभूतपूर्व खेल से सम्पूर्ण मध्यप्रदेश गौरवान्वित है। आप ऐसे ही अपने खेल से प्रदेश का मान, सम्मान और गौरव बढ़ाते रहें, यही शुभेच्छा है। इस मौके पर सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग उपस्थित रहे। इससे पहले, विवेक सागर का राजा भोज एयरपोर्ट पर भी भव्य स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर मंत्री विश्वास सारंग और पुलिस विभाग के अधिकारियों ने उन्हें रिसीव किया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश पुलिस के डीआईजी एसएएफ मुख्यालय, डॉ. कल्याण चक्रवर्ती, 7वीं वाहिनी के कमांडेंट ने उनका स्वागत किया। विवेक के स्वागत में पूरा एयरपोर्ट ढोल-नगाड़ों से गूंजता रहा। प्रशंसक उनके नाम के नारे लगा रहे थे। एयरपोर्ट से स्वागत रैली टीटी नगर स्टेडियम पहुंची। उनकी मां कमला देवी, पिता रोहित सागर और भाई विद्यासागर भी साथ रहे। बता दें कि विवेक सागर सोमवार सुबह सुभाष नगर से अशोका गार्डन तक निकाली जा रही तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ शामिल होंगे। गौरतलब है कि भोपाल पुलिस हेडक्वार्टर में डीएसपी के पद पर पदस्थ विवेक सागर प्रसाद को मध्यप्रदेश सरकार 1 करोड़ रुपए का इनाम देगी।

अनंतनाग मुठभेड़ में लेफ्टिनेंट कर्नल और हवलदार के बलिदान को सेना ने सलाम किया

- सीमा पार से घुसे 50-55 पाकिस्तानी आतंकवादियों की खोज में पैरा एसएफ कमांडो तैनात
- लगभग 2500 अतिरिक्त सैनिकों को तैनात करके कश्मीर में चलाया ऑपरेशन 'सर्प विनाश'

नई दिल्ली, (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में आतंकवादियों से मुठभेड़ के दौरान लेफ्टिनेंट कर्नल और हवलदार के बलिदान को भारतीय सेना ने सलाम किया है। भारतीय सेना ने सीमा पार से घुसे 50-55 पाकिस्तानी आतंकवादियों का पता लगाने के लिए जम्मू क्षेत्र में लगभग 500 पैरा एसएफ कमांडो तैनात किए हैं। इसके अलावा लगभग 2500 अतिरिक्त सैनिकों को तैनात करके दक्षिण कश्मीर में ऑपरेशन 'सर्प विनाश' चलाया जा रहा है। सेना का कहना है कि मानवीय और तकनीकी खुफिया जानकारी के आधार पर यह पुष्टि हुई है कि 5 अगस्त को किश्तवाड़ रेंज से घुसपैठ करके आतंकवादी दक्षिण कश्मीर के कपरान गरोल इलाके में आए थे। राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस तब से लगातार उन पर नजर रख रही थी। शनिवार को दोपहर करीब दो बजे मुठभेड़ शुरू हुई, जिसमें सेना के हवलदार दीपक कुमार यादव और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रवीण शर्मा और दो आम नागरिक घायल हो गए। सभी को तुरंत मौके से निकाल कर अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन हवलदार और कर्नल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। आतंकियों की गोलीबारी में घायल एक नागरिक ने भी रविवार सुबह दम तोड़ दिया। सेना ने रविवार को एक बयान में कहा कि थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी और भारतीय सेना के सभी रैंक के अधिकारी जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर हवलदार दीपक कुमार यादव और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रवीण शर्मा के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं।

भारतीय सेना गहरी संवेदना व्यक्त करती है और इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है। अनंतनाग के कोकरनाग के जंगल में आतंकवादियों के साथ यह मुठभेड़ उसी इलाके में हुई, जहां हमने पिछले साल सितम्बर में आतंकवादी हमले में कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष ढोनक, जम्मू-कश्मीर पुलिस के डिप्टी एसपी हुमायूं भट को खो दिया था। भारतीय सेना ने क्षेत्र में घुसे 50-55 पाकिस्तानी आतंकवादियों का पता लगाने के लिए जम्मू क्षेत्र में लगभग 500 पैरा एसएफ कमांडो तैनात किए हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के बाहर से लगभग 2500 सैनिकों को तैनात किया गया है। सेना की 9वीं कोर ने कठुआ क्षेत्र में पहले ही तैनाती बढ़ा दी है और जम्मू के विभिन्न स्थानों डोडा, भद्रवाह, किश्तवाड़, कठुआ, राजौरी, पुंछ, नौशेरा और अन्य क्षेत्रों में और अधिक सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (सीएपीएफ) जवानों को शामिल किया है। सेना, पुलिस और सीएपीएफ जवानों के जरिए दक्षिण कश्मीर में ऑपरेशन 'सर्प विनाश' चलाया जा रहा है। कठुआ पुलिस ने 04 आतंकवादियों के स्केच जारी करके पांच-पांच लाख रुपये का इनाम घोषित किया है, जिन्हें आखिरी बार मल्हार, बानी और सोजधार के जंगलों में देखा गया था।

हिमाचल में बारिश का तांडव, मंदिर बहा, घरों में घुसा पानी, भूस्खलन से पांच हाइवे बंद

-अगले 24 घण्टे भारी बारिश की चेतावनी

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में जोरदार बारिश ने तांडव मचा दिया है। बाढ़ व भूस्खलन से कई इलाकों में जनजीवन अस्तव्यस्त है। जनजातीय जिला किन्नौर के पूह तहसील में फ्लैश फ्लड से भयंकर भूस्खलन हुआ है। पूह से रोरिक तक नेशनल हाइवे के कई किलोमीटर हिस्से में भारी भूस्खलन हुआ है। इससे हाइवे पूरी तरह बाधित हो गया है। माना जा रहा है कि बादल फटने के बाद यहां फ्लैश फ्लड आया है। हालांकि फ़्लैश फ्लड व भूस्खलन से किसी के हताहत होने की रिपोर्ट नहीं है। उधर, सिरमौर जिला में बीती रात से हो रही मूसलाधार वर्षा से गिरी, यमुना और मारकंडा नदियों ने रौद्र रूप धारण कर लिया है और प्रशासन ने लोगों को नदी नालों से दूर रहने की सलाह दी है। सिरमौर जिला के मुख्यालय नाहन के बनकलां पंचायत में उफनती नारकंडा नदी तबाही मचा रही है। रविवार की सुबह बनकलां में नदी किनारे बना मंदिर को सैलाब बहा ले गया। पलक झपकते ही मंदिर पानी में समा गया। नाहन इलाके की सलानी कटौला पंचायत में नदी का जलस्तर सलानी पुल तक पहुंच गया है और पुल खतरे की जद में आ गया है। सैलाब से यहां कई बीघा क्षेत्र में फसलें बह गई। ऊना जिला में देर रात से हो रही तेज बारिश ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। ऊना में कई घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानो में बरसाती पानी घुस गया है। राजधानी शिमला में भी बीती रात से बारिश का दौरा जारी है। जिला के चौपाल उपमंडल ग्राम पंचायत पौड़ियां के गांव तारापुर में धनग नाले में आई बाढ़ में कई बागवानों के सेब के पौधे और सेब की पेटियों के मलबे में दबने से भारी नुकसान हुआ है।

अगले 24 घण्टे भारी वर्षा का ओरेंज अलर्ट, बाढ़ की चेतावनी - मौसम विभाग ने अगले 24 घण्टे यानी सोमवार तक 10 जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा का ओरेंज अलर्ट जारी किया है। ये अलर्ट बिलासपुर, चम्बा, हमीरपुर, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सिरमौर, सोलन और ऊना जिलों के लिए जारी हुआ है। इसके साथ ही अगले 24 घण्टे छह जिलों चम्बा, हमीरपुर, कुल्लू, मंडी, शिमला और सिरमौर में बाढ़ आने की चेतावनी दी गई है। 16 अगस्त तक राज्य में मौसम खराब रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक बीती रात नाहन में सबसे ज्यादा 196 मिलीमीटर वर्षा हुई। ऊना में 135, धौलाकुआं में 117, पांवटा साहिब में 110, कांगड़ा में 85, पालमपुर में 82 और बिलासपुर में 52 मिमी वर्षा रिकार्ड हुई।

भूस्खलन से पांच एनएच और 288 सड़कें अवरुद्ध - राज्य में हो रही व्यापक वर्षा से कई सड़कों के अवरुद्ध होने से यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार रविवार सुबह तक राज्य भर में भूस्खलन से पांच नेशनल हाइवे और 288 सड़कें बाधित हैं। मंडी में दो, सिरमौर, कुल्लू और किन्नौर में एक-एक नेशनल हाइवे बंद है। मंडी जिला में सबसे ज्यादा 96 सड़कें बंद हैं। शिमला में 76, कुल्लू में 37, सिरमौर में 33, चम्बा में 26, लाहौल-स्पीति में सात, हमीरपुर में पांच और कांगड़ा व किन्नौर में चार-चार सड़कें बंद हैं। इसके अलावा 458 बिजली ट्रांसफार्मर और 48 पेयजल स्कीमें भी ठप हैं। चम्बा जिला में सबसे ज्यादा 204 और सिरमौर में 119 ट्रांसफार्मरों के खराब होने से बिजली गुल है। कुल्लू में 21, मंडी में 20 और शिमला में 13 ट्रांसफार्मर बंद पड़े हैं। भारी वर्षा से कुल्लू में 25 और शिमला में 16 पेयजल स्कीमें ठप हैं।

जीवन की हर विधा में भारतीयों ने दुनिया में मनवाया लोहा : शेखावत

फलोदी (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जीवन की हर विधा, ज्ञान, विज्ञान, खेल और अर्थ में भारतीयों ने पूरी दुनिया में अपने पुरुषार्थ, परिश्रम, मेधा और प्रयास से लोहा मनवाया है। भारत को वर्तमान का भारत बनाने में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जैसे संगठनों में बहुत बड़ी भूमिका का निर्वहन किया है। रविवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के स्वामी विवेकानंद प्रतिभा सम्मान समारोह में शेखावत ने कहा कि विद्यार्थी परिषद के मंच पर आकर अपने आप ही जोश बढ़ जाता है। छात्रों और तरुणाई के साथ काम करते हुए एक नई ऊर्जा का समावेश प्रत्येक व्यक्ति अपने आप में महसूस करता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के निर्माण से समाज का निर्माण, समाज के निर्माण से राष्ट्र का निर्माण होता है। हमारा विद्यार्थी वर्ग अपने दायित्व को महसूस करे और आने वाले समय में विकसित होते भारत

में, भारत के निर्माण में, अपनी भूमिका का निर्वहन करे, इस दृष्टिकोण से यह संगठन खड़ा किया गया है। उन्होंने कहा कि मेरे जीवन और मेरे कर्म की शुरुआत विद्यार्थी परिषद से हुई है। शेखावत ने कहा कि विद्यार्थी परिषद की 1949 से लगभग 75 साल की यात्रा पूरी हो चुकी है। इस 75 वर्ष के कालखंड में भारत ने निश्चित रूप से बहुत प्रगति की है। नित्य-प्रतिदिन इस तरह के अनेक अवसर आते हैं, जब हम गर्व कर सकते हैं कि हम भारतीय हैं। अभी ओलंपिक का खेल पेरिस में चल रहा है। पेरिस में हमें अनेक भारतीयों ने सम्मानित महसूस करने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि हम सब सौभाग्यशाली हैं, क्योंकि हमें एक ऐसे समय में विद्यार्थी परिषद के साथ काम करते हुए भारत का जिम्मेदार नागरिक होने का सौभाग्यपूर्ण अवसर मिला है, जब भारत बदलाव के दौर से गुजर रहा है। जैसा अवसर आजादी की लड़ाई के समय था, जैसा बदलाव उस समय भारत में हो रहा था, ठीक उसी तरह का सौभाग्यपूर्ण अवसर आज हमारी पीढ़ी के पास में है, जब भारत बदलाव के दौर से गुजर रहा है। भारत विकसित होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी ने जिम्मेदारी के साथ शिक्षा प्राप्त कर देश की वर्तमान आवश्यकताओं को समझकर अपने आपको नियोजित किया है। वे निश्चित रूप से अभिनंदन के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि हम लोगों की जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। हम सबके पास बहुत बड़ा अवसर आया है। प्रधानमन्त्री का यह संकल्प की हम आने वाले 25 साल में विकसित भारत बनाएंगे। भारत जो विकसित होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, यह विश्व भी स्वीकार कर रहा है। शेखावत ने कहा कि भारत सबसे तेज से बढ़ती अर्थव्यवस्था, सबसे तेजी से आत्मनिर्भर होता देश, सबसे तेजी में खेती में आगे बढ़ता देश, सबसे तेज गति से ज्ञान-विज्ञान में आगे बढ़ने वाला देश, दुनिया की टेक्निकल कैपिटल और दुनिया के स्टार्टअप इकोसिस्टम में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश है। समारोह में स्थानीय विधायक पब्बाराम विश्नोई भी उपस्थित रहे। शेखावत ने मुस्कुराते हुए कहा कि मैं आज सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से मिला। मैं उनकी प्रतिभा को देखकर अभिभूत हूं। 80 से लेकर 99 प्रतिशत तक मार्क्स उन्होंने हासिल किए हैं। मैंने पब्बाराम जी को कहा, मेरे एक साथ में 99 प्रतिशत नंबर कभी नहीं आए थे, दो साल में मिलाकर अवश्य आए थे। पब्बाराम जी ने जवाब दिया कि उनके घर में कोई 60 प्रतिशत मार्क्स लाया ही नहीं।

कोलकाता की घटना को लेकर झालावाड़ के डॉक्टरों में रोष

झालावाड़ (हिंस)। कोलकाता द्वितीय वर्ष के चेस्ट मेडिसिन स्नातकोत्तर रेजिडेंट की दुखद मौत के मामले में रविवार को झालावाड़ में रेजिडेंट्स डॉक्टर एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. धर्मेंद्र मीणा की अगुवाई में हाथ पर काली पट्टी बांधकर डीन कार्यालय के बाहर जमकर प्रदर्शन किया। डॉ. धर्मेंद्र मीणा ने बताया कि मेडिकल कॉलेज, कोलकाता युवा डॉक्टर को अस्पताल के सेमिनार हॉल में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया था, इसके असामयिक निधन के आसपास मारपीट, बलात्कार और हत्या के चौंकाने वाले आरोप लगाए है, यह भयावह घटना एक बार फिर इस बात को रेखांकित करती है कि देश भर में हमारे चिकित्सा संस्थानों के भीतर सुरक्षा प्रणालियों में गंभीर कमियां। जांच रिपोर्ट ने स्पष्ट रूप से पुष्टि की है कि रेजिडेंट डॉक्टर को कई चोटें लगीं और उसके साथ बलात्कार और हत्या की गई है। हम इस जघन्य अपराध की त्वरित, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग करते हैं। उन्होंने अपराधियों को पकड़ा जाना चाहिए और उन्हें सख्त से सख्त सजा देकर न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए, इसके अलावा, हम सरकार से हमारे स्वास्थ्य पेशेवरों के जीवन और कल्याण की सुरक्षा के लिए *डॉक्टरों के लिए केंद्रीय सुरक्षा अधिनियम* के कार्यान्वयन में तेजी लाने का आग्रह करते हैं, डॉक्टरों के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करना न केवल आवश्यक है, बल्कि लंबे समय से अपेक्षित है, और ऐसे उपाय बिना किसी देरी के उठाए जाने चाहिए, हम न्याय की मांग में आरजीके. एमसीएच निवासियों के साथ इस मुद्दे को उठाएंगे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के प्रति संतों ने जताया रोष

झज्जर (हिंस)। अखिल भारतीय संत समिति ने बांग्लादेश में हिंदुओं और हिंदू मंदिरों पर हमलों पर कड़ा रोष व्यक्त किया है। समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी देवेंद्रानंद गिरी और अखिल भारतीय संत समिति के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी ब्रह्म स्वरूप महाराज ने कहा कि हिदुओं पर अनेक प्रकार के अत्याचार हो रहें हैं। यह बहुत ही दु:खद है। हिंदू समाज पर बांग्लादेश में घृणित कार्य हो रहा है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना होना बहुत जरूरी है। बांग्लादेश में समग्र हिंदू समाज की रक्षा होनी चाहिए। रविवार को बहादुरगढ़ के वेदांत आश्रम में पत्रकार वार्ता दौरान स्वामी देवेंद्रानंद गिरी व स्वमी ब्रह्म स्वरूप महाराज ने कहा कि बांग्लादेश में मठ मंदिर तोड़े जा रहे हैं। ये बहुत ही निंदनीय घटना है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं पर अत्याचार, मठ-मंदिर-मूर्ति तोड़े जाना, अल्पसंख्यक आक्रमण, घर जलाना, दुराचार उत्पीडन्, निर्मम हिंसा, बलात्कार, लूट, अराजकता से सब घटनाएं निंदनीय है, बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भारत सरकार को मानव अधिकार के तहत बांग्लादेश में समग्र हिंदू समाज की रक्षा करनी चाहिए।

जिन रास्तों पर चलकर हिसाब मांग रही कांग्रेस वह एक्सप्रेस वे भाजपा की देन : पवन

सोनीपत (हिंस)। भाजपा नेता पवन खरखौदा ने कहा कि कांग्रेस नेता भाजपा से हिसाब मांग रहे हैं, जबकि उन्हें अच्छे से पता है कि जिन एक्सप्रेस वे व नेशनल हाईवे से वे आ रहे हैं वे भाजपा की देन है। भाजपा ने सरकारी नौकरियों से इंटरव्यू हटाकर गरीब लोगों को सरकारी नौकरी बगैर रिश्वत के देने के काम किया है। रविवार को पत्रकार वार्ता में पवन ने बताया कि मारूति जैसा विश्व स्तरीय प्लांट खरखौदा में भाजपा की देन है। ऑन लाइन बुजुर्ग पेंशन सीधे खातों में जाती है। उज्जवला योजना के तहत 500 रुपए में गैस सिलेंडर दे रहे हैं।। बारिश समय पर नहीं हुई तो 2 हजार रुपए प्रति एकड़ किसान को दिया। एमएसपी पर फसलें खरीदने का कानून बनाया। खरखौदा शहर में निकासी के लिए 11 करोड़ से ड्रेन बन रही है। दिल्ली जम्मू कटरा एक्सप्रेस वे, 152 डी एक्सप्रेस वे, केएमपी सहित विभिन्न प्रोजैक्ट सरकार की देन है।

पंजाब के सीएम भगवंत मान का रानियां दौरा होगा ऐतिहासिक

सिरसा (हिंस)। हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले विभिन्न राजनीतिक पार्टियों नेचुनावी गतिविधियां तेज कर दी है। इसी के बीच आम आदमी पार्टीने भी राष्ट्रीय पार्टियों से मुकाबला करने के लिए कमर कस ली है। चुनावी गतिविधियों के बारे में आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष हैप्पी रानियां ने प्रैसवार्ता कर बताया कि पड़ोसी राज्य पंजाब व दिल्ली में आम आदमी पार्टी द्वारा करवाए गए जनहितैषी कार्यों की चर्चा पूरे देश भर में हो रही है। आम आदमी पार्टी अपने किए वायदों पर खड़ी उतर रही है। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी इस बार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय पार्टियों को कड़ा मुकाबला देगी। राजनीतिक गतिविधियां तेज करने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान 12 अगस्त को रानियां में बदलाव जनसभा को संबोधित करेंगे। जिला अध्यक्ष हैप्पी ने बताया कि आम आदमी पार्टी ने हरियाणा में जोरदार चुनावी अभियान चलाया हुआ है। जिसके तहत 15 दिनमें 45 रैलियां निर्धारित की गई हैं। इस अभियान के तहत गति देते हुए 12 अगस्त को सीएम भगवंत मान रानियां की अनाज मंडी में एक बदलाव जनसभा को संबोधित करेंगे। उनके अलावा प्रदेश के प्रमुख नेता भी इस जनसभा में पहुंच कर अपने विचार रखेंगे। उन्होंने बताया कि इस जनसभा को सफल बनाने के लिए पार्टी के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता पूरी एकजुटता से जुटे हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता राष्ट्रीय व क्षेत्रीय पार्टियों का कार्यकाल देख चुकी है जो कि झूठके पुलिंदे लेकर आई है। वर्ष 2024 के होने वाले चुनाव में प्रदेश कीजनता आम आदमी पार्टी को सत्ता में लाकर अन्य पड़ोसी राज्यों की तरह विकास करवाने का अवसर देगी।

नीलगाय का शिकार करने के लिए दौड़ते लेपर्ड की ट्रेलर की टक्कर से मौत

नीमकाथाना (हिंस)। नीमकाथाना के तेलियाला मोड़ के पास एक सड़क हादसे में एक नर लेपर्ड की मौत हो गई। लेपर्ड को नीलगाय का शिकार करते समय एक ओवरलोड ट्रेलर ने टक्कर मार दी। टोडा इलाके के तेलियाला मोड़ से एक किलोमीटर दूर मलोड़ी में हादसा हुआ। नीलगाय का शिकार करने के लिए लेपर्ड दौड़ रहा था तभी पत्थरों से भरे एक ओवरलोड ट्रेलर ने टक्कर मार दी। ट्रेलर का टायर लेपर्ड के सिर के ऊपर से निकल गया, जिससे लेपर्ड की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के लोगों ने सुबह सड़क पर लेपर्ड का शव देखा, जिससे मौके पर भीड़ जमा हो गई। वन विभाग की टीम ने सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की। घटना स्थल के पास रहने वाले रामशरण गुर्जर ने बताया कि रविवार सुबह लगभग 3 से 3:30 बजे के बीच एक पत्थरों से भरे ओवरलोड ट्रेलर ने सड़क पार करते समय लेपर्ड को टक्कर मार दी। हादसे में लेपर्ड की मौके पर ही मौत हो गई। वन विभाग के महेश कुमार ने बताया कि नीलगाय का शिकार करने के लिए लेपर्ड दौड़ रहा था। इस दौरान सड़क पार करते समय एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। प्रारंभिक जांच में पता चला कि ओवरलोड ट्रेलर ने लेपर्ड को टक्कर नहीं मारी, बल्कि किसी छोटी गाड़ी या कार ने उसे कुचल दिया।

रक्षा बंधन पर डाक विभाग उपलब्ध करा रहा है वाटरप्रूफ लिफाफे और बॉक्स

झालावाड़ (हिंस)। रक्षाबंधन 19 अगस्त को है। बहने अभी से तैयारियों मे जुट गई है। डाक विभाग राखी और उपहार भेजने के लिए वाटरप्रूफ बॉक्स और दो साइज के लिफाफे उपलब्ध करा रहा है। इनमें बहनें रखियां, उपहार और मिठाइयां रखकर सुरक्षित अपने दूर दराज में रहने वाले भाइयों तक पहुंचा सकती है। यह लिफाफे और बॉक्स सभी डाक घरों में उपलब्ध है। झालावाड़ पोस्टमॉस्टर केएस चौधरी ने बताया कि झालावाड़ में दो साइज के लिफाफे और बॉक्स उपलब्ध है। जिसमे छोटे

लिफाफे की कीमत 10 और बड़े लिफाफे की कीमत 15 रुपए है। वही बॉक्स की कीमत 30 रुपए है। यह लिफाफा ना तो पानी से खराब होता है ना ही आसानी से फटता है। डाक घरों में इनकी बिक्री शुरू हो गई है। वहीं महिलाओं का इसके प्रति रुझान बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष डाक विभाग की और से बहनों को राखियां भेजने के लिए विशेष प्रयास किए जाते है। राखी बॉक्स भी है खास पोस्टमॉस्टर चौधरी ने बताया की डाक विभाग ने छह गुना बारह की साइज के गत्ते के बॉक्स भी जारी किए हैं। इसमें बहने राखी के अलावा छोटे छोटे उपहार और मिठाइयां रखकर भेज सकेगी। इसकी कीमत डाक विभाग की और से 30 रुपए रखी गई है।

नर्सिंग स्टाफ की हड़ताल पांचवें दिन भी जारी, मरीज परेशान

फरीदाबाद (हिंस)। फरीदाबाद के छायंसा गांव स्थित अटल बिहारी सरकारी मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग स्टाफ की हड़ताल रविवार पांचवें दिन भी जारी रही। हड़ताल होने की वजह से मरीजों को इलाज कराने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा है। अब नर्सिंग स्टाफ के कर्मचारियों ने हड़ताल अनिश्चितकालीन तक जारी रखने का फैसला किया है। नर्सिंग स्टाफ ने बताया कि राज्य सरकार नर्सिंग कर्मचारियों के अधिकारियों को केंद्र के समान अलाउंस 7200 रुपए दिया जाना था जो अभी तक नही मिला। साथ ही नर्सिंग स्टाफ कर्मचारी को ग्रुप-सी से ग्रुप बी में शामिल किया जाए।

मुगल काल में भारतीय संस्कृति को संरक्षित करने में रामचरित मानस ने निभाई भूमिका

बलिया (हिंस)। अन्तरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान अयोध्या व संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा बापू भवन क्रांति मैदान में रविवार को तुलसीदास जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। इसमें विद्वानों ने कहा कि मुगल शासनकाल में भारतीय संस्कृति, संस्कार और मानवीय आदर्शों को संरक्षित करने में गोस्वामी तुलसीदास की कृति रामचरित मानस ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्वानों ने कहा कि ब्रिटिश शासनकाल में मारिशस, टोबेगो, त्रिनिदाद, फिजी, ब्रिटिश गुयाना व डच गुयाना आदि देशों ले जाये गए गिरमिटिया कामगार अपने साथ रामचरित मानस लेकर गए थे। जिसके कारण यहां भारतीय रामायण जीवन पद्धति की प्रेम,

करुणा, सेवा व परमार्थ का प्रसार हुआ। इसके पहले कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन और रामचरित मानस पाठ से हुआ। समारोह में डॉ. जनार्दन चतुर्वेदी कश्यप, राधिका तिवारी, विंध्याचल सिंह, लल्लन देहाती, डा.कादंबिनी सिंह, रमेश चंद श्रीवास्तव, शिवजी पांडेय रसराज, भोजपुरी भूषण नन्दजी नंदा, हीरालाल यादव *हीरा*, बिशुनदेव पांडेय और फतेहचंद बेचैन को सम्मानित किया गया। कवि सम्मेलन में शिवजी रसराज ने वेद ऋचा में रमने वाली, सप्त स्वरों को जनने वाली, वीणा के सरगम से निकले षष्ठ राग औ रागिनी सुनाई। लल्लन देहाती ने *हां बसा लूंगा, अपनी रुह में मैं तो, जिद ये मेरी वाजिब है, हक मेरा पुराना है* व डॉ. कादम्बिनी सिंह ने *हम त रामजी के नेहिया में अझुराइल बानी, अजोधा में आइल बानी ना* से सबका ध्यान खींचा। वहीं, राधिका तिवारी ने सोहर गीत *राजपुर नगरी के कगरी, जहंवा जनमल एक बालक हो रामा...* गाकर तुलसीदास को याद किया। इस अवसर पर रमेश चन्द श्रीवास्तव की पुस्तक सरिता का विमोचन किया गया। जागरुक शिक्षण प्रशिक्षण सेवा संस्थान के विजय प्रकाश पांडेय, पंकज कुमार, काशी ठाकुर, छोटेलाल प्रजापति ने मानस पाठ और भजन प्रस्तुत किया। समारोह की अध्यक्षता महर्षि अशोक और संचालन डॉ. शिवकुमार सिंह कौशिकेय ने किया। संस्थान के सचिव अभय सिंह कुशवाहा ने आभार प्रकट किया।

कांवड़ कलश यात्रा में दिखी शिव भक्ति के साथ देश भक्ति की झलक

जयपुर (हिंस)। कंधों पर कावड लिए भक्तों ने एवं पंचरंगा के रंग में रंगी सर पर कलश धारण किए महिलाओं ने जब एक स्वर में शिव के जयकारे लगाए तो अनायास ही छोटी काशी के रूप में विख्यात जयपुर नगरी भोले के रंग में रंगी दिखी। मौका था श्री डबल शंकर महादेव विकास समिति के तत्वाधान में रविवार को निकाली गई कावड़ व कलश यात्रा का। जिसमें भोले के भक्तों ने गलता व हरिद्वार से लाए गंगा के पवित्र मिश्रित जल से शिव का अभिषेक किया। कावड यात्रा में शामिल हर कोई अपने हाथों से बाबा का अभिषेक करने के लिए आतुर दिखा। गलता तीर्थ से रविवार अलसुबह कावड में पवित्र जल भर कर रवाना हुए भक्तों का काफिला जैसे ही परकोटा क्षेत्र में पहुंचा तो शहरवासियों ने पलक पावड़े बिछा दिए। आयोजन समिति के संयोजक शरद खण्डेलवाल की अगुवाई में कांवड़िए भोले की भक्ति के रंग में रंगे नजर आ रहे थे। उनका उत्साह देखते

ही बन रहा था। भोले के जयकारों व देश भक्ति के जयघोष के साथ कावड़िये झूम रहे थे और शिव का जयघोष कर रहे थे। कावड़ यात्रा में सजे धजे ऊंट, घोड़े, ढोल-तासे शामिल थे। कावड़ियों का जगह-जगह व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों व सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने फूल बरसा कर व आरती उतार कर स्वागत किया।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ किशनगंज में निकाला जुलूस

किशनगंज (हिंस)। बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हो रहे अत्याचार के खिलाफ किशनगंज में हिंदू संगठनों ने जोरदार प्रदर्शन किया। हाथ में बैनर पोस्टर लेकर उन्होंने विरोध दर्ज कराया। इस दौरान लोग भारत माता की जय, वंदे मातरम और बांग्लादेश मुर्दाबाद के नारे लगा रहे थे। कृष्ण कुमार वैद, सदस्य, आरएसएस ने बताया की बांग्लादेश में खुले आम बहू-बेटियों की अस्मत लूटी जा रही है। लोगों की हत्या हो रही है, लेकिन वहां की सरकार मूकदर्शक बन कर बैठी है। उन्होंने कहा की हमारी मांग है की भारत सरकार हिंदुओं की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए। साथ ही जितने भी बांग्लादेशी नागरिक भारत में शरण लेना चाहते हैं उन्हें जमीन दे कर बसाया जाए। 1971 से अभी तक लगातार बांग्लादेश में हिंदू प्रताड़ित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा की

बांग्लादेश मानवता को शर्मशार कर रहा है। वहां के लोग अत्याचार की सीमाओं को लांघ गए हैं। जितने भी अल्पसंख्यक बांग्लादेश से भारत आना चाहते हैं उतनी जमीन बांग्लादेश हमे दे। उन्होंने कहा कि 1965, 1971 में शरणार्थी आए लेकिन हमने शरण दिया और जमीन नहीं लिया लेकिन अब ऐसा नहीं होगा जितने शरणार्थी यहां आते है उतनी जमीन हमे बांग्लादेश दे, वरना जमीन छीन कर लेंगे। गौर करे कि बांग्लादेश में तख्ता पलट हो चुका है। वहां पर शेख हसीना की सरकार को प्रदर्शनकारी छात्रों के प्रदर्शन के चलते देश छोड़कर भागना पड़ा। आरक्षण के मुद्दे पर घिरी शेख हसीना की सरकार गिर गई और नई अंतरिम सरकार का गठन हुआ है।

धर्म परिवर्तन कराने वाला मौलवी मोहम्मद अहमद गिरफ्तार

लखनऊ (हिंस)। लखनऊ में धर्म परिवर्तन करने वालों पर नकेल कसती हुई कमिश्नरेट पुलिस ने रविवार को मोहम्मद अहमद को गिरफ्तार किया। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में हिंदू किशोरी का धर्म परिवर्तन कराकर निकाह कराने वाले मौलवी को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। एसीपी राधा रमण ने कहा कि धर्म परिवर्तन कराकर किशोरी का निकाह कराने मामले की जांच में आरोप सही पाए गए। मौलवी मोहम्मद अहमद ने निकाह के लिए हिंदू किशोरी को तैयार कराया। जिसके बाद जेल में निरूद्ध मुस्लिम युवक के पिता की सहमति से निकाह हुआ। युवक के पिता को भी गिरफ्तार किया गया है।

भारत माता की जयघोष के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

नवादा (हिंस)। आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर रविवार को नवादा जिले के रजौली में भाजपा मंडल अध्यक्ष गौरव शांडिल्य गगन के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा रजौली बजरंगबली चौक स्थित भाजपा कार्यालय से निकलकर रजौली पुरानी बस स्टैंड, सोनार पट्टी, रजौली मुख्य बाजार होते हुए विभिन्न पंचायत का भ्रमण करते हुए पुन: भाजपा भाजपा कार्यालय में समाप्त हुई। कार्यकर्ताओं द्वारा निकाली गई तिरंगा यात्रा में उत्साहित नौजवानों ने अपने हाथों में तिरंगा थामते हुए भारत माता की जय और वंदे मातरम का नारा लगाकर पूरे क्षेत्र का भ्रमण किया। मंडल अध्यक्ष गौरव शांडिल्य गगन ने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर और हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए और लोगो मे देशभक्ति की भावना और जोश भरने के तिरंगा यात्रा निकाली गई है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि देश की आजादी हमें यूं ही नहीं मिली इसके लिए कई लोगों ने बलिदान दिया हम देशवासियों को देश प्रेम और वीर सपूतों

के प्रति सच्ची श्रद्धा बनाए रखने के लिए हर घर तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इस दौरान मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सह भाजपा जिला प्रवक्ता प्रमोद कुमार वरिष्ठ नेता संजय कुमार अधिवक्ता जिला कार्य समिति सदस्य रंजन कुमार बबलू मंडल महामंत्री संतोष कुमार वर्मा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अमन कुमार अनुसूचित मोर्चा जिला अध्यक्ष विमल राजवंशी किसान मोर्चा जिला महामंत्री पवन कुमार राहुल पांडे सुरेंद्र सिंह मनीष कुमार सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।

संपादकीय

विनेश, तुम चैंपियन हो

बिटिया विनेश ! तुम ही भारत का 'गोल्ड' हो, गौरव और प्रेरणा हो। तुम वाकई योद्धा हो, कुश्ती का आक्रामक जज्बा हो। तुम ही देश का सम्मान और सरताज हो। क्या हुआ, यदि तुम ओलंपिक पदक हासिल नहीं कर पाईं ? स्वर्ण और रजत पदक तो स्मृति-चिह्न और खेल के प्रतीक हैं। तुम तो 'चैम्पियन ऑफ चैम्पियंस' हो। देश के प्रधानमंत्री ने भी इन्हीं शब्दों में तुम्हारे हुनर को बयां किया है। वह भी पीड़ित और व्यथित हैं। तुम असली चैम्पियन हो, क्योंकि तुमने चार बार की विश्व चैम्पियन एवं टोक्यो ओलंपिक चैम्पियन यूई सुसाकी को चित्त किया है। वह 82 मुकाबलों से अजेय खिलाड़ी थीं। तुमने एक ही दिन में तीन कुश्तियां लड़ीं और यूक्रेन, क्यूबा की महिला पहलवानों को भी पटखनी देकर फाइनल तक पहुंचीं। विनेश ! तुम बेमिसाल हो और अभूतपूर्व पहलवान हो, जो मुकाबले के फाइनल दौर में पहुंचीं। तुम्हारी उपलब्धियां ऐतिहासिक हैं और दुनिया के मानस पर अंकित हैं। तुम वाकई अद्वितीय हो। बेशक ओलंपिक खेलों का महाकुंभ है, लेकिन उसके नियम अमानवीय और अतार्किक हैं। यदि विनेश फोगाट का वजन 50 किलोग्राम से 100 ग्राम अधिक हो गया था, तो अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति उसे 'फाइनल कुश्ती' के अयोग्य करार दे सकती थी। बेशक नियम तो नियम हैं और भारत भी उनके उल्लंघन का पक्षधर नहीं है, लेकिन विनेश ने तय वजन की परिधि में रहकर ही तीन कुश्तियां लड़ीं और जीतीं। इन उपलब्धियों को कैसे छीना जा सकता है ? उनके सम्मानस्वरूप रजत पदक से भी वंचित कैसे किया जा सकता है ? यह तो एक किस्म की तानाशाही हुई। क्या ओलंपिक खेल भी 'एकाधिकारवादी' हो सकते हैं ? रजत पदक की उपलब्धि तक विनेश का वजन लिया गया, तो 49.9 किग्रा था। अधिकतम सीमा 50 किग्रा. के भीतर ही था। ओलंपिक की ज्यूरी ने ही हर बार उन्हें 'विजेता' घोषित किया। फिर अयोग्यता का सवाल कहां पैदा होता है ? छह बार के विश्व चैम्पियन पहलवान एवं ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता अमरीकी पहलवान जॉर्डन ब्यूरोज ने भी यही सवाल उठाते हुए मांग की है कि विनेश को कमोबेश रजत पदक जरूर दिया जाए। कई कुश्ती विशेषज्ञों और पहलवानों ने भी ऐसे ही आग्रह किए हैं। सभी विशेषज्ञ गलत हों और ओलंपिक समिति ही सही हो, यह कैसे संभव है ? प्रिय विनेश ! तुमने ओलंपिक के मंच पर जिस तरह जीत का परचम लहराया है, देश उन दृश्यों का साक्षी रहा है। देश में जश्न और उत्साह का माहौल था। एक बेहद सुंदर सपना साकार होने वाला था कि अचानक सब कुछ धराशायी हो गया, टूट कर बिखर गया। करीब 144 करोड़ की आबादी वाला देश एकदम स्तब्ध हो गया। सन्निपात की सी स्थिति आ गई। मात्र 100 ग्राम के वजन ने करोड़ों की उम्मीदों, उनके सपनों और उनकी खुशियों को एकदम कुचल दिया। बेशक यह असहनीय पीड़ा और व्यथा है, लेकिन विनेश बिटिया ! तुम यकीन करना कि हम निराश, हताश, कुंठित नहीं हैं, पराजित भी नहीं हुए हैं। शायद खेल पंचाट न्यायालय का विवेक जाग जाए और वह कोई असंभावित फैसला सुना दे ! बहरहाल यह देश अपनी चैम्पियन बेटी के साथ खड़ा है। हालांकि हम साजिश या ओलंपिक के बहिष्कार की नकारात्मक राजनीति और प्रचारवाद के खिलाफ हैं। विनेश को भी ये प्रवृत्तियां स्वीकार्य नहीं होंगी, लेकिन कुछ बुनियादी सवाल तो हैं कि अचानक वनज बढक़र 49.9 किग्रा. से 52.7 किग्रा. कैसे हो गया ? क्या डाइट में कुछ लापरवाही हुई ? या हेवी डाइट दे दी गई ? क्या विनेश की निजी टीम ने ध्यान नहीं दिया अथवा विनेश ने ही डाइट ज्यादा ले ली ? बेशक विनेश ने रात भर वजन घटाने की कई कोशिशें कीं। खून तक निकाला गया, बाल काटने पड़े, सॉना बाथ लिया, लेकिन वजन अचानक ठहर गया और अयोग्यता का आधार बना दिया। पुराने पहलवान बताते हैं कि वजन जहां रुक जाता है, तो पसीना आना भी बंद हो जाता है। विनेश के लिए भी ऐसी ही स्थितियां बन गईं। इन सवालों और कथित लापरवाहियों की जांच तो जरूर की जानी चाहिए और सभी जवाब देश के सामने रखे जाने चाहिए। फिलहाल विनेश अपनी लड़ाई को पूरा करे, लेकिन देश की इच्छा है कि वह कुछ अंतराल के बाद अगले सफर पर निकलने का मन जरूर बनाएं। विनेश कई पीढियों की प्रेरणा हैं, वे साकार रहनी चाहिए। बाद में आई खबरों के अनुसार विनेश ने कुश्ती से संन्यास ले लिया है।

स्वर्ण और रजत पदक तो स्मृति-चिह्न और खेल के प्रतीक हैं। तुम तो 'चैम्पियन ऑफ चैम्पियंस' हो। देश के प्रधानमंत्री ने भी इन्हीं शब्दों में तुम्हारे हुनर को बयां किया है। वह भी पीड़ित और व्यथित हैं। तुम असली चैम्पियन हो, क्योंकि तुमने चार बार की विश्व चैम्पियन एवं टोक्यो ओलंपिक चैम्पियन यूई सुसाकी को चित्त किया है। वह 82 मुकाबलों से अजेय खिलाड़ी थीं। तुमने एक ही दिन में तीन कुश्तियां लड़ीं और यूक्रेन, क्यूबा की महिला पहलवानों को भी पटखनी देकर फाइनल तक पहुंचीं। विनेश ! तुम बेमिसाल हो और अभूतपूर्व पहलवान हो, जो मुकाबले के फाइनल दौर में पहुंचीं। तुम्हारी उपलब्धियां ऐतिहासिक हैं और दुनिया के मानस पर अंकित हैं। तुम वाकई अद्वितीय हो।

कांग्रेस विभाजन का तो समर्थन करती है और उसके पक्ष में है, लेकिन उसे विभाजन का आधार कारक 'मजहब' स्वीकार नहीं है

बांग्लादेश में उथल-पुथल व हिंदू समाज

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

कांग्रेस ने भारत विभाजन के पक्ष में प्रस्ताव पारित कर, पाकिस्तान के गठन का रास्ता साफ कर दिया। परंतु जिस सत्र में कांग्रेस ने भारत के विभाजन का प्रस्ताव पारित किया, उस सत्र में भी उसने मजहब के आधार पर विभाजन का विरोध किया। यह बीसवीं शताब्दी का सबसे बड़ा रहस्य है कि कांग्रेस विभाजन का तो समर्थन करती है और उसके पक्ष में है, लेकिन उसे विभाजन का आधार कारक 'मजहब' स्वीकार नहीं है। तब प्रश्न पैदा होता है कि कांग्रेस ने जब विभाजन को स्वीकार किया और वह वास्तव में हुआ भी, तो वह किस आधार पर हुआ। मुस्लिम लीग और जमायत-ए-इस्लामी का तो तब भी यही मानना था और आज भी यही मानना है कि विभाजन मजहब के आधार पर ही हुआ।

पाकिस्तान का गठन 1947 में हुआ था। इसके गठन की मांग करने वाली मुस्लिम लीग थी और उसने इसके गठन का आधार इस्लाम को स्वीकारा गया था। मुस्लिम लीग राजनीतिक दल थी है और इसकी इस मांग को वैचारिक आधार पर भारत के एटीएम और देसी मूल के मुसलमानों में पहुंचाने और पुख्ता करने का काम जमायत-ए-इस्लामी कर रही थी/है। कांग्रेस मजहब के आधार पर देश के विभाजन का विरोध कर रही थी। यह उचित और तार्किक ही था। लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस ने भारत विभाजन के पक्ष में प्रस्ताव पारित कर, पाकिस्तान के गठन का रास्ता साफ कर दिया। परंतु जिस सत्र में कांग्रेस ने भारत के विभाजन का प्रस्ताव पारित किया, उस सत्र में भी उसने मजहब के आधार पर विभाजन का विरोध किया। यह बीसवीं शताब्दी का सबसे बड़ा रहस्य है कि कांग्रेस विभाजन का तो समर्थन करती है और उसके पक्ष में है, लेकिन उसे विभाजन का आधार कारक 'मजहब' स्वीकार नहीं है। तब प्रश्न पैदा होता है कि कांग्रेस ने जब विभाजन को स्वीकार किया और वह वास्तव में हुआ भी, तो वह किस आधार पर हुआ। मुस्लिम लीग और जमायत-ए-इस्लामी का तो तब भी यही मानना था और आज भी यही मानना है कि विभाजन मजहब के आधार पर ही हुआ। लेकिन कांग्रेस ने यह विभाजन किस आधार पर किया ? यहां यह प्रश्न हो सकता है कि विभाजन कांग्रेस ने नहीं किया, बल्कि ब्रिटेन ने किया। इसलिए इस प्रश्न को संशोधित किया जा सकता है कि जब कांग्रेस ने भारत के विभाजन के लिए प्रस्ताव पारित करके ब्रिटेन सरकार को दिया तो उसने विभाजन का आधार क्या रखा था ?

कांग्रेस से यह प्रश्न किसी ने आज तक नहीं पूछा, इसलिए उसने इसका उत्तर भी नहीं दिया। यदि कांग्रेस 14 जून 1947 को ही इस पर विचार करती और इसका उत्तर देती तो आज जो समस्याएं पैदा हो रही हैं, वे शायद न होतीं। इसका उत्तर डा. भीमराव रामजी अंबेडकर ने 1946 में ही दिया था, जब कांग्रेस को छोडक़र बाकी सबको स्पष्ट हो रहा था कि देश का विभाजन निश्चित है। तब अंबेडकर ने कहा था कि यकीनन यह विभाजन मजहब के आधार पर ही हो रहा है, जो इसको नहीं देख और समझ रहा, वह अंग्रेजी की कहावत के अनुसार 'फूल्ज पाराडाईज' में रह रहा है। लेकिन दुर्भाग्य इस बात का था कि जो 'फूल्ज पाराडाईज' में रह रहे थे, वही भारत के भाग्य का निर्णय कर रहे थे। अंबेडकर जब समझ गए कि विभाजन तो होगा और वह मजहब के आधार पर ही होगा तो उन्होंने इसके लिए शांतिपूर्ण तरीके से प्रक्रिया भी सुझाई थी। उनका कहना था कि भारत और नए बनने वाले देश पाकिस्तान में से हिंदू, सिख और मुसलमानों को स्थानांतरित कर दिया

जाए। इसके लिए उन्होंने यूरोप के कुछ देशों के उदाहरण भी दिए कि किस प्रकार वहां जब मजहब के आधार पर विभाजन हुए तो मुसलमान और ईसाई मजहब के लोगों की शांतिपूर्ण ढंग से अदला-बदली की गई थी। पंडित जवाहर लाल नेहरु, अंबेडकर की यह बात सुनने के लिए भी तैयार नहीं थे। उन्हें अंबेडकर से वैसे ही चिढ़ थी क्योंकि अंबेडकर, नेहरु की बौद्धिक क्षमता पर सदा सवाल उठाते थे। दूसरे नेहरु यह स्वीकार करने को तैयार ही नहीं थे कि कांग्रेस मजहब के आधार पर देश का विभाजन स्वीकार कर रही है। लेकिन वह किस आधार पर देश का विभाजन स्वीकार कर रही है, इसका उत्तर देने को भी नेहरु तैयार नहीं थे। लेकिन इसका उत्तर भी अंबेडकर ने ही दिया है। उन्होंने यह उत्तर 1947 से कई साल पहले दिया था। अंबेडकर का यह आकलन कांग्रेस की विचारधारा, उसकी कार्यपद्धति के गहरे अध्ययन से ही निकला था। अंबेडकर का मत था कि कांग्रेस देश की आजादी के लिए नहीं लड़ रही, बल्कि देश की सत्ता प्राप्ति के लिए लड़ रही है।

नेहरु के चिंतन को देखने के बाद महात्मा गांधी की भी कुछ ऐसी ही राय बनी होगी। यही कारण था कि अंग्रेजों के चले जाने के बाद गांधी ने कहा था कि कांग्रेस को तुरंत भंग कर देना चाहिए। जो लोग अब देश की सत्ता हासिल करना चाहते हैं, उन्हें नए राजनीतिक दल बना कर लोगों के पास जाना चाहिए। कांग्रेस की विरासत पर किसी एक दल का दावा नहीं हो सकता। लेकिन नेहरु ने गांधी जी की इस राय को रद्दी की टोकरी में डाल दिया। इस पृष्ठभूमि में एक ही निष्कर्ष निकलता है कि नेहरु ने देश का विभाजन केवल जल्दी सत्ता प्राप्त करने के लालच में स्वीकार कर लिया। मुस्लिम लीग को कम से कम यह श्रेय तो दिया जा सकता है कि वह पाखंडी नहीं थी। लेकिन कांग्रेस का आचरण पाखंड से ज्यादा नहीं था। विभाजन मजहब के आधार पर हो रहा था, कांग्रेस विभाजन के समर्थन में भी उतर आई थी, लेकिन यह नहीं मान मान रही थी कि विभाजन मजहब के आधार पर हो रहा था। कांग्रेस के इसी पाखंड में से वे सभी समस्याएं उत्पन्न हुईं जिनका सामना 1947 से लेकर अभी तक करना पड़ रहा है। आठ सौ साल से अरब, तुर्क व मुगल हुक्मरान भारत को इस्लाम पंथ और शिया पंथ में मतांतरित करने के काम में लगे हुए थे। लेकिन बहुत थोड़ी जनसंख्या को ही मतांतरित कर सके। पूरे भारत को मतांतरित करना संभव नहीं था। इसके बाद रणनीति बदली गई। भारत के एक हिस्से की पूर्वी पाकिस्तान व पश्चिमी पाकिस्तान के नाम से घेराबंदी कर दी गई। पाकिस्तान को इस्लामी राष्ट्र घोषित कर दिया गया। पाकिस्तान को लगता था कि इस घेरे में फंसे हिंदू-सिखों को अब इस्लाम में मतांतरित करने में कोई बाधा नहीं आ सकती। लेकिन उनकी इस चाल को वहां के हिंदू-सिखों ने ही असफल कर दिया। वे वहां की घेराबंदी में रहने की बजाय भाग कर भारत आने लगे। अधिकांश हिंदू-सिख पश्चिमी पंजाब से भाग आए लेकिन कुछ लोग विवशताओं के चलते वहां से नहीं आ सके। पश्चिमी पाकिस्तान ने उनकी घेराबंदी कर उन्हें मुसलमान बनाना शुरू कर दिया। अब वहां हिंदू-सिखों की संख्या गिनती की रह गई है। भारत का दूसरा हिस्सा जिसको भारत से अलग कर उसकी घेराबंदी की गई थी, वह पूर्वी बंगाल था। पूर्वी बंगाल और असम के सिलहट को मिला कर पूर्वी पाकिस्तान के नाम से एक अलग घेरा बनाया गया। उसको राजनीतिक लिहाज से पश्चिमी पाकिस्तान के साथ ही रखा गया, जबकि उसका पश्चिमी पाकिस्तान से कुछ संबंध नहीं था।

इसलिए जल्दी ही वह पश्चिमी पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश के नाम से जाना जाने लगा। इस घेरे को भी इस्लामी देश घोषित कर यहां के हिंदुओं को इस्लाम में मतांतरित किया जाने लगा। कभी इस राजनीतिक घेरे में 22 फीसदी हिंदू-बौद्ध थे लेकिन आज उनकी संख्या सात-आठ प्रतिशत बची है। कुछ भाग कर भारत आ गए हैं या अभी भी आ रहे हैं। जब 1971 में पूर्वी पाकिस्तान पश्चिमी पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश के नाम से अलग हो गया, तो बहुत से विद्वान यह सोच कर प्रसन्न थे कि यह हिस्सा पाकिस्तान के घेरे से मुक्त हो गया है और यहां हिंदू-बौद्ध आराम से रह सकेंगे। लेकिन चार साल बाद 1975 में बांग्लादेश में उस समय के प्रधानमंत्री और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान की पूरे परिवार सहित हत्या कर दी गई और देश को इस्लामी देश घोषित कर दिया। उनकी पुत्री शेख हसीना इसलिए बच गई थीं, क्योंकि उस समय वे देश में नहीं थीं। लेकिन 2024 में उनकी उसी बेटी को बांग्लादेश की सेना ने पैंतालीस मिनट के अंदर-अंदर देश छोडऩे के लिए आदेश दिया।

दृष्टि कोण

व्यापक बने राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांतों का दायरा

सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह देश में राजनीतिक संतुलन बनाए रखने, आर्थिक हितों की रक्षा करने, क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा सुनिश्चित करने, सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करने और घरेलू सुरक्षा वातावरण को सुधारने के लिए दृढ़ संकल्प प्रदर्शित करे। इसके साथ ही, सरकार को प्राकृतिक आपदाओं और मानव निर्मित संकटों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न उपाय अपनाने चाहिए। सक्षम राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांतों (एनएसडी) का उद्देश्य देश और नागरिकों की सुरक्षा को सुनिश्चित करना है।

केसी पंत की अध्यक्षता वाली 'टास्क फोर्स' की सिफारिश पर, राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक शीर्ष सलाहकार निकाय के रूप में 1998 में 'राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद' (एनएससी) का गठन किया गया था, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते थे। जिसमें वित्त, रक्षा, गृह और विदेश मंत्री शामिल थे। हालांकि, एनएससी ने आज तक एनएसडी का लिखित दस्तावेजीकरण नहीं किया है, जिससे हितधारक अपना अधिदेश प्राप्त कर सकें और सामरिक महत्त्व की रणनीति तैयार कर सकें। एनएसडी अभी तक मुख्य रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा योजनाओं तक ही सीमित रही है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों और सैन्य रणनीतियों तथा कूटनीति पर अधिक ध्यान केन्द्रित रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्याम सरन द्वारा 2015 में तैयार राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के मसौदे में दीर्घकालिक योजना और निर्णय लेने के लिए पांच प्रमुख क्षेत्रों, जिनमें घरेलू सुरक्षा, बाहरी सुरक्षा, सैन्य तैयारी, आर्थिक सुरक्षा और पारिस्थितिक सुरक्षा शामिल है, की पहचान की गई थी। यह तथ्य है कि कूटनीतिक मामलों और आर्थिक तथा पर्यावरण से जुड़े सुरक्षा के मुद्दों पर एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति बन गई है, लेकिन घरेलू सुरक्षा की चिंताएं राजनीतिक बयानबाजी और चुनावी राजनीति के एजेंडे से ऊपर नहीं उठ पाई हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संवेदनशील रक्षा मामलों पर मतभेद आजकल राजनीतिक और सार्वजनिक विमर्श में खुले तौर पर उभरकर सामने आ रहे हैं।

प्रतिस्पर्धी सामाजिक और राजनीतिक विचारधाराओं में समन्वय के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति, सैन्य-रुख और भू-राजनीतिक हितों के बीच संतुलन स्थापित करना एक सार्थक एनएसडी तैयार करने की कुंजी है। रूढ़िवादी मानसिकता वाले सुरक्षा विशेषज्ञ प्रायः तर्क देते हैं कि भारत जैसे बहुदलीय लोकतंत्र में सुरक्षा मामलों पर आम सहमति पर पहुंचना आसान नहीं होगा और न ही सार्वजनिक रूप से एनएसडी की बारीकियों पर चर्चा करना वांछनीय होगा। शायद यही कारण है कि नीति-निर्माता एक व्यापक एनएसडी नहीं बना पाए हैं और यह बन्द कमरे का मामला बनकर रह गया, जिस पर सत्ताधारी दल की विचारधारा का एकाधिकार होता है। भारत में एनएसडी पर चर्चा में आंतरिक सुरक्षा के मुद्दों पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता जितना दिया जाना चाहिए। भूमि और समुद्री मार्गों से आने वाले अवैध प्रवासी भारत में शांति और स्थिरता के लिए एक बड़ा ख़तरा है। सुरक्षा बलों द्वारा प्रभावी अवरोधन के बिना रोहिंग्या और बांग्लादेशी अवैध प्रवासी बड़ी संख्या में तलहटी और निचले हिमालयी क्षेत्रों में बस गए हैं। इन क्षेत्रों की जनसांख्यिकी कुछ दशकों में ही बहुत बदल गई है, जिससे घरेलू शांति और सामाजिक संतुलन के लिए गम्भीर ख़तरे पैदा हो गए हैं। चिंता की बात यह है कि इन अवैध प्रवासियों का कोई व्यवस्थित जायजा नहीं लिया जाता है और सुरक्षा एजेंसियों को उनकी संख्या और बसने के स्थानों के बारे में भी ज्ञान नहीं है।

भारत फ्रांस और इंग्लैंड जैसे यूरोपीय देशों से आने वाले शुरुआती चेतावनी संकेतों को नज़रअंदाज नहीं कर सकता है, वहां जनसंख्या नियंत्रण नीति के अभाव में उनकी जनसांख्यिकी में जिस प्रकार का बदलाव आ रहा है, उसमें मूल निवासी अपनी ही मातृभूमि में जातीय और सांस्कृतिक अल्पसंख्यक बनने की पीड़ा झेल रहे हैं। जनसांख्यिकीय मोर्चे पर असहजता और लाचारी के ऐसे संकेत भारत के कुछ हिस्सों में पहले से ही दिखाई दे रहे हैं।

कुछ अलग

जीत जैसी शिकस्त

जीवटता की धनी महिला पहलवान विनेश फोगाट ने पचास किलो वर्ग स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश करके करोड़ों भारतीयों का दिल जीत लिया था। देश उनसे सोने के पदक की उम्मीद कर रहा था। लेकिन करोड़ों भारतीयों की उम्मीदों पर उस समय वज्रपात हो गया जब पेरिस ओलंपिक में महज सौ ग्राम वजन ज्यादा होने के कारण उन्हें अयोग्य करार दे दिया गया। विनेश अब इस ओलंपिक में कोई पदक नहीं जीत सकेंगी। निस्संदेह, जब विनेश इतिहास रचने जा रही थीं, उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। लेकिन फिर भी आज देश उनके साथ खड़ा है। खेल प्रेमी सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। निश्चय ही यह एक दिल तोड़ने वाली घटना है। कहा जा रहा है कि भारत को ओलंपिक संघ से कड़ा विरोध दर्ज कराना चाहिए। जाहिर है यह फाइनल स्पर्धा थी। भारत सोने के पदक की आस लगा रहा था। इस फैसले को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दरअसल, भारतीय दल ने विनेश के वजन को 50 किलो तक लाने के लिये थोड़ा समय मांगा था। लेकिन तय वजन से अधिक भार होने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। असल में, रेसलिंग इवेंट में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को अलग-अलग भार वर्ग में वर्गीकृत किया जाता है। रेसलिंग व बॉक्सिंग जैसे खेलों में यह नियम है। ताकि सभी खिलाड़ियों के लिये निष्पक्ष अवसर तय किये जा सकें। यही वजह है कि खिलाड़ी जिस भार वर्ग का चयन करता है, उसे उसी वर्ग में खेलने की इजाजत मिलती है। इसमें किसी तरह की ढील नहीं मिलती। हर स्पर्धा से पहले चिकित्सा जांच व वजन किया जाता है। साथ ही खिलाड़ी के वजन की प्रक्रिया में असफल होने पर उसे प्रतियोगिता से बाहर कर दिया जाता है। फिर पहली प्रतियोगिता में हारे खिलाड़ी को खेलने का मौका दिया जाता है। विनेश के मामले में भी आईओसी ने ऐसा ही फैसला लिया है। लेकिन भारतीयों के लिये यह फैसला असहनीय है। निस्संदेह, हर भारतीय के लिये यह फैसला कष्टदायक है। वे फाइनल से पहले विनेश को अयोग्य करार दिये जाने की घटना पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। कतिपय लोग इसे पश्चिमी देशों द्वारा विकासशील देशों के खिलाड़ियों के साथ भेदभाव मानते हैं। उनका मानना है कि भारत सरकार को इस मामले में कड़ा विरोध दर्ज कराना चाहिए। भारतीय ओलंपिक संघ को भी इससे निबटने के लिये हर संभव प्रयास करने चाहिए। देश के तमाम बड़े खिलाड़ी और राजनेता विनेश का हौसला बढ़ाने में लगे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा है कि विनेश आप भारत का गौरव हैं और हर एक भारतीय की प्रेरणा हैं। आप में लड़ने की क्षमता है। आप सबल होकर लौटें, सारा देश आपके साथ खड़ा है। निस्संदेह, सारे देश की ऐसी ही सोच है। भले ही पेरिस ओलंपिक में उनके हाथ निराशा लगी हो, लेकिन उनके सामने तमाम स्वर्णिम अवसर विद्यमान हैं। बेशक, फाइनल में खेलने के लिये वह अयोग्य करार दे दी गई हों, लेकिन वे आगे मेहनत से और मेडल लाएगी। विनेश की जीत प्रशंसनीय थी और उन्होंने भरसक प्रतिबद्धता भी दिखायी। उन्होंने पहले के राउंड ही नहीं जीते बल्कि देश के लोगों का दिल भी जीता। लेकिन यह बात तो जरूर है कि उन्हें उनकी मेहनत का वह फल नहीं मिला, जिसकी वह हकदार थीं। लेकिन एक बात तो तय है कि विनेश और भारतीय खेल दल के कर्ता-धर्ताओं के स्तर पर भी लापरवाही तो हुई है। वजन की निगरानी बेहद सावधानी से होनी चाहिए। लड़कों के मामले में वजन घटाना आसान होता है।

देश दुनीया से

कब तक बर्बाद होते रहेंगे सिंथेटिक ट्रैक

हिमाचल प्रदेश में बहुत संघर्ष के बाद बहुत अधिक धन व श्रम खर्च करके एथलेटिक्स के लिए विश्वस्तरीय प्ले फील्ड उपलब्ध है, मगर प्रशासन की खेलों के प्रति बेरुखी व अज्ञानता के कारण सब बरबाद होता जा रहा है। राज्य में तीन जगह सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं, मगर उन पर कहीं तो पार्क की तरह लोग सैर कर रहे हैं और कहीं पर जिला खेल अधिकारी व उपायुक्त फौज के हवाले कर कई दिनों के लिए भर्ती की स्वीकृति दे देते हैं। हमीरपुर का ट्रैक अब भारतीय खेल प्राधिकरण के पास है, मगर वहां भी हालत ठीक नहीं है। पिछले दिनों वहां मनोरंजन के लिए क्रिकेट देखने वालों के लिए बीच मैदान में स्क्रीन लगा दी थी और अब 15 अगस्त की परेड वहां हो रही है। यह आयोजन पुलिस मैदान व अन्य कहीं और भी हो सकता है।

खेल शिक्षा का जरूरी हिस्सा है और प्ले फील्ड उसका कक्षा स्थल है। हम जब अच्छा माहौल देंगे, तभी परिणाम अच्छे मिलेंगे। खिलाडियों को अच्छी प्ले फील्ड देना जरूरी है, तभी हम ओलंपिक व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा पदक विजेता प्रदर्शन करने की सोच सकते हैं। हिमाचल प्रदेश में बहुत संघर्ष के बाद बहुत अधिक धन व श्रम खर्च करके एथलेटिक्स के लिए विश्वस्तरीय प्ले फील्ड उपलब्ध है, मगर प्रशासन की खेलों के प्रति बेरुखी व अज्ञानता के कारण सब बरबाद होता जा रहा है। राज्य में तीन जगह सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं, मगर उन पर कहीं तो पार्क की तरह लोग सैर कर रहे हैं और कहीं पर जिला खेल अधिकारी व उपायुक्त फौज के हवाले कर कई दिनों के लिए भर्ती की स्वीकृति दे देते हैं। हमीरपुर का ट्रैक अब भारतीय खेल प्राधिकरण के पास है, मगर वहां भी हालत ठीक नहीं है। पिछले दिनों वहां मनोरंजन के लिए क्रिकेट देखने वालों के लिए बीच मैदान में स्क्रीन लगा दी थी और अब 15 अगस्त की परेड वहां हो रही है। यह आयोजन पुलिस मैदान व अन्य कहीं और भी हो सकता है। हमीरपुर के उपायुक्त को इस विषय पर सोचना होगा। क्रिकेट वाले अपने मैदानों में किसी को एक कदम भी नहीं रखने देते हैं। अच्छी बात है, मगर दूसरी अंतरराष्ट्रीय प्ले फील्ड को बरबाद करना कहां तक सही है ? सोचो राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने वाले हिमाचल के एथलीट सप्ताह भर कहां ट्रेनिंग करेंगे। हिमाचल प्रदेश में खेल के साथ इस तरह की बदतमीजी आम बात हो गई है।

करोड़ों रुपयों से बने सिंथेटिक ट्रैकों को हिमाचल प्रदेश के प्रशासनिक अधिकारी बरबाद करने पर क्यों आमादा हैं ? क्या हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री व खेल मंत्री इस बात का संज्ञान लेंगे, ताकि इन अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं को बचाया जा सके। प्रदेश के पास आज से दो दशक पहले तक खेल ढांचे के नाम पर सैकड़ों साल पहले राजा-महाराजाओं द्वारा मेले व उत्सवों के लिए बनाए गए चंद, मगर बेहतरीन मैदान चंबा, मंडी, नादौन, सुजानपुर, जयसिंहपुर, कुल्लू, अनाडेल, रोहडू, रामपुर, सोलन, चैल, नाहन आदि जगहों पर थे। इन मैदानों पर हिमाचल प्रदेश की खेल गतिविधियां कई दशकों से मेलों-उत्सवों व राजनीतिक रैलियों से बचे समय में चलती रही हैं। इन पुराने व ऐतिहासिक मैदानों का हाल कुछ ठीक नहीं है। कहीं अतिक्रमण व कहीं पर अव्यवस्था का बोलबाला साफ नजर आता है। वैसे तो हिमाचल प्रदेश की तरक्की में विभिन्न सरकारों का योगदान रहा है, मगर हिमाचल प्रदेश में पहली बार नई सदी के शुरुआती वर्षों में प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल की सरकार ने राज्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल ढांचे को खड़ा करने की शुरुआत की और आज हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फिल्ड एथलेटिक्स, क्रिकेट, हाकी, तैराकी व इंडोर खेलों के लिए उपलब्ध है। क्रिकेट में अनुराग ठाकुर की सोच ने हिमाचल प्रदेश को क्रिकेट के अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर लाकर खड़ा कर दिया है, जो काबिलेतारीफ है। विशाल लूहणू का खेल परिसर पूर्व मंत्री ठाकुर रामलाल के प्रयत्नों से बिलासपुर में सामने आया है। एथलेटिक्स सभी खेलों की जननी है, इसी से सब खेल निकले हैं और इसके प्रशिक्षण के बिना किसी खेल में दक्षता नहीं मिल सकती है। हिमाचल प्रदेश में आज हमीरपुर, बिलासपुर व धर्मशाला में तीन सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं। शिलारू के साई सैंटर में दो सौ मीटर का प्रैक्टिस ट्रैक बन कर तैयार है। सरस्वतीनगर में काम हो रहा है, मगर उसकी गति बहुत धीमी है और कितने वर्ष लगेंगे ? किसी किसी राज्य के पास अभी तक एक भी ट्रैक नहीं है। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर व धर्मशाला सिंथेटिक ट्रैकों पर लोग टहलते नजर आते हैं। भर्ती के लिए बाहर कच्चे पर केवल ट्रायल के लिए स्वीकृत किया जा सकता है। शेष ट्रेनिंग बाहर के अन्य मैदानों व सडक़ों पर हो सकती है। सिंथेटिक ट्रैक पार्क बन चुके हैं। वहां आम लोगों का प्रवेश वर्जित कर देना चाहिए, केवल एथलीट के लिए ही प्रवेश रखना चाहिए, तभी इन प्ले फील्ड को लंबे समय तक खिलाडियों के लिए उपलब्ध करवाया जा सकता है। कल जब हिमाचल प्रदेश के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट होंगे और प्रशिक्षण के लिए उखड़ा हुआ ट्रैक होगा तो फिर पहाड़ की संतान को पिछडऩे का दंश झेलना पड़ेगा।

इसलिए इस बरबादी को अभी से रोकना होगा। तभी हम अपनी आने वाली पीढियों से न्याय कर सकेंगे। इस कॉलम के माध्यम से इस विषय पर कई बार लिखने के बाद भी हिमाचल सरकार इन विश्व स्तरीय खेल सुविधाओं पर ध्यान नहीं दे रही है। हिमाचल में ट्रेनिंग कर पहाड़ की संतानें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए कुछ लोगों के जुनून ने बिना सुविधाओं के मिट्टी पर ट्रेनिंग कर राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दस्तक दी थी। तभी यह अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा आने वालों को मिल पाई है। हिमाचल प्रदेश में इस समय हर जिला स्तर सहित कई जगह उपमंडल स्तर पर भी इंडोर स्टेडियम बन कर तैयार हैं, मगर उन स्टेडियमों में बनी प्ले फील्ड का उपयोग प्रशिक्षण के लिए खिलाडियों को ठीक से करना नहीं मिल रहा है। वहां पर अधिकतर शहर के लाला व अधिकारी अपनी फिटनेस करते हैं। ऊना व मंडी में तरणताल बने हैं, मगर वहां पर भी कोई प्रशिक्षण कार्यक्रम आज तक शुरू नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश में तैराक ही नहीं हैं। यहां पर भी प्रशिक्षण न होकर गर्मियों में मस्ती जरूर हो जाती है।

आप का नजरीया

प्रबंधन को क्या नाम दें

सार्वजनिक क्षेत्र अपनी विश्वसनीयता के ताज पर अहम किरदार निभाता है, लेकिन प्रतिस्पर्धा के माहौल में ये तालियां भी हार रही हैं। जोगिंद्रनगर का पीलिया से संघर्ष बताता है कि जीवन को चरागाह बनाने में, हम व्यवस्था के तमाशबीन बन रहे हैं। हम साक्षी हैं उन बसों के जो हमें ही आधे अधूरे सफर की दास्तान बना देती हैं। दो दिन पहले धर्मशाला बस अड्डे से दिल्ली के लिए एक वोल्वो बस निकली, लेकिन शहर की सीमा के भीतर ही उसने आगे बढऩे से इनकार कर दिया। टांडा मेडिकल कालेज में जलापूर्ति ठप हो गई या पानी पीने के लायक नहीं रहा, तो इस प्रबंधन को क्या नाम दें। संपूर्ण व्यवस्था में कई विभाग, कई घोषणाएं, कई सरोकार, कई उपकार, कई उपक्रम, कई योजनाएं व कई परियोजनाएं व नीतियां-कार्यक्रम हैं, लेकिन कोई एक स्थायी चरित्र या तहजीब नहीं। हम जोगिंद्रनगर के पीलिया या टीएमसी के पानी में मीन मेख निकालते जलशक्ति विभाग की कमियां गिन सकते हैं, लेकिन दोनों जगह चिकित्सा संस्थान आखिर किस मर्ज की दवा हैं। जाहिर है स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों में निरीक्षण-परीक्षण के अलावा योग्यता-दक्षता है, लेकिन विश्वसनीयता क्यों हार रही है। जिस प्रदेश में सरकारी ढांचा पूरे देश की औसत से अव्वल हो और जहां चार कदम पर कोई न कोई चिकित्सा संस्थान हो, वहां पीलिया रोग का समाधान इतना नाजुक नहीं हो सकता। दरअसल हम मेडिकल कालेजों की इमारतों में ईंटें गिनते जा रहे हैं, जबकि इन संस्थानों की बुनियाद से जुड़े प्रश्न या तो मेडिकल कौंसिल की छानबीन व अन्य औपचारिकताओं में फंसे हैं या ऐसा माहौल पैदा नहीं हुआ जिसमें रैफरल सिस्टम की आड़ में निजी अस्पतालों को रास्ता दिखाया जा रहा है। अभी हाल ही में हिमाचल सरकार द्वारा निजी अस्पतालों में हिम केयर योजना का बंद होना बताता है कि मरीजों की आड़ में राज्य का बजट ही शिकार है। ईडी की छापामारी ने भी आयुष्मान योजना को छीलने वाले अस्पतालों की सूची बनाई है यानी अब बीमारी भी कहीं बिक रही है उनके कारनामों में। बहरहाल व्यवस्था को पारंगत करने के लिए अस्पतालों की योग्यता, उपस्थिति और हुलिए को बदलने की जरूरत है। सरकार अगर जिला स्तर व कुछ अन्य महत्त्वपूर्ण सिविल अस्पतालों को रोग विशेष के राज्य स्तरीय संस्थान बना दे, तो यह चिकित्सा क्षेत्र में एक नया संकल्प होगा। मसलन अगर हमीरपुर अस्पताल को न्यूरो का राज्यस्तरीय संस्थान बना दें, तो वहां की परिपाटी शोध, अध्ययन व वचनबद्धता के साथ मरीजों के लिए वरदान साबित होगी। इसी तरह कहीं आर्थो, कहीं बाल, कहीं कैंसर, तो कहीं अन्य रोग विशेष का राज्य स्तरीय अस्पताल बन जाएगा। दूसरी ओर जलशक्ति विभाग हो या पीडब्ल्यूडी, इन विभागों की रूपरेखा में परिवर्तन लाना होगा। कल तक सार्वजनिक सेवाएं केवल नागरिकों के लिए थीं, आज इनसे उपभोक्ता की अपेक्षाएं हैं, तो इस परिवर्तन को समझना होगा। सरकारी क्षेत्र के लक्ष्य अपनी जगह सही भी हों, कार्यान्वयन में उपयोगिता लाने के लिए उचित प्रबंधन की जरूरत है।

रूस पर यूक्रेन का हमला, रूसी शहर पर की बमबारी, 20 लोगों की मौत

मॉस्को।
रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध फिर तेज हो गया है. हाल ही में रूस ने यूक्रेन पर भारी बमबारी की थी, जिसके जवाब में यूक्रेन की बमबारी में दो बच्चों समेत 20 लोग मारे गए. रूसी अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन की उत्तरी सीमा से जुड़े शहर बेलगोरोद पर बमबारी से 111 लोग घायल भी हुए हैं. इस शहर पर यूक्रेन का ये सबसे बड़ा हमला था.

न्यूजपेपर कोमर्सेंट ने रूसी जांच कमेटी के सूत्रों के हवाले से कहा कि यूक्रेन के खार्कीव क्षेत्र में मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर से दागी गई मिसाइलों ने सेंट्रल कैथेड्रल स्क्वायर पर एक स्केटिंग रिंक, एक शॉपिंग सेंटर और आवासीय इमारतों को निशाना बनाया।

रूसी हमले में गई थीं कई जानें

इससे पहले रूसी सेना ने यूक्रेन पर 122 मिसाइल और 36 ड्रोन से हमले किए थे. यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया था कि रूसी हमले में 39 लोगों की जान गई है और 159 लोग घायल हुए हैं. उन्होंने कहा था कि हमलों ने 120 शहरों और गांवों को प्रभावित किया. यूक्रेनी सेना लंबे समय से अपनी सीमा से लगते रूसी क्षेत्रों पर हमला कर रही है, लेकिन यह अब तक का सबसे खूनी हमला बताया जा रहा है.

बेलगोरोद पर हमले के बाद यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि दो रूसी एस-300 मिसाइलों ने यूक्रेन के दूसरे शहर खार्कीव पर हमला किया था, जिसमें दो युवकों समेत 21 लोग घायल हो गए. एक मिसाइल ने खार्कीव पैलेस होटल और दूसरी एक अपार्टमेंट इमारत को निशाना बनाया. अधिकारियों ने कहा कि एक चिकित्सा संस्थान और अन्य नागरिक बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है.

हवाई हमले के सायरन पहले ही पूरे बेलगोरोद में बज चुके थे क्योंकि क्षेत्रीय गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने सभी निवासियों से आश्रयों में जाने का आग्रह किया था।

रूसी अधिकारियों ने दी यूक्रेन को चेतावनी

रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से कहा गया कि कीव शासन ने प्रतिबंधित क्लस्टर कॉन्फिगरेशन में दो ओल्खा मिसाइलों के साथ चेक निर्मित वैम्पायर रॉकेटों का इस्तेमाल किया है. बेलगोरोद शहर पर हुए इस अंधाधुंध हमले का अपराध बख्शा नहीं जाएगा. इसमें कहा गया है कि दोनों ओल्खा मिसाइलकों को मार गिराया गया रहै, जिससे बहुत बड़ा नुकसान होने से बच गया है।

यूक्रेन के इस हमले में बड़ी संख्या में वाणिज्यिक संपत्ति, शॉपिंग सेंटर और दुकानों के साथ-साथ 22 अपार्टमेंट इमारतें क्षतिग्रस्त हुई और 100 से अधिक कारें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। रूस ने यूक्रेन पर फरवरी, 2022 में हमला किया था, जिसे रूस विशेष सैन्य अभियान बताता है. रूसी सेना ने शुक्रवार को युद्ध का अपना सबसे बड़ा हवाई हमला किया है।

न्यूज ब्रीफ

रूस ने सेना में शामिल भारतीयों पर दी सफाई, कहा - एक अरसे से भर्ती बंद है

मॉस्को। रुसी दूतावास ने कहा कि मॉस्को और नई दिल्ली उन भारतीय नागरिकों की शीघ्र पहचान और सेवा से मुक्ति के लिए काम कर रहे हैं, जो स्वेच्छा से सैन्य सेवा में संविदात्मक कार्य में शामिल हुए थे और अब घर लौटना चाहते हैं। बयान में यह भी कहा गया है कि कांट्रैक्ट की सभी शर्तों को पूरा किया जाएगा और इन्हें पूरा मुआवजा भी दिया जाएगा। रूसी दूतावास के बयान में कहा गया है कि इस साल अप्रैल से रूसी रक्षा मंत्रालय ने भारत सहित कई अन्य देशों के नागरिकों को सैन्य सेवा में भर्ती करना बंद कर दिया है। उसने कहा कि रूसी सेना इस तरह के किसी अभियान का हिस्सा नहीं है, जिसमें दूसरे देश के लोगों को वहां पर नौकरी देने की बात कही गई है। इस तरह के अभियान जालसाजी हो सकते हैं। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी अपने बयान में कहा कि सीबीआई इस तरह के मामलों की जांच कर रही है। जांच में कुछ मानव तस्करों के शामिल होने की जानकारी सामने आई है। इसके मुताबिक भारतीयों को यह कहकर गुमराह किया गया कि उन्हें विदेश में अच्छी नौकरी दिलाई जाएगी। इसके बाद उन्हें ले जाकर रूस की सेना में भर्ती कर दिया गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि कुल 91 भारतीयों की रूस की सेना में नियुक्ति हुई थी। इनमें से आठ लोगों की अभी तक मौत हो चुकी है। अन्य 14 लोग या तो सेना द्वारा मुक्त कर दिए गए या किसी अन्य मदद से भारत लौटने में सफल रहे। विदेश मंत्री के मुताबिक फिलहाल कुल 69 भारतीय नागरिक रूसी सेना द्वारा सेवा से मुक्त किए जाने का इंतजार कर रहे हैं। पिछले महीने रूस के दौरे पर गए पीएम मोदी ने भी प्रेसीडेंट पुतिन के साथ मुलाकात में इस मुद्दे को उठाया था।

अरे वाह! बीमार छात्र की जगह रोबोट क्लास अटेंड कर रहा

लंदन। छात्र हायर एजुकेशन में भी रोबोटिक्स और एआई की पढ़ाई कर रहे हैं। लेकिन साउथ वेस्ट लंदन से एक बिल्कुल ही अलग मामला सामने आया है। यहां 12 साल के एक बच्चे के बीमार पड़ने पर उसकी जगह रोबोट कक्षा में शामिल हो रहा है। इससे बच्चे की पढ़ाई का नुकसान होने से बच रहा है। 12 वर्षीय हावर्ड साउथ-वेस्ट लंदन के एक स्कूल में पढ़ाई करता है। दिसंबर 2023 में एक रेयर आर्म कैंसर ने हावर्ड को जकड़ लिया। जनवरी 2024 से उसकी कीमोथैरेपी चल रही है। इस हालत में वह स्कूल जाने में सक्षम नहीं है। हालांकि इस रोबोट की वजह से उसके स्ट्रगल में थोड़ी राहत पहुंची है। दरअसल, स्कूल अटेंड न कर पाने की वजह से उपस्थिति कम हो रही थी। इससे उसे आगे परेशानी हो सकती थी। यह रोबोट इलेक्ट्रॉनिक डबल के तौर पर स्कूल जाकर क्लासेस अटेंड करता है। बता दें कि यह ऑडियो-विजुअल रोबोट एक इंटरैक्टिव अवतार है। इसकी मदद से हावर्ड घर या हॉस्पिटल से क्लासेस अटेंड कर लेता है। इसके जरिए हावर्ड क्लास में अपनी बात कहता है और टीचर की बातें सुनता है। वह नोट्स भी बना लेता है। इस तरह से हावर्ड घर या हॉस्पिटल में रहते हुए भी हर क्लास का हिस्सा बन पा रहा है। स्कूल के टीचर्स और स्टूडेंट्स को भी रोबोट ट्रेनिंग दी जा रही है। इससे वे एवी हावर्ड (रोबोट) की मदद से असली हावर्ड की पढ़ाई में मदद कर सकते हैं।

रोहिंग्या पर म्यांमार में ड्रोन अटैक

200 की मौत, कीचड़ में बिखरे पड़े शवों में अपनों की तलाश करते दिखे परिजन

ढाका।
बांग्लादेश से भाग रहे रोहिंग्या मुसलमानों के एक समूह पर ड्रोन हमला होने की खबर वायरल हो रही है। खबर सही है या गलत इसकी पुष्टि फिलहाल नहीं हो पाई लेकिन खबर काफी चौंकाने वाली है। बांग्लादेश में इन दिनों हिंसक विरोध प्रदर्शनों के कारण खूब उथल-पुथल है, इसके बावजूद म्यांमार से कई रोहिंग्या मुसलमान सीमा पार कर बांग्लादेश भागने की कोशिश में जुटे हैं। म्यांमार से भाग रहे रोहिंग्या मुसलमानों के ऐसे ही एक समूह पर बॉर्डर के पास ड्रोन से हमला किया गया। इस ड्रोन अटैक में महिलाओं और बच्चों सहित करीब 200 लोगों के मारे जाने की खबर हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, चार चश्मदीदों, कार्यकर्ताओं और एक राजनायिक ने इन ड्रोन हमलों के बारे में बताया, जिसमें बांग्लादेश की सीमा पार करने का इंतजार कर रहे परिवारों को निशाना बनाया गया था। कई चश?मदीदों ने बताया कि हमले के बाद शवों के ढेर के बीच अपने मृत और घायल रिश्तेदारों की पहचान करने के लिए भटक रहे थे। यह हमला हाल के हफ्तों में सैन्य जुंटा सैनिकों और विद्रोहियों के बीच संघर्ष के दौरान रखाइन राज्य में नागरिकों पर किया गया अब तक का सबसे घातक हमला है। तीन चश्मदीदों के हवाले से बताया कि इसके पीछे अराकान आर्मी का हाथ है, हालांकि समूह ने इन आरोपों से इनकार किया है। म्यांमार की सेना और मिलिशिया ने एक-दूसरे पर हमले का आरोप लगाया है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में दिख रहा है कि कीचड़ भरे मैदान में शवों के ढेर पड़े हुए थे। उनके आसपास उनके सूटकेस और बैकपैक बिखरे हुए थे। तीन लोगों ने बताया कि 200 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जबकि एक चश्मदीद ने बताया कि उसने कम से कम 70 शव देखे हैं। वीडियो के लोकेशन की पुष्टि की है, जो कि म्यांमार के तटीय शहर मौंगडॉ के ठीक बाहर का है। हालांकि यह वीडियो कब का है इसकी पुष्टि नहीं की सकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, 35 साल के मोहम्मद इलियास नामक एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि हमले में उनकी गर्भवती पत्नी और 2 साल की बेटी घायल हो गईं और बाद में उनकी मौत हो गई।

बांग्लादेश के एक शरणार्थी शिविर से इलियास ने बताया कि वह उनके साथ समुद्र किनारे खड़ा था, तभी ड्रोन ने भीड़ पर हमला करना शुरू कर दिया। इलियास ने कहा, 'मैंने कई बार गोलाबारी की आवाज सुनी।' उसने बताया कि वह खुद को बचाने के लिए जमीन पर लेट गया और जब वह उठा तो उसने देखा कि उसकी पत्नी और बेटी गंभीर रूप से घायल हैं और उसके कई अन्य रिश्तेदार मृत पड़े हैं।

सेना की अपनी रणनीति के बीच बड़ा सवाल

क्या पूर्व पीएम शेख हसीना लौटेंगी स्वदेश?

ढाका।
विल्सन सेंटर में साउथ एशिया इंस्टीट्यूट के निदेशक माइकल कुगेलमैन ने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार जितने लंबे समय तक सत्ता में रहेगी, सेना के देश की राजनीति में अधिक निर्णायक भूमिका निभाने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। उनकी यह टिप्पणी बांग्लादेश में चल रही राजनीतिक अशांति के बीच आई है। जो पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटाए जाने के बाद पैदा हुई है, जिसके कारण आम चुनावों का समय अनिश्चित हो गया है। बांग्लादेश में अशांति के दौर में अंतरिम सरकार जितने लंबे वक्त तक सत्ता में रहेगी, सेना की राजनीतिक भागीदारी का जोखिम उतना ही अधिक होगा। इस बात की आशंका को पहले ही जाहिर किया गया था।

शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग हाशिए पर, अंतरिम सरकार में भी कोई नुमाइंदा शामिल नहीं

कुगेलमैन ने इस बात पर जोर दिया कि शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग मौजूदा समय में हाशिए पर है। जिसका अंतरिम सरकार में कोई नुमाइंदा नहीं है। हालांकि उन्होंने कहा कि अगर अशांति बनी रहती है, तो अवामी लीग भविष्य के चुनावों में फिर से लोकप्रिय हो सकती है। एक इंटरव्यू में कुगेलमैन ने कहा कि 'अगर एक या दो साल बीत जाते हैं, अगर अर्थव्यवस्था में सुधार नहीं होता है, अगर अशांति जारी रहती है, तो मुझे लगता है कि चुनावों में अवामी लीग का पक्ष लिया जा सकता है। अब, मैं यह भी कहूंगा कि जब हम भविष्य के राजनीतिक परिदृश्यों के बारे में बात कर रहे हैं। अंतरिम सरकार जितनी अधिक समय तक सत्ता में रहेगी, मुझे लगता है कि सेना के राजनीति में अधिक निर्णायक भूमिका निभाने की संभावना बढ़ जाती है। कुगेलमैन ने कहा कि 2006, 2007 और 2008 में, जब बांग्लादेश में एक लंबी अंतरिम सरकार थी, जो सेना के नेतृत्व में थी। इसलिए हमें सेना के आगे चलकर निभाई जा सकने वाली संभावित राजनीतिक भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इस वक्त शेख हसीना की राजनीति में वापसी की संभावना पर कुगेलमैन ने संदेह जाहिर किया, लेकिन उनकी वापसी से इनकार नहीं किया।

प्रचंड का आरोप- शेख हसीना को अमेरिका के इशारे पर सत्ता से हटाया गया

काठमांडू।
माओवादी के अध्यक्ष पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' ने दावा किया है कि अमेरिका के इशारे पर उन्हें सत्ता से हटाया गया। प्रचंड ने कहा कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपदस्थ करने में अमेरिका का हाथ है। उन्हें एक महीने पहले से सत्ता से हटाने के पीछे षडयंत्र चल रहा था।

माओवादी पार्टी की स्थायी समिति की बैठक में अध्यक्ष प्रचंड ने कहा कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को एक षडयंत्र के तहत हटाया गया। उनका आरोप है कि अमेरिकी प्रभुत्व न मानने के कारण शेख हसीना को सत्ता से हटाकर देश छोड़ने को बाध्य कर दिया गया। अमेरिकी शर्त नहीं मानने के कारण रातों रात दो विपरीत ध्रुव के राजनीतिक दलों के बीच समझौता करा कर उन्हें पद से हटने पर मजबूर कर दिया गया।

प्रचंड ने कहा कि प्रधानमंत्री रहते शेख हसीना पर अमेरिका की महत्वाकांक्षी स्टेट पार्टनरशीप प्रोग्राम (एसपीपी) समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए लगातार दबाव दिया जा रहा था। इस समझौते में नेपाल को शामिल करा कर अमेरिका नेपाल में अपना सैन्य बेस बनाना चाहता है। यह सैन्य बेस भारत और चीन दोनों के लिए खतरा बन जाता, इसलिए उन्होंने अमेरिकी दबाव को कभी स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया में अमेरिकी हस्तक्षेप बढ़ना पूरे क्षेत्र के लिए खतरा है। उन्होंने सभी दक्षिण एशियाई देशों के राजनीतिक नेतृत्व से एकजुट होकर इसका सामना करने का सुझाव भी दिया है।

ब्राजील विमान हादसे में मृत सभी 62 लोगों के अवशेष बरामद, पहचान के लिए फॉरेंसिक विशेषज्ञों की ली मदद

ब्रासिलिया।
ब्राजील के साओ पाउलो प्रांत में एक विमान हादसे में मारे गए सभी यात्रियों के अवशेष बरामद हो गए हैं। इसके साथ बचाव अभियान खत्म हो गया है। मृतकों के परिजन अपने प्रियजनों की शिनाख्त करने और उन्हें दफनाने के लिए साओ पाउलो पहुंच रहे हैं। ब्राजील की विमानन कंपनी वेपास ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त 'एटीआर72' विमान में 58 यात्री और चालक दल के चार मेंबर सवार थे।

जानकारी के अनुसार विमान ग्वारूलोस में साओ पाउलो के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जा रहा था, तभी यह विन्हेडो में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। कंपनी ने पहले बताया था कि उसके विमान में 62 यात्री सवार थे। बाद में उनकी संख्या को संशोधित कर 61 कर दिया और शनिवार सुबह फिर संख्या बढ़ा दी थी। जब उसने पूता तो कॉन्स्टेंटिनो माइया नामक यात्री का नाम उसकी मूल सूची में नहीं था।

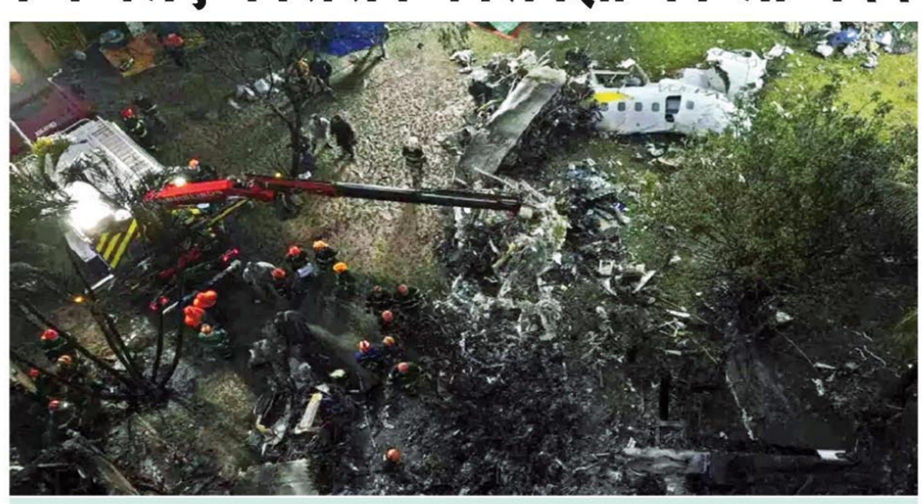

शवों की पहचान करने के लिए फॉरेंसिक विशेषज्ञों की ली मदद

फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने विमान के पायलट और सह-पायलट के शवों की पहचान कर ली है और मलबे से 34 पुरुषों व 28 महिलाओं के शव बरामद किए हैं। ब्राजील के अधिकारियों ने परिजनों से मृतकों की पहचान करने में मदद के लिए किसी भी चिकित्सकीय जांच, एक्स-रे या दंत परीक्षण की रिपोर्ट लाने को कहा। शवों की पहचान करने के लिए खून की जांच भी की गई। ब्राजील की वायुसेना ने बताया कि विमान के दोनों ब्लैक बॉक्स जांच के लिए प्रयोगशाला में भेज दिए गए हैं। उसने कहा कि हमें उम्मीद है कि 30 दिनों के अंदर जांच सामने आ जाएगी।

भारतीय विदेश सचिव नेपाल पहुंचे, राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री सहित प्रमुख नेताओं से होगी मुलाकात

त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मिस्री का हुआ भव्य स्वागत

काठमांडू।
भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री दो दिवसीय नेपाल दौरे पर रविवार को काठमांडू पहुंचे हैं। भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरे भारतीय विदेश सचिव मिस्त्री का नेपाल की विदेश सचिव सेवा लम्साल और नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने स्वागत किया।

विदेश सचिव मिस्त्री नेपाल की विदेश सचिव सेवा लम्साल के साथ औपचारिक द्विपक्षीय वार्ता करने वाले हैं। दोपहर 2.45 बजे उनका राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल से मिलने का कार्यक्रम है। इसके बाद प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा, कांग्रेस अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और माओवादी अध्यक्ष पुष्पकमल दाहाल प्रचंड से मुलाकात का कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, वह सोमवार को स्वदेश लौटेंगे।

नेपाल पहुंचे विदेश सचिव मिस्त्री ने कहा कि उनकी यात्रा नेपाल-भारत संबंधों को और मजबूत करने के लिए है। भारत सरसार की नेवरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत वो पड़ोसी देशों का भ्रमण कर रहे हैं और भूटान के बाद उनकी दूसरी विदेश यात्रा नेपाल हो रही है। इस भ्रमण के क्रम में द्विपक्षीय समझौते के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने की जानकारी भारतीय दूतावास के तरफ से दी गई है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, विदेश सचिव मिस्त्री की यात्रा दोनों देशों के बीच नियमित उच्च स्तरीय बैठकों की परंपरा को जारी रखेगी और भारत की पड़ोसी पहले नीति के तहत नेपाल के साथ संबंधों को दी गई प्राथमिकता को प्रतिबिंबित करेगी।

भारत सरकार की मदद से नेपाल में बड़े बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और नई परियोजनाएं चल रही हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने दावा किया है कि हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग और अधिक मजबूत हुआ है।

विदेश सचिव मिस्री ने काठमांडू में नेपाल भाषा परिषद के नवनिर्मित भवन का किया उद्घाटन

दो दिवसीय दौरे पर रविवार को नेपाल पहुंचे भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने काठमांडू के नरदेवी में नेपाल भाषा परिषद के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया। इस भवन का निर्माण भारत के सहयोग से किया गया है। नेपाल की विदेश सचिव सेवा लम्साल के निमंत्रण पर सुबह काठमांडू पहुंचे मिस्त्री राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से भी मुलाकात करेंगे। उनका उप प्रधानमंत्री एवं शहरी विकास मंत्री प्रकाशमान सिंह, उपप्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री बिष्णु प्रसाद पौडेल और गृहमंत्री रमेश उखर से भी मुलाकात करने का कार्यक्रम है। विदेश सचिव बनने के बाद मिस्त्री की यह पहली नेपाल यात्रा है। लम्साल ने मिस्त्री के सम्मान में रविवार को रात्रिभोज का आयोजन किया है। सोमवार सुबह उनका विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा देउबा से मिलने का कार्यक्रम है। इसके बाद मिस्त्री शाम को नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

आरक्षण मामले में कांग्रेस पार्टी के बयान में रत्तीभर सच्चाई नहीं : मायावती

कांग्रेस के बयान पर मायावती का पलटवार, आरक्षण का पूरा श्रेय बाबा साहब को

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी(बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने रविवार को सोशल मीडिया के जरिए कांग्रेस पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस पार्टी एससी–एसटी के आरक्षण मामले में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को श्रेय देने के बजाय पं. नेहरू व गांधी जी को दिया है, जिसमें रत्तीभर भी सच्चाई नहीं है। उल्लेखनीय है कि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती रविवार को पार्टी कार्यालय में पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगी। यह बैठक आगामी उपचुनाव समेत पार्टी हित को लेकर होगी। इससे पहले मायावती ने शनिवार को एससी-एसटी वर्ग के आरक्षण को लेकर प्रेस्वार्ता की थीं। ठीक उसी के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का बयान आया था। इस पर मायावती ने कांग्रेस पर हमला बोला है। मायावती ने रविवार को सोशल मीडिया के एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि शनिवार को बसपा की प्रेसवार्ता के बाद कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के दिए बयान की जानकारी मिली, जिससे एससी-एसटी के समक्ष कांग्रेस पार्टी के बयान में बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को नहीं बल्कि पं. नेहरू व गांधी जी को आरक्षण का श्रेय दिया गया है, जिसमें रत्तीभर भी सच्चाई नहीं। जबकि वास्तव में आरक्षण का पूरा श्रेय बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को ही जाता है, जिनको किस तरह से कांग्रेस के लोगों ने संविधान सभा में जाने से रोकने का षडयन्त्र रचा तथा उनको चुनाव में भी हराने का काम किया। कानून मंत्री पद से भी इस्तीफा देने को विवश किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह कहा कि देश में एससी व एसटी वर्गों के उपवर्गीकरण के सम्बन्ध में पार्टी के स्टैण्ड का खुलासा करने के पहले इनकी पार्टी एनजीओ व वकीलों आदि से विचार-विमर्श करेगी, जिससे स्पष्ट है कि कांग्रेस उपवर्गीकरण के पक्ष में है।

बांग्लादेश के जिहादियों के खिलाफ काशी की मुस्लिम महिलाओं ने किया मार्च

वाराणसी, (हि.स.)। बांग्लादेश के कट्टरपंथी जिहादियों के खिलाफ काशी में मुस्लिम महिलाओं ने मोर्चा खोल लिया है। मुस्लिम महिला फाउंडेशन और विशाल भारत संस्थान के बैनर तले लमही स्थित सुभाष भवन के पास जुटी महिलाओं ने कट्टरपंथी जिहादियों के खिलाफ नारेबाजी की। ड्रम बजाकर दुनियाभर की बहरी सरकारों को बांग्लादेश में महिलाओं की चीत्कार को सुनाने का प्रयास किया। सुभाष भवन से प्रेमचन्द स्मृति द्वार तक सुरक्षा मार्च निकाल कर जिहादियों को लताड़ लगाई। महिलाओं ने कहा कि बांग्लादेश में कोई आंदोलन नहीं, बल्कि महिलाओं, बच्चों और हिन्दुओं के संहार की साजिश है।

124 जिहादियों द्वारा एक महिला के साथ बलात्कार, बच्चों की हत्या कर लाश को लटकाना, मंदिरों को जला देना और हिन्दुओं का संहार भारत के लिए चिंता और चेतावनी का सबक है। अपने ही देश की महिला प्रधानमंत्री शेख हसीना के अंतःवस्त्र को लहराकर पूरी दुनिया की महिलाओं को इन जिहादियों ने शर्मसार किया है। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने हाथों में तख्तियां लेकर दुनिया की सरकार से सवाल पूछे - महिला प्रधानमंत्री का अंतःवस्त्र लहराकर कौन सी क्रांति किये हो? 124 बांग्लादेशी जिहादियों का एक महिला से बलात्कार, ये कौन सी क्रांति है सरकार? मंदिरों को जलाना, बच्चों की लाश को लटकाना और हिन्दुओं का संहार, ये कैसी क्रांति है?। महिला प्रधानमंत्री की इज्जत खुलेआम की नीलाम, ये जमातियों को कैसा काम?।

जमात-ए-इस्लामी के जिहादियों के आतंक ने बांग्लादेशी हिन्दुओं की बच्चियों और महिलाओं को जीने लायक नहीं छोड़ा। खूनी हिंसा और महिलाओं से सामूहिक बलात्कार यही जिहादियों का चरित्र है। संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ० राजीव ने कहा कि ये राजनीतिक मसला नहीं है। पूरी दुनिया की महिलाओं को जिहादियों की खुली चुनौती है। सामूहिक बलात्कार इनके चरित्र का हिस्सा है। जो अपने देश के महिला प्रधानमंत्री के अंतःवस्त्र लहराकर जीत का जश्न मना सकते हैं वो किसी भी महिला को नहीं छोड़ेंगे।

दुनिया के देश एक जुट हों और अपने देश से जिहादियों को बाहर निकालने और उनके अस्तित्व को खत्म करने की योजना बनाएं, नहीं तो वाकई यह दुनियां महिलाओं के रहने लायक नहीं रह जायेगी। मुस्लिम महिला फाउंडेशन की नेशनल सदर नाजनीन अंसारी ने कहा कि जिहादी हर देश में हैं और वहां इस्लामी कानून लाकर महिलाओं को सेक्स गुलाम बनाना चाहते हैं। अपने नाजायज कामों और छोटी बच्चियों के साथ यौन हिंसा को जायज ठहराने की आदत है। महिलाओं और बच्चों को बचाने के लिये सभी देश धार्मिक जिहादियों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाकर कठोर दण्ड दें।

झारखंड में 25 आईएएस का तबादला, विप्रा भाल बनीं राज्यपाल के नयी प्रधान सचिव

रांची, (हि.स.)। झारखंड सरकार ने विधानसभा चुनाव से पूर्व बड़े पैमाने पर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 25 अधिकारियों का तबादला किया गया है। राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक प्रधान सचिव कृषि पशुपालन सहकारिता विभाग रांची के पद पर पद स्थापित किया गया है। प्रधान सचिव योजना एवं विकास विभाग मस्तराम मीणा को अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ प्रधान सचिव पेयजल एवं स्वच्छता विभाग रांची का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। प्रधान सचिव पथ निर्माण विभाग सुनील कुमार को अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ प्रधान सचिव नगर विकास एवं आवास विभाग रांची, प्रबंध निदेशक जुडको तथा प्रबंध निदेशक रांची ग्रेटर विकास एजेंसी का भी अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। खाद आपूर्ति सचिव अमिताभ कौशल को स्थानांतरित करते हुए आईटी सचिव रांची के पद पर नियुक्त एवं पद स्थापित किया गया है। डॉक्टर कौशल अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ सचिव वाणिज्क र विभाग झारखंड के भी अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। भवन निर्माण सचिव मनीष रंजन को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक निदेशक श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान रांची के पद पर नियुक्त किया गया है। पेयजल सचिव राजेश कुमार शर्मा को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक सचिव आपदा प्रबंधन विभाग रांची के पद पर नियुक्त किया गया। कृषि सचिव अबू बकर सिद्दीकी को स्थानांतरित करते वन विभाग का सचिव बनाया गया है। आईटी सचिव विप्रा भाल को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक प्रधान सचिव राज्यपाल का बनाया गया है। महिला बाल विकास विभाग के सचिव मनोज कुमार को अपने कार्य के साथ उत्पाद सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। मुख्यमंत्री के सचिव झारखंड के पद पर पदस्थापित अरवा राजकमल को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक भवन सचिव झारखंड रांची के पद पर नियुक्त किया गया । अरवा राजकमल को अपने कार्यों के साथ प्रबंध निदेशक झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड रांची तथा स्थानीय आयुक्त झारखंड भवन के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। खान सचिव जितेंद्र कुमार सिंह को अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ उद्योग सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। सचिव स्कूली शिक्षा साक्षरता विभाग उमाशंकर सिंह को अगले आदेश तक अपने कार्य के साथ पर प्रभारी सचिव खाद आपूर्ति विभाग का बनाया गया नगर आयुक्त रांची नगर निगम अमित कुमार को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक वाणिज्य कर आयुक्त । कुमार अगले आदेश तक आपने कार्य विशेष सचिव वित्त विभाग रांची के भी अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। प्रशासक स्वर्ण रेखा परियोजना जमशेदपुर मंजूनाथ भजंत्री को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक मुख्य कार्यपालिका पदाधिकारी झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन समिति रांची के पद पर नियुक्त किया गया। भजंत्री अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ मनरेगा आयुक्त रांची के भी अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। विशेष सचिव श्रम विभाग अमित प्रकाश को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक उत्पाद आयुक्त रांची के पद पर नियुक्त किया गया प्रकाश अगले आदेश तक अपने कार्य के साथ प्रबंध निदेशक झारखंड राज्य विवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड रांची के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जेएसएलपीएस संदीप सिंह को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक नगर आयुक्त रांची नगर निगम के पद पर स्थापित किया गया। संदीप सिंह अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ उपाध्यक्ष आरआर डीए के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। नगर आयुक्त हजारी बाग नगर निगम शैलेंद्र कुमार लाल को स्थानांतरित करते हुए निदेशक का मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी के पद पर पदस्थापित किया गया। उत्पाद आयुक्त रांची सुनील कुमार सिंह को स्थानांतरित करते हुए अपर सचिव श्रम विभाग, उपयुक्त पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर अनन्य मित्तल को अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ प्रसाक स्वर्ण रेखा परियोजना जमशेदपुर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। प्रतीक्षारत समीरा एस को अगले आदेश तक निदेशक सह सदस्य सचिव झारखंड राज्य बाल संरक्षण संस्थान झारखंड के पद पर नियुक्त किया गया था। समीरा एस अगले आदेश तक महानिदेशक राज्य पोषण मिशन, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी झारखंड राज्य जल छाजन मिशन तथा निदेशक सामाजिक सुरक्षा के भी अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। प्रतीक्षारत रवि आनंद को अगले आदेश तक संयुक्त सचिव कार्मिक विभाग, डीसी गिरिडीह दीपक कुमार दुबे को सयुक्त सचिन नगर विकास विभाग, सौरभ कुमार भौवनिया को अगले आदेश तक संयुक्त सचिव वित्त विभाग, आलोक कुमार को अगले आदेश तक संयुक्त सचिव गृह विभाग ,शताब्दी मजूमदार को अगले आदेश तक अवर सचिव वित्त विभाग रांची के पद पर नियुक्ति एवं पद स्थापित किया गयाहै। इस संबंध में कार्मिक, प्रशासनिक, सुधार तथा राजभाषा विभाग ने शनिवार देर रात अधिसूचना जारी कर दी है।

कानपुर में 195 स्वयं सहायता समूह की महिलाएं तैयार कर रही हैं राष्ट्र ध्वज

कानपुर, (हि.स.)। हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए कानपुर नगर के 195 समूहों को राष्ट्र ध्वज तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। समूह की महिलाओं को 15 अगस्त से पूर्व 3 लाख 44 ध्वज तैयार करना है। यह जानकारी रविवार को राष्ट्रीय आजीविका मिशन ग्रामीण उपायुक्त स्वरोजगार सुधा देवी शुक्ला ने दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान के तहत दो करोड़ राष्ट्र ध्वज तिरंगा तैयार करने का लक्ष्य है। जिसमें से कानपुर नगर को 3 लाख 44 हजार का लक्ष्य दिया गया है। स्वयं सहायता समूहों को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन समूह से जुड़ी गांवों की महिलाओं के लिए रोजगार मिला है। कानपुर के सभी ब्लाकों में संचालित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आमदनी होने के साथ ही राष्ट्र भावना जागृत हो रही है। सभी समूह अपने–अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए जुटे हुए है। उन्होंने बताया कि तिरंगा झंडा तैयार करने के लिए शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र में सक्रिय कुल 195 स्वयं सहायता समूहों को जिम्मेदारी दी गई है। सभी अपने कार्य में लगे हुए हैं। शासन की प्राथमिकता के अनुरूप निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने में सभी स्वयं सहायता समूह जुट गए हैं। निर्धारित तिथि तक सभी समूह झंडा तैयार कर लेंगे। इस वर्ष पूर्व की लक्ष्य से अधिक काम दिया गया है। स्वयं सहायता समूह में जुड़ी महिलाएं प्रतिदिन अपने कार्य को आगे बढ़ा रही है। इस कार्य से उन्हें कुछ पारिश्रमिक भी शासन उपलब्ध कराएगा।

रसोई गैस सिलेंडर में विस्फोट से मकान का लेंटर गिरा, मलबे में दबकर बेटे और पत्नी की मौत

जालौन, (हि.स.)। कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मेहलूआ में देर रात अखिलेश अपनी पत्नी, बेटा और बेटी के साथ सो रहे थे। रात के समय सिलेंडर में गैस रिसाव हो गया और सुबह जब गैस जलाई तो गैस रिसाव के कारण अचानक आग का गुबार बन गया। मकान के चारों तरफ की दीवार विस्फोट के साथ चटक गई और ऊपर से लेंटर गिर गया। मकान में सो रहे अखिलेश उसकी पत्नी मोहिनी, 12 वर्षीय बेटी अदिति और 6 वर्षीय बेटा देव उसमें दब गए। इस मलबे में दबकर पत्नी और बेटे की मौत हो गई। सुबह के वक्त तेज धमाके की आवाज सुनाई दी तो पास में रहने वाले भाई और आस पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे। मकान का मलवा देख उसमें दबे अपने छोटे भाई अखिलेश उसकी पत्नी और दोनों बच्चों को मलवे से बाहर निकाला और तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने अखिलेश की पत्नी मोहिनी और 6 वर्षीय बेटे देव को मृत घोषित कर दिया। जबकि अखिलेश तथा 12 वर्षीय बेटी अदिति की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की जानकारी पर अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा मौके पर पहुंचे। घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टर ने पत्नी और बेटे को मृत घोषित कर दिया है और अखिलेश व उसकी बेटी दोनों गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें इलाज के लिए हायर सेंटर भेजा गया है।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

रांची, (हि.स.)। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने रविवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से उनके आवास में मुलाकात की। इस अवसर पर झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थीं। मुलाकात के दौरान अलका लांबा ने मुख्यमंत्री से राज्य की महिलाओं के अधिकार और महिलाओं के आर्थिक न्याय, सामाजिक न्याय, राजनीतिक न्याय को लेकर विस्तार पूर्वक बातचीत की और एक मांग पत्र सौंपी। मांग पत्र के माध्यम से निम्नलिखित मांगें रखीं गयी। इनमें महिला आयोग का गठन करने, महिला थानों का गठन, सरकारी और निजी नौकरियों में 50 प्रतिशत महिला को आरक्षण देने, मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना का लाभ 1000-1500 देने,मनरेगा महिला खेती मजदूर को लाभ कार्ड देने, आंगनवाड़ी वर्कर्स की तर्ज पर आशा वर्कर्स ,मिडदे मील बनाने वाली बहनों का मानदेय दुगना करने, सरकारी स्कूलों में पढ़ने बच्चियों फ्री सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराने, सेनेट्री नैपकिन बनने की मशीन एसएचजी,महिला समूहों को आर्थिक सशक्तिकरण के तहत देने, मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी के तहत यात्रासेवा मुफ़्त देने सहित अन्य मांग शामिल है।

देश-विदेश से आए हजारों जैन भक्तों ने मोक्ष दिवस पर पार्श्वनाथ को चढ़ाए लड्डू

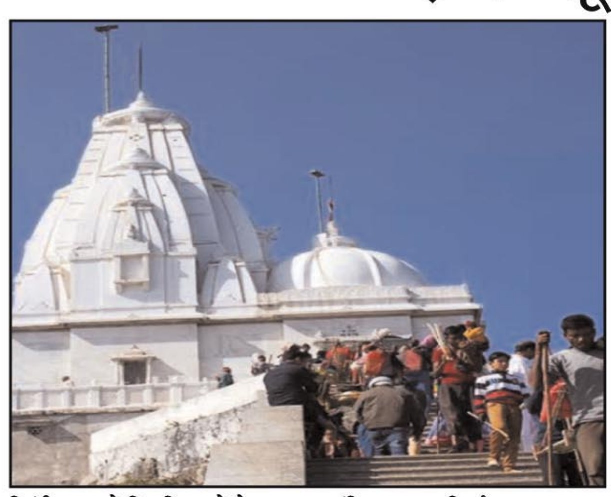

गिरिडीह, (हि.स.)। जैन धर्मावलम्बियों के तीर्थ सम्मेद शिखर मधुबन के पार्श्वनाथ पर्वत पर रविवार को देश-विदेश से आए हजारों जैन भक्तों ने मोक्ष कल्याणक दिवस पर भगवान पार्श्वनाथ की वंदना कर निर्वाण लड्डू अर्पित किए। जानकारी के मुताबिक अहले सुबह से ही भगवान के मंदिर में लड्डू चढ़ाने का दौर शुरू हुआ, जो दोपहर तक चलता रहा। देश के विभिन्न राज्यों से आए जैन श्रद्धालु गाजे-बाजे के साथ गेरुआ वस्त्र धारण कर सिर पर भगवान आदिनाथ के अष्टधातु की मूर्ति लिए जैन मुनियों के सानिध्य में पैदल यात्रा कर करीब 20 किलोमीटर ऊपर पारसनाथ टोंक पर्वत की चढ़ाई कर निर्वाण लड्डू अर्पित किया। जैन भक्तों ने इस दौरान भगवान पार्श्वनाथ, भगवान आदिनाथ समेत 20 तीर्थंकरों के मंदिरों की परिक्रमा कर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। भक्तों की भीड़ ने झूमते हुए पारसनाथ पर चढ़ाई का सफर पूरा किया। मोक्ष सप्तमी पर टोंक स्थित हर मंदिर की सजावट भी बेहद सुंदर तरीके से की गयी थी। फूलों से सजे मंदिर रंग-बिरंगी लाइट से झिलमिला रहे थे। एक अनुमान के अनुसार 25 से 30 हजार भक्तों ने मोक्ष सप्तमी के पावन अवसर पर भगवान पार्श्वनाथ को निर्वाण लड्डू चढ़ाये। उल्लेखनीय है कि श्रावण शुक्ल सप्तमी के दिन 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ को मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। इसलिए इस दिन को उनके मोक्ष कल्याणक दिवस के रूप में मनाया जाता है। मंदिरों में भगवान पार्श्वनाथ की विशेष पूजा-अर्चना, शांतिधारा कर निर्वाण लड्डू चढ़ाया जाता है। जैन दर्शन के अनुसार मोक्ष की प्राप्ति होना जीवन का सार्थक होना माना जाता है। इस मान्यता के साथ इस दिन को मोक्ष सप्तमी के दिन खास तौर पर बालिकाएं निर्जला उपवास करती हैं। दिनभर पूजन, स्वाध्याय, मनन-चिंतन, सामूहिक प्रतिक्रमण करते हुए संध्या के समय देव-शास्त्र-गुरु की सामूहिक भक्ति कर आत्म चिंतन करती हैं।

भाजपा के जिला महामंत्री ने जलजमाव से निजात को लेकर नगर विकास मंत्री को सौपा मांगपत्र

कटिहार, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के कटिहार जिला महामंत्री सौरभ कुमार मालाकार ने प्रदेश के नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन से पटना स्थित उनके आवास पर भेंट कर एक मांग पत्र सौपा। मालाकार ने कटिहार शहर में बुडको द्वारा स्ट्रांग वॉटर ड्रेनेज सिस्टम का कार्य काफी धीमी गति से चलने के कारण जलजमाव की स्थिति से शहर वासियों को काफी परेशानी हो रही है इस पर जल्द उचित कार्रवाई कर कार्य में गति लाने का मंत्री से आग्रह किया। जिससे की कटिहार शहर स्थाई तौर पर जलजमाव से मुक्त हो सके। उल्लेखनीय है कि कटिहार में कुल तीन फेज में चार आउटफॉल का निर्माण होना है। मांग पत्र के माध्यम से जिला महामंत्री सौरभ मालाकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कटिहार शहर में बड़ी संख्या में पांचवा पेज के लिए लाभुकों द्वारा आवेदन दिया गया है उसे जल्द से जल्द चालू करने को लेकर मंत्री से आग्रह किया। जिला महामंत्री ने कटिहार शहर में मुख्य सड़क के चौड़ीकरण के साथ-साथ गौशाला राम सभा से कारी कोसी होते हुए हवाई अड्डा चौक से लेकर शरीफगंज नया टोला तक सड़क की चौड़ी करण एवं नाला का निर्माण के लिए मंत्री से विशेष आग्रह किया।

उल्लेखनीय है कि आजादी के बरसों बीत जाने के बाद भी इस क्षेत्र के लोगों को जलजमाव एवं निकासी नहीं होने के कारण नाला निर्माण नहीं होने से बरसात के मौसम में एवं अन्य दिनो में जल निकासी में काफी कठिनाई होती है। नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन ने आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द कटिहार शहर सहित बिहार में बुडको द्वारा चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक कर कार्यों में तीव्र गति और बेहतर करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिया जाएगा।

यात्रा निकाल कर अपने माता-पिता के कुकर्मों की माफी मांगे तेजस्वी : संजय जयसवाल

भागलपुर, (हि.स.)। बिहार भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्वी चंपारण के लोकसभा सांसद संजय जयसवाल रविवार को भागलपुर पहुंचे। जहां उन्होंने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को आप सभी अपने-अपने घरों पर तिरंगा जरूर फहराएं। इस दौरान उन्होंने बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष सह पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को घेरते नजर आए। संजय जायसवाल ने कहा कि तेजस्वी यादव को बिल्कुल यात्रा निकालनी चाहिए। उन्हें अपने माता-पिता के कुकर्मो की माफी लोगों से मांगनी चाहिए। इस बात की माफी मांगे कि अब मुख्यमंत्री आवास से किसी को भी अपहरण या रंगदारी नहीं मांगी जाएगी।

कानून व्यवस्था में उनके परिवारों का जो हाथ था, वह घटनाएं अब नहीं होगी। उनके जमाने में दुनियां की सबसे अद्भुत सड़कें थी। ईट के शोलिंग से हाईवे बना दिए जाते थे। उनको यह सुनिश्चित करना चाहिए वह अपने गाय का दूध दुहने वाले से 5 करोड़ की जमीन नहीं लिखाएंगे।

किराना कारोबारी से 50 हजार और मोबाइल की लूट, डंडे से प्रहार कर सर फोड़ा

अररिया (हि.स.)। सिमराहा थाना क्षेत्र के औराही पूरब वार्ड संख्या एक में शनिवार की देर संध्या तीन की संख्या में बैखोफ बदमाशों ने किराना कारोबारी से नगद 50 हजार रुपये और मोबाइल लूट लिया। घटना सिमराहा थाना क्षेत्र के सिमराहा से बारा जाने वाले रास्ते में औराही पूरब वार्ड संख्या एक के समीप हुई लूटपाट के दौरान बदमाशों ने किराना कारोबारी के सर पर लाठी डंडे से प्रहार कर उनका सर भी फोड़ दिया। घायल कारोबारी घटना पश्चात किसी तरह अपने घर तक पहुंचे और लूटपाट होने की जानकारी परिजन के साथ साझा किया। जिसके बाद थाना को सूचना दी गई। घटना के संदर्भ में पीड़ित किराना कारोबारी वार्ड संख्या 12 निवासी बबलू कुमार मंडल पिता कृष्ण देव मंडल ने बताया कि सिमराहा मिडिल स्कूल के समीप उनका किराना का दुकान है। दुकान बंद करके मोटरसाइकिल से वह आपने घर की ओर जा रहा था कि इसी क्रम में औराही पूरब वार्ड संख्या एक के समीप तीन बदमाशों ने मोटरसाइकिल रोक मोटरसाइकिल से कॉलर पकड़ कर उतार दिया और पैसा मांगना शुरू कर दिया।पैसा नहीं देने पर मेरा सर लाठी डंडा मार कर फोड़ दिया और मेरे पास से 50 हजार और मेरा मोबाइल छीनकर फरार हो गया। पीड़ित कारोबारी ने सिमराहा थाना में आवेदन देकर पुलिस से कार्रवाई करने की मांग की है। थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी माधुरी कुमारी ने कहा कि किराना कारोबारी ने लूट की जानकारी दी है। पुलिस अपराधियों के पहचान में जुटी हुई है।अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हिंडनबर्ग के आरोपों के बाद सोमवार को शेयर बाजार पर क्या होगा असर?

नई दिल्ली। अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने आरोप लगाया है कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच की अडानी समूह के कथित धन शोधन घोटाले में उपयोग की गईं विदेशी कंपनियों में हिस्सेदारी थी। हिंडनबर्ग ने कहा कि सेबी ने अडानी समूह के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की बल्कि अमेरिकी शॉर्ट सेलर को ही कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। इस मामले में शेयर बाजार विश्लेषकों का कहना है कि हिंडनबर्ग द्वारा सेबी प्रमुख माधबी और उनके पति धवल बुच पर लगाए आरोपों पर बाजार प्रतिक्रिया तो करेगा, लेकिन बड़ा असर नहीं होगा। उनका मानना है कि ये आरोप केवल आरोप हैं, कुछ सिद्ध नहीं हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन आरोपों का शेयर बाजार में मामूली प्रभाव तो हो सकता है, लेकिन बाजार में बड़ी हलचल यह हिंडनबर्ग के आरोप पैदा कर देगी, ऐसी आशंका अत्यधिक कम है। यह

जानकार बोले-बाजार में बड़ी हलचल की आशंका कम है, दहशत जैसी स्थिति जरूर बन सकती है!

सेबी के आंतरिक संचालन और कर्मचारी अनुपालन से संबंधित मामला है। बाजार परिपक्व और कोई दहशत जैसी स्थिति पैदा नहीं होगी। एक रिपोर्ट की मानें तो बाजार रिएक्ट तो करेगा लेकिन साथ ही दूसरे निवेशकों के लिए मौके भी बना सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार ये आरोप मौजूदा सेबी प्रमुख के खिलाफ हैं। हालांकि बाजार में तेजी से सुधार भी आ सकता है। समस्या तभी पैदा होगी जब सेबी अध्यक्ष बुच की इन आरोपों के चलते छुट्टी कर दे। आईसीआईसीआई बैंक में चंदा कोचर के मामले ऐसा देखा गया था। इक्विनॉमिक्स रिसर्च के एक शोधकर्ता का भी मानना है कि हिंडनबर्ग ने जो कहा है वह, केवल आरोप हैं और वे ऐसी रिपोर्टों पर विश्वास नहीं करते हैं। उन्होंने सोमवार को शेयर बाजार के स्थिर रहने की संभावना जताई है। अल्फानिटी फिनटेक के एक विश्लेषक ने कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए आरोपों का वैसा प्रभाव पड़ने की संभावना बहुत कम है, जैसी अडानी पर आई रिपोर्ट पर हुआ था। हिंडनबर्ग के आरोपों का बाजार की धारणा पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। आरोप अप्रत्यक्ष हैं और इसका ज्यादा मतलब नहीं है। किसी भी तरह की शुरुआती प्रतिक्रिया के बाद बाजार में फिर से तेजी आएगी।

न्यूज ब्रीफ

वाहनों में फैंसी नंबर प्लेट्स लगाना होगा महंगा, 28 फीसदी जीएसटी लगाने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। वाहनों में पसंदीदा नंबर प्लेट्स लगवाना जल्द ही महंगा हो सकता है, क्योंकि सरकार फैंसी नंबर प्लेट्स पर 28 फीसदी की जीएसटी दर लागू करने पर विचार कर रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस प्रस्ताव को वित्त मंत्रालय के पास भेजा गया है, जिसमें पूछा गया है कि क्या फैंसी नंबर या नंबर ऑफ चॉइस को लग्जरी आइटम के रूप में मानकर उस पर उच्चतम जीएसटी दर लगाना उचित है। सूत्रों के अनुसार फील्ड फॉर्मेशंस ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडाइरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) को पत्र लिखकर यह स्पष्ट करने को कहा है कि क्या फैंसी नंबर प्लेट्स पर जीएसटी की देनदारी बनती है। फील्ड फॉर्मेशंस का कहना है कि फैंसी नंबर प्लेट्स लग्जरी आइटम हैं और इस पर 28 फीसदी की जीएसटी दर लागू होनी चाहिए। वाहनों में नंबर प्लेट या रजिस्ट्रेशन प्लेट देने का काम राज्य सरकार के प्राधिकरणों का होता है। फैंसी नंबर देने के लिए राज्य सरकारें नीलामी करती हैं, जिसके लिए अलग से शुल्क का भुगतान करना पड़ता है। कई बार फैंसी नंबर की नीलामी लाखों रुपए में होती है और लोग अपनी गाड़ियों में फैंसी नंबर लगवाने के लिए लाखों रुपए खर्च भी करते हैं। फील्ड फॉर्मेशंस सभी राज्यों और जोन में स्थित केंद्र सरकार के दफ्तर होते हैं, जो टैक्स कलेक्शन के लिए जिम्मेदार होते हैं। टैक्स कलेक्शन के अलावा फील्ड फॉर्मेशंस के पास टैक्स से जुड़े नियमों को लागू कराने की भी जिम्मेदारी होती है और वही टैक्सपेयर्स के साथ बात भी करते हैं। अगर फील्ड फॉर्मेशंस की बात मानी गई तो जल्दी ही फैंसी नंबर के लिए लोगों का खर्च बढ़ सकता है।

घरेलू खाद्य बाजार बढ़कर 1,274 अरब डॉलर पहुंच सकता है : रिपोर्ट

नई दिल्ली। घरेलू खाद्य बाजार के 2027 तक 47 प्रतिशत से बढ़कर 1,274 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है। उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में अत्याधुनिक तकनीक के साथ नवाचारी स्टार्टअप उभर रहे हैं। भारत में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र दक्षिणी राज्यों के लिए संभावनाएं शीर्षक वाली रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु भारत के प्रसंस्कृत फलों, जूस और मेवों के निर्यात में सबसे आगे है। राज्य की मात्रा के हिसाब से 33 प्रतिशत और मूल्य के हिसाब से 27 प्रतिशत हिस्सेदारी है। अध्ययन में उभरते रुझानों, प्रौद्योगिकियों और निर्यात अवसरों के बारे में विचार किया गया है। सीआईआई नेशनल काउंसिल फॉर कोल्ड चेन एंड एग्री लॉजिस्टिक्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस वृद्धि को रफ़्तार देने में प्रौद्योगिकी अग्रणी भूमिका निभाएगी।

अरबिंदो फार्मा का मुनाफा पहली तिमाही में 61 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। अरबिंदो फार्मा का जून 2024 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका मुनाफा सालाना आधार पर 61 प्रतिशत बढ़कर 919 करोड़ रुपये हो गया। हैदराबाद स्थित दवा विनिर्माता ने पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 571 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। कंपनी ने एक बयान में कहा कि जून तिमाही में परिचालन आय बढ़कर 7,567 करोड़ रुपये हो गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 6,851 करोड़ रुपये थी। अरबिंदो फार्मा के एक अधिकारी ने कहा कि हम इस तिमाही में अपने लगातार मजबूत प्रदर्शन से खुश हैं, जिसमें हमारे सभी व्यावसायिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय आय वृद्धि हुई है।

सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस और एलआईसी को हुआ

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केट कैप 1.66 लाख करोड़ घटा

मुंबई। पिछले सप्ताह सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंपनियों में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में संयुक्त रूप से 1,66,954.07 करोड़ रुपये की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इनमें सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को हुआ। देश की प्रमुख कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) का बाजार पूंजीकरण 33,930.56 करोड़ रुपये घटकर 19,94,765.01 करोड़ रुपये रह गया। इस तरह रिलायंस की बीते हफ्ते शीर्ष 10 कंपनियों में से सर्वाधिक नुकसान हुआ। पिछले हफ्ते देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी के बाजार मूल्यांकन में 30,676.24 करोड़ रुपये घटकर 7,17,001.74 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 21,151.33 करोड़ रुपये घटकर 7,35,566.52 करोड़ रुपये, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 20,973.19 करोड़ रुपये घटकर 7,35,277.28 करोड़ रुपये, टाटा समूह की आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 19,157.77 करोड़ रुपये घटकर 15,30,469.11 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 16,993.56 करोड़ रुपये घटकर 8,33,396.32 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 16,975.55 करोड़ रुपये घटकर 8,25,201.23 करोड़ रुपये और निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 7,095.87 करोड़ रुपये घटकर 12,56,505.53 करोड़ रुपये रह गया। हालांकि, हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 12,946.24 करोड़ रुपये बढ़कर 6,45,808.65 करोड़ रुपये, आईटीसी का मूल्यांकन भी 8,406.26 करोड़ रुपये बढ़कर 6,19,829.37 करोड़ रुपये हो गया। पिछले हफ्ते बड़ा नुकसान उठाने के बावजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज ने देश की सबसे मूल्यवान कंपनी का खिताब बरकरार रखा है। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इन्फोसिस, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

वृहद-आर्थिक आंकड़े, कंपनी परिणाम तय करेंगे बाजार की चाल: विश्लेषक

मुंबई। इस सप्ताह वृहद-आर्थिक आंकड़े, कंपनियों के जून तिमाही के परिणाम, जुलाई की थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़ों और वैश्विक रुझान से शेयर बाजार की चाल तय होगी। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की व्यापारिक गतिविधि भी बाजार में गतिविधियों को निर्धारित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस सप्ताह चार दिन ही कारोबार होगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार विश्लेषक ने कहा कि इस सप्ताह सबका ध्यान वैश्विक बाजारों पर रहेगा क्योंकि हम स्थिरता की लंबी अवधि के बाद कमजोरी का असर देख सकते हैं। भारतीय इक्विटी बाजार में भी इस सप्ताह कुछ हद तक स्तर बनाए रखने की स्थिति से जूझ सकते हैं। बाजार के ऊंचे मूल्यांकन के अलावा भू-राजनीतिक तनाव भी बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर अप्रैल-जून तिमाही के लिए कंपनियों के वित्तीय नतीजों का अंतिम दौर इस सप्ताह खास शेयरों की दिशा तय करेंगे। इस सप्ताह हीरो मोटोकॉर्प और हिंडाल्को जैसी कुछ बड़ी कंपनियों के नतीजे आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि संस्थागत प्रवाह भी बाजार की गतिशीलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वोडाफोन आइडिया, एनएमडीसी, आईआरसीटीसी, एसजेवीएन और पीसी ज्वैलर भी सप्ताह के दौरान अपनी तिमाही आय की घोषणा करेंगे। व्यापक आर्थिक मोर्चे पर सोमवार को जून के औद्योगिक उत्पादन आंकड़े और जुलाई की खुदरा मुद्रास्फीति दर की घोषणा की जाएगी। थोक मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति का आंकड़ा बुधवार को जारी किया जाएगा। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस सप्ताह आने वाले भारतीय मुद्रास्फीति के आंकड़ों के अलावा वैश्विक बाजार घरेलू बाजार की दिशा तय करेंगे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे

एचसीएल सॉफ्टवेयर कंपनी को 2.4 करोड़ यूरो में खरीदेगी जीनिया

नई दिल्ली। एचसीएलटेक के सॉफ्टवेयर कारोबार अनुभाग एचसीएल सॉफ्टवेयर ने 2.4 करोड़ यूरो (लगभग 218 करोड़ रुपये) में डेटा कैटलॉग और संचालन समाधान देने वाली पेरिस की कंपनी जीनिया का अधिग्रहण करने की घोषणा की। यह अधिग्रहण सितंबर 2024 में पूरा हो सकता है।

एचसीएल सॉफ्टवेयर इस अधिग्रहण के जरिये अपने डेटा ऐंड एनालिटिक्स कारोबार (ऐक्शन) को बढ़ाएगी। एचसीएल सॉफ्टवेयर ऐक्शन डेटा प्लेटफॉर्म ने पिछले कुछ वर्षों के दौरान हाइब्रिड डेटा प्रबंधन और एकीकरण में जोरदार वृद्धि देखी है। कंपनी ने कहा कि मेटाडेटा प्रबंधन, डेटा कैटलॉग और संचालन क्षमताओं को जोड़ने से ग्राहक डेटा प्लेटफॉर्म की इन क्षमताओं का उपयोग करने में सक्षम होंगे। एचसीएल सॉफ्टवेयर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमारे ग्राहकों के लिए कारोबारी कार्यों में अपनी जेनएआई पहलों को बढ़ावा देने के मामले में मेटाडेटा प्रबंधन महत्वपूर्ण होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे एचसीएल सॉफ्टवेयर एकीकृत डेटा इंटेलिजेंस समाधान कर सकेगी।

सिग्नेचर ग्लोबल का कर्ज जून तिमाही में 16 फीसदी घटा

नई दिल्ली। रियल्टी फर्म सिग्नेचर ग्लोबल का कर्ज जून तिमाही में 16 फीसदी कम होकर 980 करोड़ रुपये रह गया है। कंपनी ने कहा कि आवासीय परियोजनाओं में मजबूत बिक्री के बीच बेहतर नकदी प्रवाह की वजह से कर्ज में कमी आई है। कंपनी ने जून तिमाही के लिए अपनी ताजा निवेशक प्रस्तुति में बताया कि पिछले माह 30 जून तक उसका कर्ज 980 करोड़ रुपये था, जबकि पिछले वित्त वर्ष के आखिर में यह 1,160 करोड़ रुपये था। प्रस्तुति में कहा गया कि कंपनी का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में कर्ज को अनुमानित परिचालन अधिशेष के 0.5 गुना से कम पर रखना है। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि पहली तिमाही में वार्षिक पूर्व-बिक्री लक्ष्य का 30 प्रतिशत हासिल कर लिया गया है।

जून तिमाही में कोयला आयात बढ़कर 7.52 करोड़ टन रहा

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत का कोयला आयात 5.7 प्रतिशत बढ़कर 7.52 करोड़ टन हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 7.11 करोड़ टन कोयला आयात हुआ था। ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के जुटाए आंकड़ों के मुताबिक जून में देश का कोयला आयात भी 6.59 प्रतिशत बढ़कर 2.29 करोड़ टन रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 2.15 करोड़ टन कोयला आयात हुआ था। जून 2024 के दौरान कुल आयात में से गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.41 करोड़ टन रहा, जो पिछले साल जून में आयात किए गए 1.32 करोड़ टन से अधिक है। कोकिंग कोयले का आयात 54.5 लाख टन रहा, जबकि जून 2023 में 53.3 लाख टन आयात किया गया था।अप्रैल-जून तिमाही में गैर-कोकिंग कोयले का आयात 4.91 करोड़ टन रहा, जो पिछले साल इसी अवधि में आयात किए गए 4.65 करोड़ टन से अधिक है।

अप्रैल-जून तिमाही में कोकिंग कोयले का आयात 1.54 करोड़ टन रहा, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 1.52 करोड़ टन था। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का कोयला आयात 7.7 प्रतिशत बढ़कर 26.82 करोड़ टन हो गया था जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में देश का कोयला आयात 24.90 करोड़ टन था। घरेलू कोयला उत्पादन पिछले वित्त वर्ष में 11.71 प्रतिशत बढ़कर 99.78 करोड़ टन हो गया, जबकि 2022-23 में यह 89.31 करोड़ टन था।

देश में 10,000-20,000 रुपये कीमत वाले स्मार्टफोन की मांग ज्यादा: इन्फिनिक्स इंडिया

लखनऊ। देश के स्मार्टफोन उद्योग में 10,000-20,000 रुपये की कीमत वाले मोबाइल फोन का दबदबा बरकरार है, जो कुल बाजार आकार का 40 प्रतिशत से अधिक है। इन्फिनिक्स इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। अधिकारी ने कहा कि हाल के दिनों में 5जी सक्षम हैंडसेट की मांग बढ़ी है और 10,000 रुपये से 20,000 रुपये के बीच की कीमत वाले डिवाइस की मांग अधिक देखी जा रही है, जबकि पहले 10,000 रुपये से कम कीमत वाले डिवाइस बाजार में छाए रहते थे। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों से बाजार में जो ठहराव था, वह बदल गया है और बाजार एक बार फिर से बढ़ने लगा है। उन्होंने कहा कि पहले भारत में 10,000 रुपये से कम कीमत वाले फोन का बाजार पर दबदबा था और यह करीब 35 से 40 फीसदी था। अब प्रमुख बाजार 10,000 से 20,000 रुपये की कीमत वाले मोबाइल फोन के पास चला गया है, जो करीब 43 फीसदी है। उन्होंने इस नए रुझान का श्रेय उन्नत सुविधाओं और नवीनतम तकनीक के प्रति उपयोगकर्ताओं की प्राथमिकता को दिया। फिलहाल 5जी फोन की कीमत 10,000 से 11,000 रुपये से शुरू है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश हमारे लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों ही दृष्टि से सबसे बड़े बाजारों में से एक है, और एक ब्रांड के रूप में हमारे लिए प्रतिक्रिया अभूतपूर्व रही है।

देश के तेल-तिलहन के दाम सुधार के साथ बंद हुए

सरसों तिलहन 5,975-6,015 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली। शिकागो एक्सचेंज के मजबूत बंद होने से स्थानीय कारोबारी धारणा मजबूत रही और इस बीच देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को सोयाबीन तिलहन को छोड़कर बाकी सभी तेल-तिलहन के दाम सुधार के साथ बंद हुए। डी-आयल्ड केक (डीओसी) की मांग कमजोर रहने के बीच सोयाबीन तिलहन के भाव अपरिवर्तित रहे।

सूत्रों ने कहा कि अर्जेन्टीना में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर आम मजदूरों की हड़ताल में तिलहन कामगार भी शामिल हैं जिसकी वजह से कामकाज बाधित है। इस वजह से भी बाकी तेल तिलहनों के साथ सोयाबीन तेल में सुधार है। शनिवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 5,975-6,015 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,525-6,800 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 15,650 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,335-2,635 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 11,650 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,890-1,990 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी ,890-2,015 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,225 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 9,925 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 8,550 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 8,800 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 9,525 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 10,000 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स कांडला- 9,050 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,460-4,480 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,270-4,395 रुपये प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,125 रुपये प्रति क्विंटल।

घाटे में चल रही इंडिया सीमेंट्स को बेचते ही कंपनी ने की करोड़ों की कमाई

नई दिल्ली। इंडिया सीमेंट्स ने अपना जून तिमाही का आंकड़ा पेश किया लगातार पांच तिमाहियों तक घाटे में रहने के बाद कंपनी की किस्मत बदलने लगी है। जून तिमाही में दक्षिण भारत की दिग्गज सीमेंट कंपनी इंडिया सीमेंट्स ने 57.5 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया है। पिछले साल समान तिमाही में कंपनी को 87 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। जून तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 28.5 फीसदी की गिरावट के साथ 1,027 करोड़ रुपए रहा था जो पिछले साल समान तिमाही में 1,436 करोड़ रुपए था। अल्ट्राटेक सीमेंट जल्दी ही इंडिया सीमेंट्स को टेकओवर करने वाली है। आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने हाल में इंडिया सीमेंट्स में हिस्सेदारी खरीदने के लिए प्रमोटर परिवार के साथ 3,954 करोड़ रुपए की एक डील की है।डील के मुताबिक आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट चेन्नई की कंपनी इंडिया सीमेंट्स में करीब 33फीसदी हिस्सेदारी खरीद रही है। यह डील इंडिया सीमेंट्स 390 रुपए प्रति शेयर पर होगी। यह जून में अल्ट्राटेक द्वारा खरीदी गई 23फीसदी हिस्सेदारी से अलग है। साथ ही इंडिया सीमेंट्स के पब्लिक शेयर होल्डर्स से अतिरिक्त 26फीसदी हिस्सेदारी हासिल करने अल्ट्राटेक खुली पेशकश करेगी। इस तरह कंपनी में अल्ट्राटेक का कुल निवेश 7,100 करोड़ का हो जाएगा। इससे अल्ट्राटेक को दक्षिण भारत के बाजार में अपनी धाक जमाने का मौका मिल जाएगा। इंडिया सीमेंट्स के तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और राजस्थान में प्लांट लगे हुए हैं जिनकी क्षमता 14.5 मिलियन टन है।इंडिया सीमेंट्स का प्रमोटर श्रीनिवासन परिवार है। एन श्रीनिवासन अपने पिता और कंपनी के सह-संस्थापक के 1968 में निधन के बाद इंडिया सीमेंट्स में शामिल हुए थे। अभी वह कंपनी के वाइस-चेयरमैन हैं। श्रीनिवासन उम्र के चलते स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

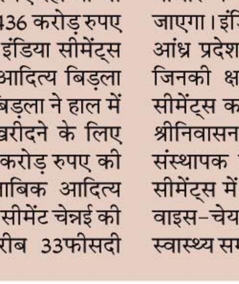

अजय देवगन की शैतान की सफलता के बाद इसके सीक्वल की अटकलें तेज

- स्क्रिप्ट फाइनल होते ही फिल्म की घोषणा कर दी जाएगी

मुंबई (ईएमएस)। अजय देवगन और आर माधवन स्टारर शैतान उन कुछ बॉलीवुड फिल्मों में से एक थी, जिन्होंने साल की पहली छमाही में बॉक्स ऑफिस पर जोरदार प्रदर्शन किया। बता दें कि शैतान इस साल की तीसरी भारतीय फिल्म थी, जिसने फाइटर और हनुमान के बाद 100 करोड़ क्लब में प्रवेश कर लिया था। यह फिल्म काले जादू पर आधारित थी, इस फिल्म का निर्देशन विकास बहल ने किया था। यह गुजराती फिल्म वश की ऑफिशियल रीमेक थी। वहीं फिल्म की रिलीज के बाद से ही इसके सीक्वल को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। अब इन अटकलों पर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक शैतान के सीक्वल शैतान 2 की तैयारी शुरू हो चुकी है। फिलहाल इसकी स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। यह जानकारी अजय देवगन की दो बैक-टू-बैक रिलीज फिल्मों मैदान और औरों में कहां दम था के खराब प्रदर्शन के बीच आई है। बताया जा रहा है कि स्क्रिप्ट फाइनल होते ही फिल्म की घोषणा कर दी जाएगी। शैतान 2 की राइटिंग पर काम शुरू हो चुका है। एक बार स्क्रिप्ट तय हो जाने के बाद, अजय देवगन के साथ निमार्ता यह तय करेंगे कि फिल्म कब फ्लोर पर आनी चाहिए। पहला भाग साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक था और इसे काफी सराहा गया था। इसलिए, वे स्पष्ट हैं कि वे स्क्रिप्ट को सही करने के लिए अपना समय लेंगे। उसके बाद ही वे आगे बढ़ेंगे। पिछले कुछ समय से शैतान 2 के बारे में खबरें आ रही हैं। कुछ लोगों ने तो यह भी तर्क दिया कि फिल्म के पहले भाग का अंत सुपरनैचुरल थ्रिलर की दूसरी किस्त के लिए तैयार है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर इस बारे में बात करते हुए निर्देशक विकास बहल ने कहा कि फिल्म की शूटिंग 40 दिनों में पूरी हुई है। हमारे दिमाग में पार्ट 2 भी तैयार है।

फिल्मों में कम, सोशल मीडिया पर ज्यादा चर्चा में रहती है अनन्या

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री अनन्या पांडे फिल्मों में कम नजर आती हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर वे हमेशा चर्चा में रहती हैं। हाल ही में, वे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में शामिल हुईं। इस शादी में वे वॉकर ब्लैंको के साथ दिखीं, जिससे उनके नए रिलेशनशिप को लेकर चचाएं शुरू हो गईं। बता दें, वॉकर ब्लैंको अमेरिका के शिकागो, इलिनोइस के निवासी हैं। उन्होंने अपनी ज्यादातर जिंदगी मियामी और फ्लोरिडा में बिताई है। उन्होंने फ्लोरिडा के वेस्टमिंस्टर क्रिश्चियन स्कूल से अपनी शिक्षा पूरी की है। वॉकर ब्लैंको सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और उनकी पोस्ट में जानवरों से जुड़ी कई तस्वीरें देखने को मिलती हैं, जैसे कि सांप, तोते और मगरमच्छ। इसके अलावा, वे ट्रैवलिंग के भी शौकीन हैं और अपने इंस्टाग्राम पर स्कूबा डा-इविंग, यॉट की सवारी, सनसेट और बीच की तस्वीरें साझा करते रहते हैं। वॉकर ब्लैंको एक पूर्व मॉडल हैं और रिपोर्ट्स के अनुसार, अब वे जामनगर के वंतारा में अंबानी के साथ काम कर रहे हैं। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि वे भारत में नौकरी के लिए हैं या किसी अन्य वजह से यहां आए हैं। ऐसा लगता है कि अनन्या पांडे को अब नया प्यार मिल गया है और उनकी निजी जिंदगी के नए चैप्टर पर सबकी निगाहें हैं। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे की निजी जिंदगी अक्सर चर्चा में रहती है। इस बार चर्चा का केंद्र उनके नए रूमर्ड बॉयफ्रेंड वॉकर ब्लैंको हैं। पहले एक्ट्रेस का नाम एक्टर आदित्य राय कपूर के साथ जुड़ा था, लेकिन हाल ही में दोनों के ब्रेकअप की खबरें आ-ईं। अब उनका नाम वॉकर ब्लैंको के साथ जोड़ा जा रहा है।

मीनाक्षी ने बताया- महिला कलाकारों की तुलना में पुरुषों का कॅरियर क्यों होता है लंबा

-दामिनी, हीरो और घातक जैसी फिल्मों में किया है यादगार अभिनय

मुंबई (ईएमएस)। मशहूर एक्ट्रेस मीनाक्षी शेषाद्री और उनके समकालिन अभिनेत्रियों का जलवा अब खत्म हो चुका है। अब इन डिफरेंसेस पर मीनाक्षी ने अपना रिएक्शन दिया और बताया कि ऐसा क्यों हुआ। एक इंटरव्यू में मीनाक्षी शेषाद्री ने इस बारे में खुल कर बात की। उन्होंने इस बात जोर दिया कि पुरुष कलाकारों का इंडस्ट्री में अपनी समकालिन फीमेल कालाकारों की तुलना में लंबा करियर क्यों होता है? अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र और जीतेंद्र जैसे अभिनेता अपने बुढ़ापे में भी इंडस्ट्री में सक्रिय क्यों हैं? मीनाक्षी शेषाद्री इन सवालों का जवाब देते हुए, उन्हें (अभिनेताओं) महिला कलाकारों की तरह समान चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ता है, जैसे कि बेबी बर्थ, प्रेग्नेंसी या बच्चे के पालन-पोषण की जिम्मेदारियां आदि। मीनाक्षी ने कहा, ह्यउन्हें बच्चे के पैदा करना, प्रेग्नेंसी या बच्चों की परवरिश के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं होती है। ऐसी जिम्मेदारियां अक्सर महिलाओं पर आती हैं। शेषाद्री का मानना है कि ये यही कारण आपको बताते हैं कि आज भी इंडस्ट्री में धर्मेंद्र, जीतेंद्र और अमिताभ बच्चन जैसे महान दिग्गज सक्रिय क्यों हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लोग इन अभिनेताओं की सराहना करना जारी रखते हैं, जो एक महत्वपूर्ण कारक है। बता दें कि मीनाक्षी शेषाद्री ने बैंकर हरीश मैसूर नामक संग शादी कर अमेरिका में बस गई थीं। उन्होंने फिल्मों से संन्यास ले लिया था। अब 27 साल के अंतराल के बाद वह अभिनय में वापसी की तैयारी कर रही हैं। 60 साल की हो चुकीं मीनाक्षी शेषाद्री दामिनी, हीरो और घातक जैसी फिल्मों में अपनी यादगार भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं। 1980 और 1990 के दशक मीनाक्षी काफी महंगी एक्ट्रेस थीं। अपने उस दौर के उन्होंने टॉप अभिनेताओं संग रोमांस किया था। इसमें अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, जीतेंद्र, शत्रुघ्न सिन्हा, जैकी श्रॉफ, सनी देओल, ऋषि कपूर, राजेश खन्ना और विनोद खन्ना जैसे सुपरस्टार शामिल हैं। मीनाक्षी संग रोमांस कर इन सुपस्टार्स में कुछ अभी भी फिल्मों में काम कर रहे हैं।

पुष्पा 2 का क्लाइमैक्स श्रीलंका में शूट होगा

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन पुष्पा 2: द रूल की शूटिंग में व्यस्त हैं। हर किसी को इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। निमार्ता भी अल्लू अर्जुन की फिल्म को बनाने में कोई भी कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इस बीच पुष्पा 2 को लेकर लेटेस्ट अपडेट आया है। इसमें बताया जा रहा है कि अल्लू अर्जुन की फिल्म के कुछ एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के लिए मेकर्स ने लोकेशन ढूंढ लिया है। हाल ही में मेकर्स ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए बताया कि पुष्पा 2: द रूल के क्लाइमैक्स की शूटिंग चल रही है। फिल्म के कुछ खास एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग श्रीलंका में होगी। खबर है कि हैदराबाद श-ेड्यूल की शूटिंग खत्म करने के बाद अल्लू अर्जुन पुष्पा 2: द रूल टीम शूटिंग के साथ श्रीलंका के जंगलों में शूट करेंगे। सोर्स ने कहा, सितंबर के महीने में फिल्म की शूटिंग श्रीलंका के जंगलों में होगी, जिसमें अल्लू के साथ अन्य कैरेक्टर्स के कुछ सीन्स शूट किए जाएंगे. इसके साथ ही कुछ एक्शन सीन्स को भी फिल्माया जाएगा।

फिल्म कंगुवा का ट्रेलर 12 अगस्त को होगा रिलीज, मेकर्स ने पोस्टर शेयर कर की घोषणा

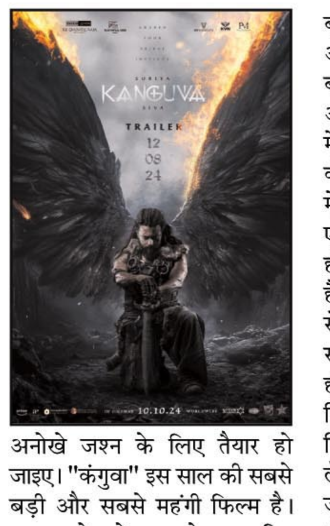

स्टूडियो ग्रीन द्वारा प्रोड्यूस, सूर्या स्टा-रर "कंगुवा" इस साल की एक बड़ी फिल्म है। दिलचस्प पोस्टर और रोमांचक 'फायर सॉन्ग' से ध्यान आकर्षित करने के बाद, फैंस का इंतजार लगभग खत्म हो गया है। शिवा द्वारा डायरेक्टेड, कंगुवा का मच अवेटेड ट्रेलर 12 अगस्त को रिलीज किया जाएगा। फिल्म की बड़ी रिलीज से पहले ही यह काफी उत्साह पैदा करने वाला है। "कंगुवा" के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक नया पोस्टर शेयर किया है और इसके साथ ही फिल्म के मच अवेटेड ट्रेलर रिलीज की तारीख की घोषणा की है। पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है- "इंतजार हुआ खत्म! जीत का समय करीब आ रहा है। एक अनोखे जश्न के लिए तैयार हो जाइए। "कंगुवा" इस साल की सबसे बड़ी और सबसे महंगी फिल्म है। 350 करोड़ से ज्यादा के अनुमानित बजट के साथ यह 'पुष्पा', 'सिंघम' और कई दूसरी बड़ी फिल्मों से भी बड़ी है। फिल्म की शूटिंग अलग-अलग कॉन्टिनेंट्स के 7 अलग देशों में की गई है। यह प्रीहिस्टोरिक पीरियड को दिखाने वाली अनोखी फिल्म है। मेकर्स ने टेक्निकल डिपार्टमेंट जैसे एक्शन और सिनेमेटोग्राफी के लिए हॉलीवुड एक्सपर्ट्स को हायर किया है। फिल्म में कुल 10 हजार लोगों से ज्यादा के साथ शूट किया गया, सबसे बड़ा वॉर सीक्वेंस भी है। इतना ही नहीं, स्टूडियो ग्रीन ने टॉप डिस्ट्रीब्यूशन हाउसेज के साथ हाथ मिलाया है, ताकि फिल्म को बड़े लेवल पर दुनिया भर में रिलीज किया जा सके। फिल्म 10 अक्टूबर 2024 को रिलीज करने की तैयारी है।

एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर का पुराना इंटरव्यू काफी चर्चा में

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर का एक पुराना इंटरव्यू इन दिनों काफी चर्चा में है, जिसमें उन्होंने विराट कोहली के लिए अपने प्यार का इजहार किया था। एक्ट्रेस ने उस इंटरव्यू में बताया था कि एक समय पर विराट कोहली उनके क्रश हुआ करते थे। इस पुराने बयान को हाल ही में एक सोशल मीडिया हैंडल ने शेयर किया, जिसमें मृणाल ठाकुर और विराट कोहली की तस्वीर के साथ लिखा गया था, विराट कोहली को मैं पागलों की तरह चाहती हूं। जैसे ही यह पोस्ट वायरल हुआ, मृणाल ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, स्टॉप इट, ओके। एक्ट्रेस ने यह कमेंट इसलिए किया ताकि लोग उन्हें गलत तरीके से न समझें और उनके पुराने बयान को लेकर कोई गलतफहमी न पैदा हो। उनका यह बयान अब खूब सुर्खियों में है।मृणाल ठाकुर के वर्कफ्रंट की बात करें तो, वे जल्द ही फिल्म कल्कि 2898 एडी में प्रभास के साथ नजर आएंगी।

कई सितारों ने कैंसर से जूझ रही हिना खान का बढाया हौंसला

टीवी और फिल्म जगत के कई सितारों ने सामने आकर कैंसर से जूझ रही एक्ट्रेस हिना खान का हौसला बढ़ाया। अब इस लिस्ट में हिना खान के ऑनस्क्रीन पति करण मेहरा का नाम भी जुड़ गया है। करण मेहरा ने शो ये रिश्ता क्या कहलाता है में हिना खगन के पति नैतिक का रोल निभाया था। करण मेहरा ने कैंसर के खिलाफ एक्ट्रेस की लड़ाई पर बात करते हुए उन्हें बेहद बहादुर बताया है। वह बहुत साहस के साथ कैंसर से लड़ रही हैं जो हम सबने देखा है। भगवान उनकी शक्ति दे। करण मेहरा से पहले हिना खान की ऑनस्क्रीन बेटी शिवांगी जोशी ने भी बीमारी से लड़ने में उनका साथ दिया था। एक्ट्रेस ने हिना खान का हौसला अफजाई करते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने हिना खान को फाइटर करार देते हुए कहा कि वह आज भी एक्ट्रेस के साथ टच में हैं और वह जल्द ही हिना खान से मिलने के बारे में विचार कर रही हैं।

सिंह इज किंग के 16 साल हुए पूरे

सनशाइन पिक्चर्स ने अपने ऑफिशियल हैंडल पर सिंह इज किंग के 16 साल पूरे होने पर एक मोशन वीडियो पोस्ट किया है। सिंह इज किंग अपने ह्यूमर, यादगार सीन्स और जानदार म्यूजिक के लिए जानी जाती है। यह फिल्म अपने रिलीज के साल फैंस की पसंदीदा बन गई और बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल करते हुए इसने दुनिया भर में 122.7 करोड़ रुपये की कमाई अपने नाम की थी। फिल्म में अक्षय कुमार, कैटरीना कैफ, ओम पुरी, किरण खेर, रणवीर शौरी, नेहा धूपिया और सोनू सूद सहित कई बेहतरीन कलाकार शामिल थे। सिंह इज किंग में कई हिट गाने थे। टाइटल ट्रैक सिंह इज किंग से लेकर जी करदा, बस एक किंग, तेरी ओर, भूतनी के और टल्ली हुआ तक, हर गाने का अपना अलग अंदाज था। फिल्म के टाइटल ट्रैक में स्नूप डॉग का कैमियो था और इसमें आरडीबी भी थे। बस एक किंग गाने में मीका सिंह और हार्ड कौर भी थे। इस तरह से फिल्म का साउंडट्रैक साल का तीसरा सबसे ज्यादा बिकने वाला एल्बम था।

बता दें कि आज अनीस बज्मी द्वारा डायरेक्टेड और विपुल अमृतलाल शाह द्वारा प्रोड्यूस फिल्म सिंह इज किंग की 16वीं एनिवर्सरी है। यह 2000 के दशक के अंत में एक बड़ी हिट थी और दर्शकों पर इस्-ाका जबरदस्त असर देखने मिला था।

वेदा का नया गाना 'जरूरत से ज्यादा' हुआ रिलीज

तमन्ना भाटिया और जॉन अब्राहम अभिनीत फिल्म वेदा का नया गाना 'जरूरत से ज्यादा' रिलीज हो गया है। इसे अमाल मलिक ने कॉम्पोज किया है और अरिजीत सिंह ने दिल छू लेने वाली आवाज दी है। दर्शकों के बीच इंस्टेंट हिट साबित हुआ है। कुणाल वर्मा द्वारा लिखे गए लिरिक्स, रोमांटिक और इमोशन से भरे हुए हैं, जो 'वेदा' में लव स्टोरी को बढ़ाते हैं। तमन्ना के फैंस जॉन के साथ उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री की प्रशंसा करना बंद नहीं कर रहे हैं। कई लोगों ने बताया है कि वे 15 अगस्त को रिलीज होने वाली फिल्म में उन्हें और अधिक देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

जॉन अब्राहम ने कहा कि जरूरत से ज्यादा' वेदा में एक सोल जोड़ता है, जो मेरे किरदार के इमोशनल और रोमांटिक साइड को सामने लाता है। यह एक ऐसा गाना है, जो प्यार को उसके प्योर फॉर्म में दशार्ता है, जिससे पता चलता है कि फिल्म सिर्फ एक्शन के बारे में नहीं है बल्कि प्यार के बारे में भी है। जॉन के बारे में बताते हुए तमन्ना भाटिया ने शेयर किया कि जॉन के साथ पहली बार काम करना एक शानदार अनुभव था, रोल के लिए उनके डेडिकेशन ने हमारी केमिस्ट्री को और भी खास बना दिया। यह गाना प्यार और यादों से भरी एक यात्रा है। मुझे विश्वास है कि यह गाने से सभी लोग कनैक्ट करेंगे। निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित और असीम अरोड़ा द्वारा लिखित 'वेदा' जी स्टूडियोज, उमेश कुमार बंसल, मोनिशा आडवाणी, मधु भोजवानी, जॉन अब्राहम द्वारा निर्मित और मिन्नाक्षी दास द्वारा सह-निर्मित है। यह 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

सूडोकु नवताल- 6881

★★★★☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6880 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7628

ब्रा	य	न	ला	रा	द	जै	क्स	का	लि	स
दा	वि	ल	ग	व	रा	हु	ल	द्र	वि	ड़
गि	म	हे	ला	ज	य	व	र्ध	ने	क	क
री	इं	र	स	चि	न	तें	दु	ल	क	र
मै	खु	ज	कु	लू	लं	का	यु	ग	व	ए
थ्यू	द	ल	मा	य	ख	पू	व	हि	र	ड
हे	लो	म	र	म	प	र	रा	र	र	म
ड	र्ज	ल्जा	सं	धा	उ	क	ज	लो	श	गि
न	बा	म	ग	ब्रा	ह	ल	सिं	श	प	ल
तें	दु	आ	का	व	जी	र्त	ह	बें	हा	क्रि
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	गा	य	क	प	स्ट

शब्द जाल में 10 शीर्ष बल्लेबाजों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

सचिन तेंदुलकर, ब्रायन लारा, एडम गिलक्रिस्ट, राहुल द्रविड़, मैथ्यू हैडन, महेला जयवर्धने, इंजमाम उल हक, कुमार संगकारा, जैक्स कालिस, युवराज सिंह

शब्दजाल - 7627 का हल

श	रा	आ	स्ट्रे	लि	या	ह	ट	झ	क	अ
छ	क	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	मे
ट	र	ना	झि	दा	इ	सिं	बे	ला	ल	रि
प	म	दा	ड्र	ल	क	डे	हा	दा	र	का
व	रा	र	ष	हा	मि	री	ने	स	र	ट
ह	ह	प	व	पे	ह	ला	ती	शि	न	ती
भा	र	त	अं	रू	स	ट	ह	ला	या	क
बा	जी	वा	ला	क	छ	सौ	न	कों	जू	ट
स	थो	तें	ब्रा	जी	ल	दा	ने	गो	र	द
र	ल	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
ची	न	पा	ह	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6581

1	2		4		6	
	21	1	36		39	
3		4			1	2
	36		30		26	
5	6		1	2		4
	48	6	32		22	
			4		2	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6580 का हल

1	6	7	3	4	2	5
6	32	2	31	3	32	1
2	3	5	1	6	7	4
4	27	4	26	1	39	6
5	1	3	4	2	6	7
7	33	6	32	7	38	3
3	7	1	4	5	6	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

अरशद–नीरज के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा फायदेमंद : रजा

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पीसीबी प्रमुख रहे रमीज राजा ने कहा है कि पाक भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम और भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के बीच प्रतिद्वंद्विता होना अच्छी बात है। अरशद ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण जीता है जकि नीरज को रजत पदक मिला है। इन दोनो ही शीर्ष खिलाड़ियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा की रमीज ने प्रशंसा की है।

उन्होंने कहा कि दोनो ही स्टार खिलाड़ी हैं और उनके बीच इसी तरह से प्रतिस्पर्धा जारी रहनी चाहिये। अरशद जहां पाक की ओर से ओलंपिक के व्यक्तिगत वर्ग में स्वर्ण जीतने वाले पहले खिलाड़ी हैं। वहीं नीरज भी ओलंपिक और विश्वचैम्पियनशित के स्वर्ण विजेता हैं। रमीज ने कहा कि जिस प्रकार इस ओलंपिक में अरशद ने एक छोटे से गांव से निकलकर ओलंपिक में जीत दर्ज की है उसकी जितनी प्रशंसा करें वह कम है। साथ ही कहा कि ये उनके लिए एक बड़ी जीत है। इसमें सबसे अहम ये है कि अरशद का स्वभाव बेहद शांत है उसने न कोई ज्यादा उत्साह दिखाया न वह मुकाबले से पहले चिन्तित नजर आया। वह दयालु दिखते के अलावा कठोर भी रहा। उनके अंदर जो गुस्सा था। वह उनके थ्रो में दिखाई दे रहा था। राजा ने इसके साथ ही नीरज की खेल भावना की भी जमकर प्रशंसा की। साथ ही कहा कह नीरज इतनी सफलता के बाद भी जमीन से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि नीरज उस दिन एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ थे। जो उनसे बेहतर साबित हुआ। उन्होंने कहा कि दोनो ही देखों के बीच खेल मुकाबले होने चाहिये। उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि राजनीतिक तनाव के कारण खेल मुकाबले देखने का आनंद प्रशंसकों को नहीं मिल पा रहा।

उन्होंने कहा कि प्रशंसकों को राजनीति के कारण नुकसान क्यों होना चाहिये और दोनो देशों के बीच प्रतिस्पर्धाएं होनी चाहिए। दुनिया इस प्रकार के मुकाबले देखना चाहती है। उन्होंने कहा कि मैंने पीसीबी प्रमुख के पद पर रहते हुए हमेश ही दोनो देशों के बीच क्रिकेट सीरीज शुरु करने की बात कही थी।

पेरिस ओलंपिक में भारत को नहीं मिला एक भी स्वर्ण

पेरिस। हैवीवेट महिला मुक्केबाज रीतिका हुड्डा के बाहर होने के साथ ही पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल का अभियान समाप्त हो गया है। रीतिका 76 किलो भार वर्ग में उतरी थीं जहां उन्हें क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ ही भारत के पदक जीतने की संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं। भारत को पेरिस ओलंपिक में एक रजत और पांच कांस्य सहित कुल छह पदक मिले हैं। ये पिछ्ले बार के टोक्यो ओलंपिक से भी कम है। टोक्यो में भारत को एक स्वर्ण मिला था तब उसे भाला फेंक में नीरज चोपड़ा ने ये पदक दिलाया था पर इस बार उसे एक भी स्वर्ण नहीं मिला। नीरज भाला फेंक में रहत ही जीत पाये। रीतिका को हराने वालीं किर्गिस्तान की पहलवान फाइनल में पहुंच जाती तो भारतीय पहलवान को रेपचेज दौर में मौका मिलता और एक कांस्य का अवसर रहता पर वह भी हाथ से निकल गया।

न्यूज ब्रीफ

श्रीजेश बोले मेरी जगह लेने के लिए देश में पर्याप्त प्रतिभाएं

पेरिस। ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने के साथ ही खेल से संन्यास लेने वाले स्टार गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने कहा है कि उनकी जगह लेने के लिए देश में पर्याप्त प्रतिभाएं हैं। श्रीजेश पिछले दो दशक से भारतीय टीम के गोलकीपर रहे हैं। उन्हें अपनी बेहतरीन गोलकीपिंग के कारण भारतीय गोल पोस्ट के सामने की मजबूत दीवार माना जाता है। पेरिस ओलंपिक में भी श्रीजेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम को पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। ऐसे में ये सवाल उठता है कि अब कौन उनकी जगह संभालेगा। इसी को लेकर श्रीजेश ने कहा, ''मेरे जाने से कोई खालीपन नहीं होगा। मेरी जगह कोई और बेहतर खिलाड़ी आएगा। ऐसा सभी खेलों में होता है। जिस प्रकार भारतीय क्रिकेट टीम में पहले सचिन तेंदुलकर थे। वहीं अब विराट कोहली हैं और कल कोई और उनकी जगह लेगा। इसलिए श्रीजेश की जगह कोई और आएगा। ये सिलसिला चलता रहेगा।'' उन्होंने कहा कि इतने वर्षों में उनका जीवन हॉकी के आस-पास ही घूमता रहा है और अब जब वह संन्यास ले चुके हैं तो उन्हें नहीं पता कि वे क्या करेंगे। उन्होंने कहा, ''मैं हॉकी के अलावा कुछ नहीं जानता। साल 2002 में जब मैं पहले दिन शिविर में गया था, तब से लेकर अब तक मैं उनके साथ रहा हूं।'' श्रीजेश ने आगे कहा, ''मुझे नहीं पता कि मुझे किन चीजों की कमी खलेगी, शायद जब मैं घर पहुंचू तो मुझे पता चले। हमेशा एक मजेदार माहौल होता है। जीत के बाद जश्न मनाना या हार के बाद साथ में रोना, यह मेरी जिंदगी रही है। शायद हम नहीं जानते कि इससे बाहर रहना कैसा होता है।'' श्रीजेश को भारतीय जूनियर टीम में कोच की भूमिका निभाने का प्रस्ताव मिला है और ऐसे में अब प्रशंसक उन्हें युवाओं को निखारते हुए देखेंगे।

जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए झारखंड टीम का रांची में 21 अगस्त को होगा ट्रायल

रांची। जालंधर (पंजाब) में 9 से 19 सितंबर तक होने वाली 14वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 के के लिए झारखंड टीम के चयन के लिए 21 अगस्त को ट्रायल होगा। बताया गया कि झारखंड टीम के गठन के लिए हॉकी खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 21 अगस्त को रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, मोरहाबादी में होगा। यह चयन ट्रायल 21 अगस्त को प्रातः 9 बजे से होना है। इस चयन ट्रायल में झारखंड के वे हॉकी खिलाड़ी भाग ले सकते हैं, जिनका जन्म 1 जनवरी 2005 को या उसके बाद हुआ हो। चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ी को अपने साथ पंचायत या नगर निगम से निर्गत जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, विद्यालय का बोनाफाइड प्रमाण पत्र, उम्र पात्रता प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है।

अफगानिस्तान के क्रिकेटर जनत पर आईसीसी ने प्रतिबंध लगाया, तीन अन्य खिलाड़ियों की जांच जारी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अफगानिस्तान के युवा क्रिकेटर इंशानुल्लाह जनत पर मैच फिक्सिंग के मामले में पांच साल का प्रतिबंध लगा दिया है। जनत फिक्सिंग के आरोपों की जांच में दोषी पाये गये थे। 19 साल की उम्र में पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले इंशानुल्लाह जनत उभरते हुए सलामी बल्लेबाज हैं। इस क्रिकेटर ने अब तक तीनों ही प्रारुपों में खेला है। आईसीसी के अनुसार जनत को काबुल प्रीमियर लीग के दूसरे सत्र में भ्रष्टाचार रोधी आचार संहित के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। इस कारण इस क्रिकेटर पर प्रतिबंध लगाया गया है। आईसीसी ने कहा है कि वह अफगानिस्तान के तीन और क्रिकेटरों पर लगे आरोपों की भी जांच कर रहा है। इस शीर्ष संस्था के अनुसार अब तक की जांच में पर्याप्त सबूत लग रहे हैं। साथ ही कहा कि जनत के अलावा अन्य क्रिकेटरों की भी जांच चल रही है औ इस मामले में शीघ्र ही फैसला सुनाया जाएगा। आईसीसी ने हालांकि इन क्रिकेटरों के नाम अभी सार्वजनिक नहीं किये हैं। अगर ये खिलाड़ी दोषी साबित होते हैं तो इससे अफगानिस्तान क्रिकेट की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। जनत ने 24 फरवरी 2007 को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 मैच से अपने इंटरनेशनल करियर की शुरु आत की थी।

श्रीलंका हार से उबरने के बाद टीम को तरोताजा करने की कवायद

19 सितंबर से एक बार फिर मैदान में उतरेगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम अब 19 सितंबर से एक बार फिर मैदान में नजर आयेगी। श्रीलंका दौरा के बाद टीम को तरोताजा होने के लिए करीब सवा महीने का ब्रेक मिल गया है। आमतौर पर वरिष्ठ सीनियर खिलाड़ियों को आराम देकर युवाओं को उतारा जाता है पर इस साल कार्यक्रम ऐसा है कि युवाओं को भी ब्रेक मिल गया है क्योंकि इस बीच कोई सीरीज नहीं है।

भारतीय क्रिकेट टीम अब सीधा 19 सितंबर से बांग्लादेश टीम से घरेलू सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में टीम को दो टेस्ट और तीन टी20 मैच खेलने हैं। यह टेस्ट सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में शामिल रहेगी। ऐसे में भारत के पास बांग्लादेश को हराकर अंक तालिका में बढ़त लेने कर अच्छा अवसर है। भारतीय टीम अभी अंकतालिका में पहले स्थान पर है। इस सीरीज के बाद न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर तीन मैच की टेस्ट सीरीज के लिए आएगी, यह सीरीज भी डब्ल्यूटीसी का हिस्सा रहने वाली है। इसके बाद भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका जाएगी। इस दौरे में चार मैच में टी20 सीरीज होगी। इसके बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया जाएगी। वहीं अगले साल की शुरुआत में उसे इंग्लैंड जाना है। ऐसे में देखा जाये तो 19 सितंबर से भारतीय टीम का जो कार्यक्रम है वह काफी व्यस्त है।

भारत ओर बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट- चेन्नई में 19 से 23 सितंबर तक खेला जाएगा जबकि दूसरा टेस्ट कानपुर में 27 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच होगा। इसके बाद तीन टी20 मैच धर्मशाला, दिल्ली और हैदराबाद में 6, 9 और 12 अक्टूबर को खेले जाएंगे।

इस सीरीज के बाद न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर तीन मैच की टेस्ट सीरीज के लिए आएगी, यह सीरीज भी डब्ल्यूटीसी का हिस्सा रहने वाली है। न्यूजीलैंड के भारत दौरे का आगाज 16 अक्टूबर से शुरु होगा।

इस सीरीज का पहला पहला टेस्ट बेंगलुरु में 16 से 20 अक्टूबर जबकि दूसरा पुणे में 24 से 28 अक्टूबर और तीसरा मुंबई में 1 से 5 नवंबर के बीच खेला जाएगा।

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड की मेजबानी करने के बाद भारतीय टीम चार मैच की टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। यह सीरीज 8 नवंबर से शुरू होगी और आखिरी मैच 15 नवंबर को खेला जाएगा।

इस पहला टी20- डरबन में 8 नवंबर जबकि दूसरा टी20- गकबेर्हा में 10 नवंबर, तीसरा टी20- सेंचुरियन में 13 नवंबर और चौथा टी20 जोहानसबर्ग में 15 नवंबर को खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के बाद भारतीय टीम का अगला दौरा ऑस्ट्रेलिया का होगा। बॉर्डर गावस्कर टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया इस बार 4 की जगह 5 मैच की टेस्ट सीरीज खेलेगी। भारत ने पिछले दो दौरों पर ऑस्ट्रेलिया को हराया है। ऐसे में इस बार भी टीम की नजरें जीत पर रहेंगी।

इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया से पहला टेस्ट- पर्थ में 22 नवंबर से 26 नवंबर जबकि दूसरा - एडिलेड में 6 दिसंबर से 10 दिसंबर, तीसरा टेस्ट ब्रिसबेन में 14 दिसंबर से 18 दिसंबर , चौथा टेस्ट मेलबर्न में 26 दिसंबर से 30 दिसंबर तक खेला जाएगा। पांचवां टेस्ट सिडनी में 3 जनवरी से 7 जनवरी तक होगा।)

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भारतीय टीम नये साल की शुरुआत में इंग्लैंड की मेजबानी करेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम 5 टी20 और तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले यह वनडे सीरीज दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण होगी।

महिला टी20 विश्वकप : बीसीबी ने सेना प्रमुख से मांगी सुरक्षा गारंटी

ढ़ाका। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता के कारण अक्टूबर में होने वाले महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी उसके हाथ से निकलने का खतरा बढ़ता जा रहा है। इसी से चिन्तित बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अब सेना प्रमुख जनरल वकार उज जमान से टूर्नामेंट के आयोजन के लिए सुरक्षा मांगी है। बांग्लादेश में फैली हिंसा के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा था। इस स्थिति में महिला टी20 विश्व कप का अक्टूबर में आयोजन मुश्किल माना जा रहा है हालांकि नई सरकार बनने के बाद बीसीबी को उम्मीद है कि सेना आयोजन में सहायता करेगी। महिला टी20 विश्व कप बांग्लादेश के सिलहट और मीरपुर में आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट के अभ्यास मैच अगले माह 27 सितंबर से शुरू हो जाएंगे। इसी को देखते हुए ही बीसीबी ने सेना प्रमुख को पत्र लिखकर टूर्नामेंट के आयोजन के लिए सुरक्षा आश्वासन मांगा है। बीसीबी अंपायरिंग कमेटी के अध्यक्ष इफ्तिखार अहमद मिठू ने कहा, हम टूर्नामेंट की मेजबानी करने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें दो माह ही बचे हैं , इसलिए हमने महिला टी20 विश्व कप में सुरक्षा की गारंटी को लेकर प्रमुख को एक पत्र भेजा है क्योंकि हमारे पास अब केवल दो महीने का समय बचा है। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की भी बांग्लादेश के हालातों पर नजरें लगी हुई हैं। माना जा रहा है कि अगर हालात ठीक नहीं हुए तो आईसीसी किसी अन्य देश को इसकी मेजबानी दे सकता है।

नीरज चोपड़ा बोले- आने वाले समय में बेहतर प्रदर्शन करुंगा

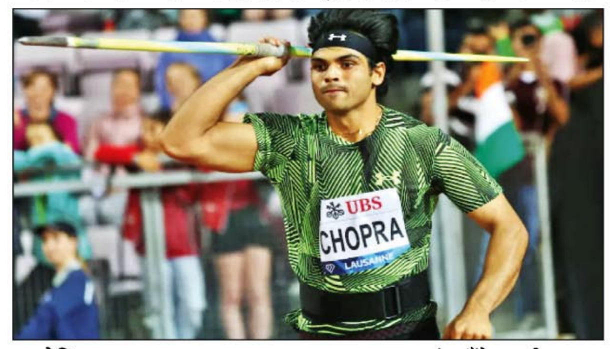

पेरिस। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा है आने वाले समय में वह अपने प्रदर्शन की कमियों को सुधार कर बेहतर प्रदर्शन करेंगे। नीरज ने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण जीता था, ऐसे में भारतीय प्रशंसकों को उनसे अपना प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद थी पर वह इस बार रजत ही जीत पाये।

नीरज का कहना है कि अब वह अपने थ्रोइंग एंगल (भाला फेंकने के कोण) और रन-अप को ठीक कर और भी अच्छा प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेंगे। ओलंपिक से पहले वह पैर में मांसपेशियों की चोट से भी गुजर रहे थे। इस कारण भी उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ। नीरज ने कहा, ''मैं अपनी ताकत से खुश हूं पर मुझे लगता है कि अगर मेरा थ्रोइंग एंगल बेहतर हो जाए तो मैं और दूर तक थ्रो कर सकता हूं। मैंने अभी अपना वीडियो नहीं देखा है। मुझे लगा है कि थ्रो के बाद ऊंचाई कुछ कम पड़ रही थीं, मुझे अपने रन-अप को भी ठीक करना होगा। इसलिए अगर मैं फिट रहा तो और बेहतर थ्रो कर सकूंगा।''

उन्हें उम्मीद है कि भारत को 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी का अधिकार मिल जाएगा। उन्होंने कहा, ''कुल मिलाकर देखा जाये तो यह भारतीय दल के लिए एक अच्छा ओलंपिक था। कई खिलाड़ी चौथे स्थान पर थे और उन्होंने अच्छी तरह से प्रतिस्पर्धा की। साथ ही कहा, ''यह अच्छा है कि लोग अब हमारे खेल को देख रहे हैं। वे हमारे खेल को लाइव देखते हैं, वे इन खेलों को देखने के लिए जल्दी उठ रहे हैं और देर से सो रहे हैं। यह एक संकेत है कि भारत में खेल को लेकर माहौल बदल रहा है।''

महावीर फोगाट बोले- विनेश को जरूर मिलेगा सिल्वर मेडल

नई दिल्ली। महिला पहलवान विनेश फोगाट के ताऊ महावीर फोगाट ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही फैसला आएगा कि विनेश को सिल्वर मेडल मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी कोशिश कर रही है, खेल पंचाट का फैसला भारत को हक में आएगा। खेल कोर्ट यानि कोर्ट ऑफ आर्बिरेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) द्वारा विनेश फोगाट को सिल्वर मेडल देने का फैसला रविवार तक टालने के बाद महावीर फोगाट ने कहा कि सुनवाई पूरी हो चुकी है। हमें सीएएस के फैसले का इंतजार है। हमें इंतजार करते तीन दिन हो गए हैं... अब जब भी फैसला आएगा उन्हें खुशी होगी। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी कोशिश कर रही है, इसके लिए उनका धन्यवाद। उन्होंने उम्मीद जताई कि विनेश फोगाट को सिल्वर मेडल जरूर मिलेगा।

शाकिब के अड़ियल रवैये से टी20 कनाडा लीग से बाहर हुई बांग्ला टाइगर्स

टोरंटो। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन का विवादों से पूराना नाता रहा है। इसी कारण उनपर आरोप भी लगते रहे हैं। अब ग्लोबल टी20 कनाडा लीग के दौरान भी उनकी जिद के कारण ही उनकी टीम बाहर हो गयी।

इस टूर्नामेंट का एलिमिनेटर मुकाबला शाकिब की बांग्ला टाइगर्स मिसिसॉगा और टोरंटो नेशनल्स के बीच खेला जाना था पर मगर खराब मौसम के चलते मैच होना संभव नजर नहीं आ रहा था। ऐसे में अंपायरों ने 1-1 ओवर का मैच रखा पर टीम के कप्तान शाकिब इसमें उतरने को तैयार नहीं हुए।

एक रिपोर्ट के अनुसार शाकिब ने 1-1 ओवर का मैच खेलने से मना दिया। उनका कहना था कि यह नियमों का उल्लंघन है। नियम यह है कि 1-1 ओवर का मैच तभी होता है जब मैच टाई हो। इसके अलावा किसी भी मैच का परिणाम निकालने के लिए 5-5 ओवर का खेल होना जरूरी है। अगर बांग्ला टाइगर्स मिसिसॉगा वर्सेस टोरंटो नेशनल्स एलिमिनेटर बारिश के चलते नहीं हो पाता तो नियमों के तहत शाकिब की बांग्ला टाइगर्स मिसिसॉगा को क्वालिफायर-2 के तौर पर प्रवेश मिल जाता क्योंकि उनकी टीम अंक तालिका में तीसरे पायदान पर रहते हुए प्लेऑफ में पहुंची थी।

मैच अधिकारी शाकिब को खेल के लिए समझाते रहे पर उन्होंने उपनी जिद नहीं छोड़ी। अंत में जब शाकिब टॉस के लिए मैदान पर नहीं उतरे तो अंपायों ने मैच को रद्द करते हुए अंक तालिका में नंबर-4 पर होने के बाद भी टोरंटो नेशनल्स को अगले दौर मे में भेज दिया।

पेरिस ओलंपिक–2024 में इस बार छह भारतीय खिलाड़ी चौथे नंबर पर रहे

पेरिस। भारतीय खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में इस बार भारतीय खिलाड़ी केवल छ पदक ही जीत पाये जबकि पिछली बार टोक्यो ओलंपिक में उसने 7 पदक जीते थे जिसमें एक स्वर्ण भी शामिल था। इस बार भारतीय दल के पास और भी पदक जीतने का अवसर था पर क्वार्टर फाइनल में हार से वह निकल गया। 6 खिलाड़ी चौथे नंबर पर रहे जिससे हाथ आये पदक निकल गये। इस बार केवल निशानेबाज ही उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन कर पाये। वहीं अन्य खेलों में निर्णायक क्षणों में हार से भारतीय खिलाड़ियों के हाथ से पदक निकल गये।

निशानेबाजी में दो पदक जीतकर, मनु भाकर ने प्रभावित किया। मुन ने एकल के बाद मिश्रित इवेंट में निशानेबाज सरबजोत सिंह के साथ कांस्य जीता। इसके अलावा व्यक्तिगत वर्ग में निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने भी कांस्य जीता। भाला फेंक में पिछले बार के स्वर्ण विजेता नीरज इस बार रजत पदक ही जीत पाये। भारतीय हॉकी टीम ने लगातार दूसरे ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। कुश्ती में अमन सहरावत ने एक मात्र पदक जीता। कुश्ती में विनेश फोगाफ के सेमीफाइनल में वजन अधिक होने के कारण अयोग्य घोषित होने से भी भारत के हाथ से एक पदक निकल गया।

मनु भाकर 25 मीटर एयर पिस्टल में चौथे स्थान पर रही ओर उनके हाथ से तीसरा पदक निकल गया। इसके अलावा निशानेबाज अर्जुन बबूता भी पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में चौथे नंबर पर रह गए। इसके अलावा महेश्वरी चौहान और अनंतजीत सिंह नरूका भी निशानेबाजी के स्कीट टीम इवेंट में चौथे नंबर पर रहे।

बैडमिंटन में पीवी सिंधु लगातार तीसरी बार ओलंपिक पदक जीतने से रह गयीं। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन भी सेमीफाइनल में पहुंच पर वहां हार से पदक नहीं जीत पाये।

वहीं भारोत्तोलन में मीराबाई चानू भी पदक जीतने में विफल रहीं। . उन्होंने वेटलिफ्टिंग की अपनी कैटेगरी में कुल 199 किलो का वजन उठाया और चौथे नंबर पर रहीं. 200 किलो वजन उठाने वाली वेटलिफ्टर ने ब्रॉन्ज मेडल जीता. इस तरह मीराबाई चानू एक किलो वजन से मेडल चूक गईं. तीरंदाजी में अंकिता भकत और धीरज बोम्मादेवड़ा की जोड़ी भी चौथे स्थान पर रही और पदक हासिल नहीं कर पायी। मुक्केबाजी में निशांत देव और पिछले बार की रजत विजेता लवलीना बोरगोहेन भी क्वार्टर फाइनल में आकर हार गयीं।

रेसलर विनेश फोगाट को मेडल मिलेगा या नहीं ? 13 तक के लिए टला फैसला

नई दिल्ली। हरियाणा की रेसलर विनेश फोगाट को पेरिस में मेडल मिलेगा या नहीं। इस पर फैसला कोर्ट ऑफ आर्बिटरेशन फॉर स्पोर्ट्स ने साढ़े नौ बजे अपना फैसला देने की बात कही थी। हालांकि आईओए के हवाले से खबर आ रही है कि ओलंपिक फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ विनेश फोगाट की अपील पर सीएएस का फैसला 13 अगस्त तक टाला गया है।

50 किलोग्राम फ्री स्टाइल कुश्ती में बढ़े वजन के चलते हो गई थी डिक्वालिफाई

डिजिटल डेस्क, पानीपत। हरियाणा की रेसलर को पेरिस में मेडल मिलेगा या नहीं। इस पर फैसला आने में कुछ ही समय बचा है इसको लेकर खेल कोर्ट यानी कोर्ट ऑफ आर्बिटरेशन फॉर स्पोर्ट्स 13 अगस्त को फैसला आने की बात कही थी।

खेल पंचाट न्यायालय (सीएएस) यानी कोर्ट ऑफ आर्बिटरेशन फॉर स्पोर्ट्स ने भारतीय पहलवान विनेश फोगट की ओलंपिक खेलों के महिला 50 किग्रा फ्री-स्टाइल फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ अपील पर निर्णय लेने में एक और दिन लेगा।

29 वर्षीय विनेश को बुधवार को वजन के समय 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराया गया था। उनकी अपील पर बहुप्रतीक्षित फैसला शनिवार शाम को घोषित किया जाना था।

13 अगस्त शाम 6 बजे तक का दिया समय

आईओए ने एक बयान में कहा कि सीएएस ने विनेश फोगट बनाम यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग और अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति में एकमात्र मध्यस्थ माननीय डॉ. एनाबेले बेनेट को निर्णय जारी करने के लिए 13 अगस्त, 2024 को शाम 6 बजे तक का समय दिया है। इसमें कहा गया कि तर्कसंगत आदेश बाद में जारी किया जाएगा।

नीरज चोपड़ा ने विनेश फोगाट को लेकर कही ये बात

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक से अयोग्य ठहराए जाने के बाद भारतीय पहलवान विनेश फोगट की कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट में रजत पदक के लिए अपील पर खुलकर बात की और कहा कि अगर 29 वर्षीय विनेश को पदक मिलता है तो यह 'बहुत अच्छा' होगा।

विनेश को स्वर्ण पदक के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की सारा एन हिल्डेब्रांट के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करनी थी, लेकिन बुधवार को वजन सीमा से केवल 100 ग्राम अधिक होने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। अयोग्य ठहराए जाने के बाद, फोगट ने सीएएस से अनुरोध किया कि उन्हें रजत पदक दिया जाए।

विनेश फोगाट के देश लिए किए गए कार्यों को न भूले- नीरज चोपड़ा

कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट ने घोषणा की कि महिलाओं की 50 किलोग्राम कुश्ती के फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के बाद विनेश फोगट को रजत पदक देने का निर्णय चल रहे मार्की इवेंट के खत्म होने से पहले लिया जाएगा। इंडिया हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, नीरज ने नागरिकों से विनेश फोगट द्वारा देश के लिए किए गए कार्यों को न भूलने के लिए कहा।

अगर पदक नहीं जीतते तो वे लोग हमें भूल जाते हैं- नीरज चोपड़ा

नीरज ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि अगर वह पदक जीतती है तो यह वाकई बहुत अच्छा होगा। अगर ऐसी स्थिति नहीं आती तो उसे पदक मिल जाता। अगर हम पदक नहीं जीतते तो लोग हमें कुछ समय के लिए याद रखते हैं और कहते हैं कि हम उनके चैंपियन हैं, लेकिन अगर हम पदक नहीं जीतते तो वे हमें भूल जाते हैं...मैं लोगों से बस इतना अनुरोध करना चाहता हूं कि विनेश ने देश के लिए जो किया है उसे न भूलें...।

माधुरी ने दूरदर्शन के टीवी सीरियल से किया था डेब्यू

मीनाक्षी शेषाद्री, मंदाकिनी और अमृता सिंह जैसी खूबसूरत अभिनेत्रियों का 80 के दशक में खूब बोला बाला था। कहा जाता है कि इन बॉलीवुड हसीनाओं की तस्वीरें उस वक्त फैंस अपने पर्स में भी लेकर घूमते थे। लेकिन उसी दौर में अदाकारी के मामले में उन्हें टक्कर देने के लिए माधुरी दीक्षित नाम की एक सनसनी आई, जो सब पर भारी पड़ गई। ब्यूटी और एक्टिंग के मामले में माधुरी ने हर किसी को अपना दीवाना बना दिया था। लेकिन क्या आपको ये मालूम है कि हिंदी सिनेमा में आने से पहले वह दूरदर्शन के एक टीवी सीरियल में काम किया करती थीं। आइए इस मामले को डिटेल्स में जानते हैं। फिल्मों के साथ-साथ 80 के दशक में दूरदर्शन टीवी चैनल का अपना अलग ही रुतबा था। हम में से ज्यादातर लोगों का बचपन डीडी नेशनल पर अलग-अलग जॉनर के फेमस टीवी शो देखकर गुजरा है। फिर चाहें वो माइथोलॉजिकल, कॉमेडी और सुपरहीरो शो क्यों न रहे हों। उनमें से एक कॉमेडी शो पेइंग गेस्ट भी रहा, जिसने दर्शकों को ठहाके लगवाने पर मजबूर किया। राजश्री बैनर तले बने इस धारावाहिक के जरिए ही माधुरी दीक्षित ने करीब 40 साल पहले अपने एक्टिंग करियर का आगाज किया था। इस टीवी में ही उन्होंने अपने एक्टिंग के हुनर की एक झलक दिखाई। पेइंग गेस्ट के पहले एपिसोड में माधुरी दीक्षित दिखाई गई थीं और उन्होंने नीना नाम की एक लड़की भूमिका को अदा किया था। हैरान करने वाली बात ये है कि पेइंग गेस्ट और डेब्यू फिल्म अबोध से पहले माधुरी दीक्षित ने दूरदर्शन के बॉम्बे मेरी है टीवी शो के लिए शूटिंग की थी, लेकिन प्रभावशाली स्टार कास्ट न होने की वजह से डीडी नेशनल ने इसे हटा दिया था। सिल्वर स्क्रीन पर माधुरी दीक्षित ने फिल्म अबोध के जरिए सिनेमा जगत में कदम रखा था। इस फिल्म में वह बंगाली फिल्म सुपरस्टार तपस पाल के अपोजिट दिखाई गई थीं। उस वक्त माधुरी की उम्र महज 17 साल की थी, जिसका अंदाज आप फिल्म के सीन की इस तस्वीर को देखकर लगा सकते हैं। हीरेन नाग द्वारा निर्देशित अबोध में माधुरी ने गौरी का किरदार निभाया था, जिसे फिल्म क्रिटिक्स और दर्शकों से काफी सराहना मिली। चूकिं अबोध फिल्म को 10 अगस्त 1984 को रिलीज किया गया। उस आधार पर हिंदी सिनेमा में माधुरी 4 दशक का सुनहरा सफर पूरा करने जा रही हैं। एक अभिनेत्री के तौर पर व्यक्तिगत तौर पर उनके लिए ये एक बड़ी उपलब्धि है। अपने करियर में उन्होंने दयाबान, तेजाब, राम लखन, त्रिदेव, प्रेम प्रतिज्ञा, दिल, दिल तो पागल है और हम आपके हैं कौन जैसी कई शानदार मूवीज में काम किया है। बड़े पर्दे पर आखिरी बार माधुरी दीक्षित की मौजूदगी फिल्म कलंक में देखने को मिली थी। हालांकि, इसके बाद वह 2022 में ओटीटी मूवी मजा मा में नजर आई थीं। इसके साथ ही डांस दीवाने और झलक दिखला जा जैसे डांस रियलिटी शो को वह बतौर जज होस्ट कर चुकी हैं।

त्वचा संबंधी हर समस्या को दूर करने में मददगार है पपीता

पपीता सेहत के लिए कितना फायदेमंद होता है, इसका अंदाजा तो आपको होगा ही। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये आपकी स्किन के लिए भी काफी लाभदायक होता है। स्किन केयर के कई प्रोडक्ट्स में भी पपीता एक्सट्रेक्ट का इस्तेमाल किया जाता है। पपीता में मौजूद विटामिन-ए, बी, सी और पेपिन स्किन को एक नहीं, बल्कि कई फायदे पहुंचाता है। आइए जानें पपीता को स्किन केयर में शामिल करने के फायदों के बारे में। पपीते को स्किन पर लगाने के लिए सबसे पहले पपीते के गूदे को निकाल लें और उसमें से बीज अलग कर दें। फिर इसमें थोड़ा-सा शहद और दूध मिलाएं। इसे पैच टेस्ट करने के लिए हाथ या कान के पीछे लगाकर देखें। अगर कोई एलर्जी न हो, तो इसे अपने चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद पानी से धो लें। पपीते में पैपीन, विटामिन-ए और सी पाया जाता है, जो स्किन की रंगत निखारने में मदद करता है। इसके इस्तेमाल से चेहरे के दाग-धब्बे कम करने और हाइपरपिग्मेंटेशन को कम करने में भी मदद मिलती है। इसलिए इसे लगाने से स्किन ग्लोइंग और साफ नजर आती है। पपीता स्किन के सेल्स को हाइड्रेट करता है। इससे त्वचा रूखी और बेजान नहीं दिखती। इससे फ्लेकी स्किन होने की समस्या भी दूर होती है। साथ ही, त्वचा ग्लोइंग भी नजर आती है। इसका फेस पैक बनाकर आप अपनी स्किन पर लगाएं और हेल्दी स्किन पाएं। पपीता में पेपिन पाया जाता है, जिसमें एक्ने की सूजन कम करने में मदद मिलती है। साथ ही, ये स्किन के डेड सेल्स को साफ करके पोर्स को क्लॉग होने से बचाता है। इसलिए एक्ने की सम्स्या कम होती है। ये एक्ने के निशान कम करने में भी मदद करता है। पपीता स्किन को सूरज से निकलने वाली हानिकारक यूवी किरणों से भी बचाता है। ऐसा इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स और बीटा केरोटीन के कारण होता है। ये दोनों यूवी किरणों को ब्लॉक करके स्किन को हेल्दी रखते हैं। पपीते में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स और विटामिन-सी कोलाजेन बनाने में मदद करते हैं। इसलिए इसे लगाने से एजिंग की समस्या कम होती है और स्किन पर नजर आने वाली झुर्रियां और फाइन लाइन्स भी कम होते हैं।

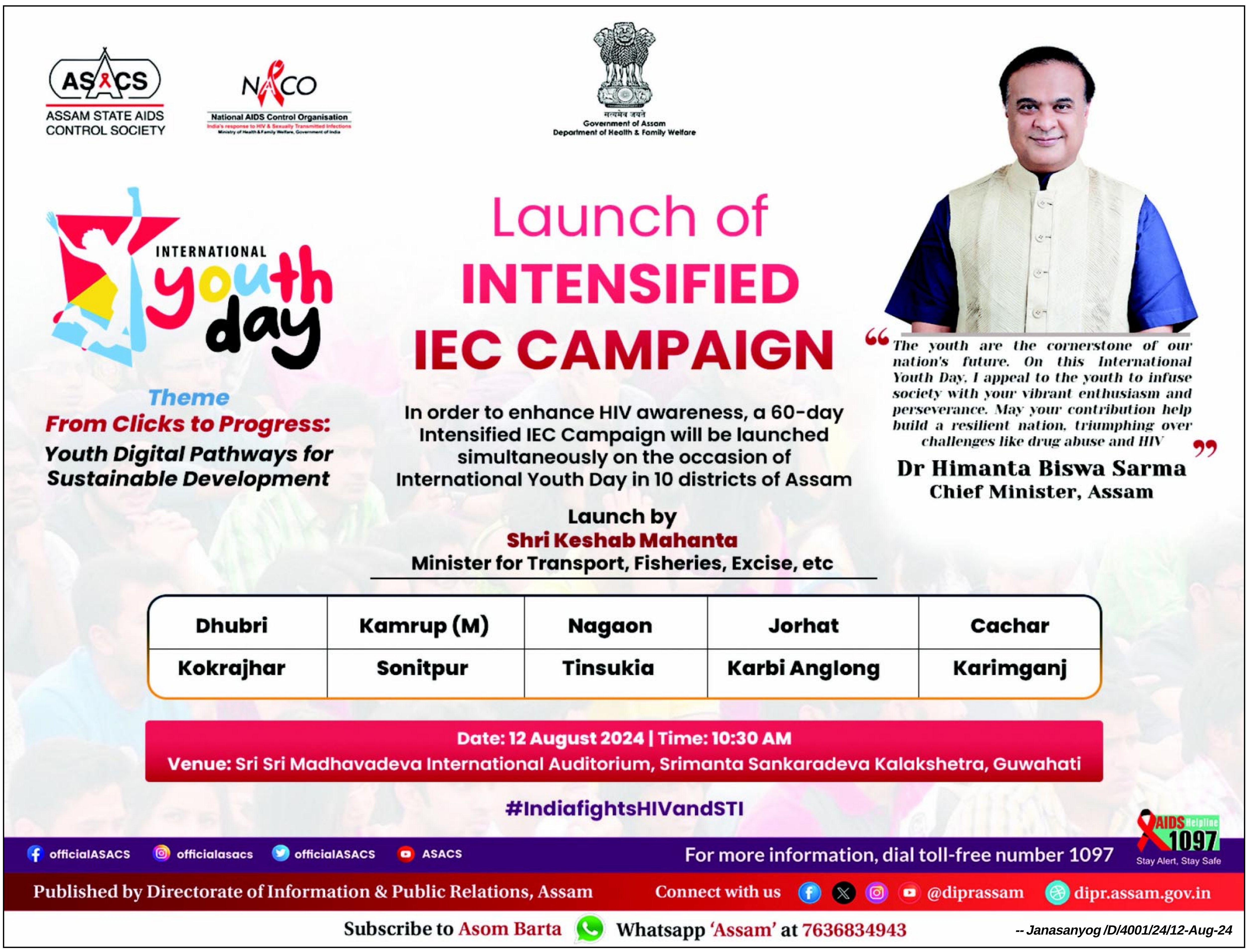

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**